कोयलांचल संवाद

हिंदी दैनिक

रांची, शनिवार, 28 सितंबर, 2024 वर्ष : 12 अंक : 136 www.koylanchalsamvad.com

रांची व धनबाद से एक साथ प्रकाशित

YouTube Subscribe

Koylanchal sambad news

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND
सत्यमेव जयते

अबुआ आभार हेमन्त सरकार

नियुक्ति नियमावली में अड़चनों को दूर कर नियुक्तियों की कड़ियां जोड़ती हेमन्त सरकार

नव चयनित 444 प्रशिक्षण अधिकारियों को

मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन

एवं मंत्रीगण सौंपेंगे नियुक्ति पत्र

दिनांक: 28 सितम्बर, 2024 | समय: अपराह्न 12:00 बजे | स्थान: जैप-1 ऑडिटोरियम, डोरण्डा, रांची

युवाओं के सपने, हेमन्त सरकार के हैं अपने

- कृषि पदाधिकारी समेत कई पदों पर राज्य गठन के बाद पहली बार नियुक्ति
- विभिन्न विभागों में हजारों युवाओं की हुई नियुक्ति
- JPSC अथवा JSSC द्वारा अनुशंसित विभिन्न पदों में 75% से 100% झारखण्ड के अभ्यर्थियों की नियुक्ति
- इस वित्तीय वर्ष में 5,403 स्नातक प्रशिक्षित शिक्षकों एवं 539 लैब सहायकों की नियुक्ति
- JSSC द्वारा आयोजित विभिन्न परीक्षाओं में चयनित 327 अभ्यर्थियों एवं Re-counselling के उपरांत चयनित 200 सहायक शिक्षकों की नियुक्ति
- गरीब-गुरुबा परिवार के युवा बने अफसर
- JPSC में रिकॉर्ड समय पर नियुक्ति
- निजी क्षेत्र में स्थानीय युवाओं को 75% आरक्षण के साथ 1 लाख से अधिक युवाओं को मिला ऑफर लेटर

PR No. 337433 (IPRD) 2024-25

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

थाने के बैरक, सिरिस्ता और हाजत में घुसा पानी

सुपौल. सुपौल में पिछले 24 घंटे से रुक-रुक कर लगातार हो रही झमाझम बारिश के कारण जगह-जगह बाढ़ जैसे हालात देखने को मिल रहा है। जिला मुख्यालय सहित निर्मली, त्रिवेणीगंज और वीरपुर अनुमंडल क्षेत्र के शहरी और ग्रामीण इलाकों की सड़क डूब गई है। इसमें सबसे अधिक परेशानी निर्मली इलाके में रह रहे लोगों को हो रही है। निर्मली थाना भी जलभराव की जद में है। थाना में मौजूद बैरक, हाजत-सिरिस्ता और थानाध्यक्ष कक्ष भी बारिश की पानी में डूब चुका है। यहां आम लोगों के साथ-साथ ड्यूटी पर मौजूद पुलिस पदाधिकारियों और जवानों की भी परेशानी बढ़ गई है। निर्मली थाना के पुलिस बैरक में बारिश का पानी घुसने से यहां रह रहे पुलिस पदाधिकारी और जवानों को खाना बनाने में भी दिक्कत हो रही है। बैरक में रखे गए गैस चूल्हा-सिलेंडर, फुट वेयर और अन्य सामग्री भी पानी में डूब चुके है। बैरक में बारिश का पानी घुसते ही जहरीले कीड़े और सांप भी दिख रहे है। नीचे पानी और ऊपर फोल्डिंग रहित बिछावन पर पुलिस पदाधिकारी और जवानों की रात गुजर रही है। नगर पंचायत निर्मली में मेन रोड, बैंक ऑफ इंडिया रोड, पोस्ट ऑफिस रोड, पुरानी रजिस्ट्री ऑफिस रोड, कोसी कॉलोनी की सड़कों पर पिछले 24 घंटे से जलभराव कायम है। ऐसे में ट्यूशन और स्कूल जाने वाले विद्यार्थियों को भी जलभराव से भारी परेशानी हो रही है। आम लोगों से लेकर खास लोग भी परेशानी से गुजर रहे है। मुख्य पार्षद प्रतिनिधि जगरनाथ कामत ने कहा कि शहर से जलनिकासी के लिए पूर्वी और उत्तरी रिंग बांध पर निर्मित स्लाइस गेट खोल दिए गए है। जगह-जगह सफाईकर्मियों की भी मदद ली जा रही है।

वी2 के बेसमेंट में चल रहा था सेक्स रैकेट: संचालक समेत 4 युवक-युवती अरेस्ट

भागलपुर. भागलपुर में बुधवार को सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ हुआ था। गुरुवार को पुलिस ने 1 मास्टरमाइंड, 2 युवक(दलाल) और 2 युवती को गिरफ्तार किया है। यह पूरा मामला ततारपुर थाना क्षेत्र के आशाआनंदपुर चौक के पास स्थित वी2 मॉल के बेसमेंट का है।

इस मामले में शुक्रवार को सिटी एसपी के.रामदास ने प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि ततारपुर थाना पुलिस को 25 सितंबर को गुप्त सूचना मिली थी। आशाआनंदपुर चौक के पास स्थित वी2 मॉल के बेसमेंट में कुछ लड़के-लड़कियों द्वारा आपत्तिजनक काम किया जा रहा है। सूचना को सत्यापन करते हुए एसएसपी के निर्देश पर ट्रेनी डीएसपी सह थाना अध्यक्ष ततारपुर द्वारा अपने दलबल के साथ भी मॉल के बेसमेंट में छापेमारी की गई। यहां बेसमेंट स्थित केबिन संख्या 1,2 और 3 से 1-1 युवती और 1-1 युवक आपत्तिजनक स्थिति में मिले। पूछताछ में इन लोगों ने बताया कि हमलोग पैसा लेकर देह व्यापार का काम करते हैं। आपत्तिजनक देव्यापार के आरोप में दोनों युवक-युवती को गिरफ्तार कर लिया गया। इसका मास्टरमाइंड मॉल का संचालक दिलीप कुमार सिंह है। जिसे पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है। इसके मोबाइल से पुलिस ने वॉट्सऐप चैट बरामद किया है। इसमें कुछ लड़कियों का फोटो कीमत के साथ मिल है। पुलिस ने छापेमारी करते हुए यहां से टैबलेट समेत कई चीजें बरामद की है। गिरफ्तार लोगों में शामिल वी2 मॉल के संचालक दिलीप कुमार सिंह, मोजाहिदपुर थाना क्षेत्र निवासी राम प्रसाद दास के बेटे अमर कुमार दास उर्फ अमित, हबीबपुर थाना क्षेत्र के महेंद्र शाह के बेटे राहुल कुमार साह और 2 युवती है। इस मामले में तातारपुर थाना में सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

नाबालिग से रेप मामले में आरोपी दोषी करार: 30 सितंबर को सुनाया जाएगा फैसला

शेखपुरा. शेखपुरा पोक्सो न्यायालय के विशेष न्यायाधीश कुमार अविनाश ने शुक्रवार को दुष्कर्म के आरोपी को दोषी पाया। दुष्कर्म का आरोपी जिले के अरियरी प्रखंड क्षेत्र के सनैया गांव का रामप्रवेश उर्फ निरंजन कुमार है। उसने एक नाबालिग बालिका के साथ 6 अगस्त 2020 को दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया था। किशोरी द्वारा स्थानीय महिला थाना शेखपुरा में प्राथमिकी दर्ज कराने के बाद उसे पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया था। वह उसी दिन से अभी तक जेल में बंद है। पोक्सो के विशेष लोक अभियोजक मोहम्मद तसीमुद्दीन और शंभू शरण प्रसाद सिंह ने बताया कि घटना के समय बालिका अपने खेत में भिंडी तोड़ने गई थी। इसी बीच बारिश के कारण वह बगल के बस के झुरमुट में छिपने गई, जहां दोषी राम प्रवेश उसका गला दबाते हुए घसीटते हुए नदी की ओर ले गया और उसके साथ अपना मुंह काला किया। घटना के बाद लगभग 2 घंटे तक बेहोश रहने के बाद वह अपने घर जाकर पूरी घटना की जानकारी मां को दी। उन्होंने बताया कि इस घटना के समर्थन में अभियोजन द्वारा न्यायालय के समक्ष कुल सात गवाह प्रस्तुत किए गए। न्यायालय द्वारा गवाही और अभियोजन तथा बचाव पक्ष के दलीलें को सुनने के बाद राम प्रवेश उर्फ निरंजन को भारतीय दंड विधान की धारा 376 के अलावा पोक्सो अधिनियम के तहत दोषी पाया। न्यायालय द्वारा उसे दोषी पाए जाने के बाद पुनः वापस जेल भेज दिया गया। सजा की बिंदु पर सुनवाई के लिए उसे 30 सितंबर सोमवार को पुनः न्यायालय में प्रस्तुत करने का आदेश दिया गया है।

जीविका कैडर संघ की बैठक का आयोजन

लखीसराय. लखीसराय मे जीविका कैडर संघ की बैठक आयोजित हुई। इसकी अध्यक्षता संघ के जिला अध्यक्ष आशा रंजन ने की। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदीप कुमार सिंह ने कहा कि 2 सितंबर को जीविका प्रबंधन के जारी संशोधित सामुदायिक कैडर मानदेय कार्यालय का आदेश कैडरों के साथ छलावा है। इसको लेकर कैडर अब सड़क पर उतर कर आर - पार के मूड में है। इन्होंने आंदोलन की चेतावनी दी है। कैडरों ने शपथ लिया है कि सरकार ने कैडर मानदेय पॉलिसी नहीं बदला, तो हम 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में सरकार बदल देंगे। बता दें कि "जीविका" मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की एक महत्वाकांक्षी परियोजना है। इसने बिहार कि सूरत बदलने का हर संभव प्रयास किया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में बदलाव हो रहा है। उसमें जीविका का एक बड़ा योगदान हैं। बैठक में कहा गया है कि बड़े दुख के साथ कहना पड़ रहा हैं कि आज जीविका में कार्यरत लगभग 1.5 लाख कैडरों का मानदेय भुगतान पद्धति बिल्कुल बंधुआ मजदूर वाली है। इसमें 90% महिला कैडर शामिल हैं। जीविका प्रबंधन से कई बार अनुरोध करने पर भी अभी तक उसमें कोई पहल नहीं हो पाया है। जिससे जीविका कैडरों के बीच जीविका प्रबंधन और सरकार के प्रति असंतोष है।

लोजपा(रा.) ने बंगाल की सीएम का फूंका पुतला

पटना. पश्चिम बंगाल में बिहार के 2 युवकों के साथ मारपीट की घटना के विरोध में लोजपा(रा.) के कार्यकर्ता सड़क पर उतर गए हैं। पटना के इनकम टैक्स गोलंबर पर कार्यकर्ताओं ने बंगाल की सीएम ममता बनर्जी का पुतला फूंका और जमकर नारेबाजी की। पार्टी के प्रवक्ता राजेश भट्ट ने कहा कि इस घटना की जितनी निंदा की जाए, वो कम है। लोजपा रामविलास बिहार के छात्रों के साथ दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं करेगी। इससे यह साबित हो गया है कि बंगाल में सत्ता नाम की कोई जीच नहीं है। ममता बनर्जी सिर्फ बांग्लादेशियों का स्वागत करती है। जो सरकार बलात्कारियों को बचाने में लगी है, वो भला इंसाफ कैसे करेगी। दरअसल, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर बंगाल में दो बिहारी छात्रों के साथ मारपीट और बदसलूकी का वीडियो शेयर किया था। वीडियो में दो लोग युवकों के साथ बदसलूकी करते नजर आ रहा है। वह कह रहा, 'बिहार के हो तो बंगाल में परीक्षा देने क्यों आए हो। उठक-बैठक लगवाकर कहा, 'बंगाल से चले जाओ।' 'घटना पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी की है। कब हुई, इसके बारे में जानकारी नहीं है। इस मामले में बंगाल पुलिस ने दो आरोपियों को पकड़ा है।

बुआजी दिल्ली में बैठकर नेपाल से मंगा रही चरस:मोतिहारी में पकड़ाया मेन शागिर्द असलम स्माइकी

मोतिहारी. सुगौली रेलवे स्टेशन पर पकड़े गए 2 चरस तस्करों के बाद मोतिहारी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। रक्सौल एसडीपीओ की टीम ने नेपाल से चरस सप्लाई करने वाले असलम स्माइकी को भी अरेस्ट कर लिया है। असलम स्माइकी की अरेस्टिंग के बाद अब पुलिस की नजर गिरोह की सरगना बुआजी पर टिकी है। सूत्रों के अनुसार रेल पुलिस की एक टीम बुआजी की तलाश में दिल्ली के लिए रवाना हो गई है। बुआजी दिल्ली में बैठकर नेपाल से रक्सौल के रास्ते माल मंगाती है। फिर उसे हरियाणा से लेकर महाराष्ट्र तक सप्लाई करती है। बताया जा रहा है कि वह पहले भारत-नेपाल सीमा से ही तस्करी का काम करती थी। नेटवर्क मजबूत करने के बाद अब वह दिल्ली से ऑपरेट करती

है। बुआजी के बारे में और जानकारी जुटाने के लिए पुलिस टीम लगातार असलम स्माइकी से पूछताछ कर रही है। उसे फिलहाल सेफ जगह रखा गया है।

बुआजी का मेन शागिर्द हैअसलम स्माइकी

असलम स्माइकी से पुलिस को बुआजी के बारे में कई जानकारियां मिली हैं। वह बुआजी का मेन शागिर्द है। नेपाल में बैठकर मादक पदार्थ उपलब्ध कराता है। नेपाल से उसका शागिर्द नेमुउल्लाह माल को बॉर्डर पार कराता है। फिर इसे बाकी लोग भारत के अन्य राज्यों में पहुंचाने का काम करते हैं। नेमुउल्लाह को पुलिस ने गुरुवार को ही अरेस्ट कर लिया है। इधर असलम स्माइकी ने बताया कि पुलिस को चकमा देने के लिए 4 लेयर में आदमी काम करते है। असलम स्माइकी के अनुसार वह इन लोगों को जल्दी में रुपए कमाने का लालच देकर अपनी टीम में शामिल कराता था। यह लोग माल को दिल्ली-हरियाणा तक पहुंचाते थे। कई बार तो ऐसा हुआ है कि रास्ते में ही आदमी बदल देते हैं, ताकि पुलिस या जांच एजेंसी को इस बात की भनक न लगे।

पहले सुगौली स्टेशन पर पकड़ाए 2 तस्कर

रेल डीएसपी उमेश कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि अंतरराष्ट्रीय गिरोह के तस्करों के द्वारा भारी मात्रा में मादक पदार्थ ले जाया जानेवाला है। इसके बाद सुगौली रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर जांच अभियान शुरू किया गया। इस दौरान दो संदिग्ध लोगों ने भागना चाहा, जिसे टीम ने पकड़ लिया। जांच करने पर दोनों के बैग से आधा-आधा किलो का बारह पैकेट चरस बरामद किया गया। कुल छह किलो एक सौ दस ग्राम चरस पाया गया। डीएसपी के अनुसार पकड़े गए लोगों में जिले के रामगढवा थाना के रघुनाथपुर वार्ड-8 ग्राम बेलहिया के शकुर मियां का बेटा असलम आलम (30) और जैनूल अंसारी का बेटा मुमताज अंसारी (35) शामिल है। इनकी निशानदेही पर मुख्य सप्लायर रामगढवा थाना के चाडवां निवासी सिजाउद्दीन अंसारी का बेटा नेमुल्लाह अंसारी को गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार तस्करों ने बताया कि चरस नेपाल के असलम स्माइकी नाम के व्यक्ति से खरीदी गई है। इस बात की सूचना मोतिहारी एसपी स्वर्ण प्रभात को लगी। उन्होंने रक्सौल SDPO धीरेन्द्र कुमार के नेतृत्व में 5 थानों के थानेदारों की टीम बनाकर छापेमारी करने का निर्देश दिया। इस दौरान ही पुलिस ने असलम स्माइकी को मादक पदार्थ के साथ गिरफ़्तार कर लिया गया।

मंत्री श्रवण कुमार ने तेजस्वी को बताया बेरोजगार: जीविका दीदियों से बोले- ऐसे लोगों से सावधान रहें, आपकी आमदनी से कुछ खींचना चाहता है

पटना. बिहार सरकार के मंत्री श्रवण कुमार ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को बेरोजगार बताया है। इतना ही नहीं उन्होंने ऐसे लोग से आमलोगों और खासकर जीविका दीदियों को सावधान रहने की सलाह दी है। पटना के ज्ञान भवन में 10 दिवसीय सरस मेला के समापन समारोह में जीविका दीदियों को संबोधित करते हुए ये बातें कही। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर तंज कसते हुए कहा कि सीएम नीतीश कुमार ने बिहार में जीविका दीदी समूह की शुरुआत थी। महिलाओं को घर की दहलीज पार करवाकर आत्मनिर्भर बनाया है। आप लोगों को कुछ भी दिक्कत या परेशानी हो तो हमें

बताइए। सीएम से लेकर सरकार के सभी मंत्री और अधिकारी आपके लिए हमेशा मौजूद हैं। ये फालतू का जो आदमी बेरोजगार घूमता रहता है, वह आपकी आमदनी से कुछ खींचना चाहता है। आपको सावधान रहना पड़ेगा। जितना आगे बढ़ाया है, उससे और आगे बढ़ाएंगे। ऐसे लोगों से सचेत रहें।

16 राज्यों से आए उद्यमी

दरअसल, पटना में 18 से 27 सितंबर तक बिहार सरस मेला का आयोजन हुआ। प्रथम संस्करण में 16 राज्यों से उद्यमी पटना पहुंचे थे। बिहार समेत झारखंड, ओडिशा, असम, मणिपुर, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, तमिलनाडु, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और उत्तराखंड की स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिला उद्यमियों ने स्टॉल लगाए।

तीन करोड़ से अधिक की हुई बिक्री

10 दिवसीय बिहार मिनी सरस मेला में इस बार 3 लाख 25 हजार से ज्यादा लोग पहुंचे थे। करीब 3 करोड़ 28 लाख रुपए के उत्पादों और व्यंजनों की खरीदारी हुई है। इसमें जीविका दीदी द्वारा संचालित दीदी की रसोई समेत अन्य स्टॉल से देशी, शुद्ध, स्वादिष्ट और पौष्टिक व्यंजनों के स्वाद का आम जनता ने लुफ्त उठाया। इसमें बिहार से लगभग सभी 38 जिलों से स्वयं सहायता समूह की महिला उद्यमियों ने शिरकत की।

जमुई में आईपीएस के बाद मधुबनी में धराया फर्जी सिपाही:पुलिस की वर्दी में नकली पिस्टल के साथ घूम रहा था, बोला-3 साल से बॉडीगार्ड का काम कर रहा

मधुबनी . मधुबनी के जयनगर में एक फर्जी सिपाही को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मामले में डीएसपी विप्लव कुमार ने बताया कि जयनगर थाना प्रभारी अंकुर कुमार को गुप्त सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति फर्जी पुलिस वर्दी पहनकर इलाके में घूम रहा है। सूचना की पुष्टि के लिए पुलिस की एक टीम गठित की गई और उक्त व्यक्ति को रजिस्ट्री कार्यालय के पास से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम सौरभ राय उर्फ सोनल राय बताया और कहा कि वह पिछले तीन साल से बॉडीगार्ड का काम कर रहा है। उसने खुलासा किया कि अपने मालिक के कहने पर उसने पुलिस की वर्दी पहनी और नकली पिस्टल

रखा। पुलिस ने उसके पास से वर्दी और नकली पिस्टल बरामद की है। फिलहाल आरोपी से आगे की पूछताछ की जा रही है और उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। बता दें की कुछ दिन पहले जमुई जिले में पुलिस ने आपीएस के वर्दी में घूम रहे एक युवक को गिरफ्तार किया था।

नवादा में दरोगा और ड्राइवर को डंडे से पीटा : रोड में गिरा कर मारते दिखे लोग; गाली देने से शुरू हुआ था विवाद

नवादा. नवादा में पुलिस के साथ मारपीट हुई है। घटना नारदीगंज प्रखंड के कहुआरा गांव के पास की है। मारपीट का एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें डायल 112 की टीम की गाड़ी है। सड़क पर तीन पुलिस वाले और 4-5 लोगों में कुछ बहस होती है। इसके बाद लोग पुलिस के ड्राइवर को पीटने लगते हैं। दरोगा और एक महिला पुलिस कर्मी उन्हें बचाने की कोशिश करते हैं। इस दौरान लोग पुलिस वालों को भद्दी-भद्दी गालियां देते भी सुना जा सकता है। बाद में 4-5 लोग दरोगा से भी उलझ जाते हैं। 2 लोग उन्हें भी मारने लगते हैं। पुलिस वालों को पहले खेत में लोग डंडे, लाते-घूंसे से मारते दिखाई देते हैं। फिर रोड पर लेटा कर डंडे से मारते हैं। इस दौरान पुलिस कर्मी किसी तरह खुद को बचाते हुए गाड़ी में बैठता है। इस मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से शेयर हो रहा है।

2 के खिलाफ नामजद प्राथमिकी

वायरल वीडियो की पुष्टि करते हुए नारदीगंज थाना प्रभारी गिरीश प्रसाद ने कहा कि मारपीट की घटना सोमवार को हुई थी। दरअसल डायल 112 की पुलिस टीम पर कुछ बदमाशों ने हमला कर दिया। उनकी पहचान कर ली गई है। मामले में 2 लोगों को नामजद अभियुक्त और अन्य लोगों को अज्ञात बताते हुए आरोपित बनाया गया है।

पुलिस को गाली देने से शुरू हुआ था विवाद

बताया जाता है कि डायल 112 की पुलिस गाड़ी जा रही थी। इस बीच कुछ लोगों ने पुलिस को गाली दी। इसके बाद पुलिस कर्मियों ने गाड़ी रोक कर बदमाशों से पूछा। इसके बाद विवाद इतना बढ़ गया कि पुलिस ड्राइवर को एक युवक ने थप्पड़ मार दिया। इस दौरान दोनों तरफ से मारपीट शुरू हो गई। सभी लोग एक साथ मिलकर पुलिस टीम पर टूट गए और लाठी से मारना शुरू कर दिया। वीडियो में पुलिस टीम के ड्राइवर शक्ति कुमार के साथ पहले मारपीट की गई और फिर डायल 112 के ही पीटीसी दारोगा सत्यानंद कुमार के साथ मारपीट की गई। वहीं महिला पुलिस कर्मी ममता कुमारी के साथ भी मारपीट की गई।

6 महीने में बिहार के 3 दरोगा का मर्डर

15 अगस्त 2023 को समस्तीपुर में बदमाशों ने एक दरोगा को गोलियों से भून डाला। फिर 20 दिसंबर 2023 को बेगूसराय में शराब तस्करों ने एक दरोगा को कार से कुचलकर मार डाला। घटना के 3 दिन बाद बदमाशों ने राजधानी पटना में एक दरोगा पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। जमुई में एक दरोगा को ट्रैक्टर से कुचलकर मार डाला गया। एक-दो नहीं 365 दिन में 100 बार बिहार पुलिस को मुंह की खानी पड़ी। अफसर सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स बढ़ाने में लगे रहे और ग्राउंड पर पुलिस अपनी इज्जत बचाती रही।

भोजपुर में व्यक्ति को सिर में मारी गोली, मौत

आरा(भोजपुर). भोजपुर के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के लक्षणपुर गांव में घर से बुलाकर एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हथियारबंद बदमाशों ने युवक के सिर में गोली मारी। इससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मौके से पुलिस ने एक खोखा बरामद किया है। इस वारदात के बाद आसपास के इलाकों में सनसनी फैल गई है। मृतक मुफस्सिल थाना क्षेत्र के लक्षणपुर गांव वार्ड 17 निवासी स्व लक्षिधार प्रसाद के बेटे राम बाबू प्रसाद(42) है। वह पेशे से किसान थे। घटना की जानकारी देते हुए मृतक के बेटे गोलू कुमार ने बताया कि गुरुवार की देर शाम पापा घर पर बैठे थे। तभी गांव के विकास, तूफानी और चंदन घर पर आए बोले की पार्टी करने चला जाए। इसके बाद पापा कुछ देर में आते हैं, यह कहकर घर से उनके साथ चले गए। काफी देर बीत जाने के बाद जब रात में पापा घर नहीं आए। तभी हम दो भाई खोजने के लिए गांव और बधार की ओर गए। लेकिन पापा का कुछ पता नहीं चल पाया। हमलोगों ने सोचा की खुद सुबह में आ जाएंगे। इसी बीच गांव के पंडित ने घर पर आकर सूचना दी की तुम्हारे पापा बगीचा में गिरे हुए हैं। जब बगीचा में हमलोग जाकर देखे तो उनके सिर में गोली मारी गई थी। इसके बाद तुरंत हमलोग इस घटना की जानकारी मुफस्सिल थाना पुलिस को दिए। मृतक के बेटा गोलू ने गांव में किसी से कोई विवाद होने की बातों से साफ इनकार किया है। इधर, एसएसपी परिचय कुमार ने बताया कि मुफस्सिल थाना प्रभारी को एक सूचना प्राप्त होती है कि रामबाबू प्रसाद की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना की सूचना मिलने के बाद थाना अध्यक्ष, DIU की टीम के साथ फोरेंसिक टीम घटनास्थल पर पहुंची। मृतक के घर से कुछ दूरी पर इस घटना को अंजाम दिया गया है। घटनास्थल से एक खोखा बरामद किया गया है। प्रथम दृष्ट्या ये प्रतीत होता है कि खाने पीने के दौरान उपजे विवाद में रामबाबू की हत्या की गई है। फोरेंसिक की टीम ने मौके से कई महत्वपूर्ण साक्ष्य इकट्ठा किए हैं। स्थानीय लोगों से पूछताछ के बाद कुछ संदिग्धों के नाम सामने आए हैं। हमारी टीम हर एक एंगल से इस घटना के छानबीन में जुट गई है। जल्द से जल्द हत्या में शामिल सभी आरोपियों के गिरफ्तारी कर ली जाएगी। बताया जाता है कि मृतक के घर में पत्नी लीलावती देवी 2 बेटा राजा और गोलू और 2 बेटी बुचन एवं प्रियंका है।

झाड़-फूंक के बहाने नाबालिग से गैंगरेप, तांत्रिक समेत 3 गिरफ्तार: गोपालगंज में इलाज के बहाने मेडिकल शॉप बुलाया, मां-भाई को दूसरे कमरे में किया बंद

गोपालगंज. गोपालगंज में झाड़-फूंक के बहाने एक नाबालिग (17) से गैंगरेप का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने एक तांत्रिक समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पीड़िता का आरोप है कि सिर में दर्द के बाद वह एक मेडिकल शॉप से दवा लेने गई थी। इसी दौरान दुकानदार ने एक तांत्रिक से इलाज कराने की सलाह दी। अगले दिन लड़की अपनी मां और भाई के साथ उसी मेडिकल शॉप में तांत्रिक से इलाज कराने पहुंची। पीड़िता का आरोप है कि मां और चचेरे भाई को बाहर कमरे में बंद कर तीन लोगों ने उसके साथ गैंगरेप किया। आरोपियों की पहचान बेतिया निवासी दिवाकर पांडेय, आईटीआई कॉलोनी निवासी अनिल पांडेय और दवा दुकानदार विनोद कुमार के रूप में की गई है। फिलहाल पूछताछ के बाद तीनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। घटना जिले के नगर थाना क्षेत्र के हॉस्पिटल चौक स्टेशन रोड स्थित एक विनोद मेडिको शॉप की है।

झाड़-फूंक के बहाने किया रेप

पुलिस को दिए बयान में पीड़िता ने बताया कि उसे पिछले चार दिनों से सिर में दर्द था। सिर दर्द का दवा लेने के लिए वह आरोपी विनोद कुमार के मेडिकल शॉप में आती थी,लेकिन दवा खाने के बावजूद उसका सिर दर्द ठीक नहीं हो रहा था। इसी बीच विनोद ने उसे झाड़-फूंक कराने की सलाह दी और दुकान पर फूल देने वाले दिवाकर पांडेय से संपर्क कर तांत्रिक को बुलाने की बात कही। दिवाकर ने तांत्रिक अनिल पांडेय से संपर्क किया। तांत्रिक को गुरुवार गुरुवार रात विनोद पांडेय के मेडिकल शॉप में बुलाया और झाड़ फूंक कराने के लिए लड़की को भी बुलाया गया। नाबालिग अपनी मां और चचेरे भाई के साथ गोपालगंज स्थित विनोद मेडिकल में पहुंची थी। जहां उसका सिर दर्द ठीक करने का दावा करने वाले तांत्रिक ने पूजा पाठ के बहाने किशोरी, उसकी मां और भाई को दूसरे कमरे में रखा। जिसके बाद झाड़-फूंक के बहाने तीनों आरोपी ने बारी-बारी से उसके साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया।

तीनों आरोपियों को भेजा गया जेल

पीड़िता ने डायल-112 की टीम को सूचना दी। सूचना पर पहुंची नगर थाना की पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया और पीड़िता को सदर अस्पताल में मेडिकल जांच के लिए भेज दिया। एसपी अवधेश दीक्षित ने बताया कि डायल-112 को सूचना मिलने के बाद लड़की को बरामद कर तीनों आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। एसपी के मुताबिक, बताया कि पीड़िता की तबीयत काफी दिनों से खराब थी। जिसके बाद आरोपियों ने झाड़ फूंक के बहाने बच्ची के साथ दुष्कर्म किया गया है। फिलहाल तीनों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

भोजपुरी एक्टर पवन सिंह के खिलाफ पटना में एफआईआर:महिला यूट्यूबर बोली- 4 लोग आए और धमकाया

पटना. भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में पावर स्टार के नाम से फेमस पवन सिंह एक बार फिर से विवादों में आ गए हैं। पटना के कदमकुआं थाना में पवन सिंह के खिलाफ हत्या की धमकी देने को लेकर मामला दर्ज किया गया है। महिला यूट्यूबर बबीता मिश्रा ने पवन सिंह पर जान से मारने का धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस इस मामले में केस दर्ज कर जांच में जुट गई है। थाने को दिए आवेदन में महिला यूट्यूबर बबीता मिश्रा ने बताया है कि 23 सितंबर की रात करीब 9.30 बजे वो बहादुरपुर ओवरब्रिज से अपने न्यूज चैनल की गाड़ी से ड्राइवर उमेश राय के साथ घर लौट रही थीं। इसी दौरान 2 बाइक से चार लोग पहुंचे और उनकी गाड़ी को रोक दिया। बाइक पर सभी बदमाशों

ने हेलमेट लगा रखा था। कट्टा दिखाते हुए उन्होंने कहा कि- 'पवन सिंह के बारे में किसी भी न्यूज वाले को इंटरव्यू देना बंद कर दो। यही नहीं पवन भैया के बारे में अपने सोशल अकाउंट से कुछ भी नहीं कहोगी। पवन भइया बहुत गुस्से में हैं।' महिला यूट्यूबर के मुताबिक बदमाशों ने धमकी दी कि पवन भइया के बारे में अपना मुंह बंद रखो नहीं तो तुम्हारे कपार (सिर) में गोली मार देंगे। धमकी देने के बाद चारों बाइक से भाग निकले।

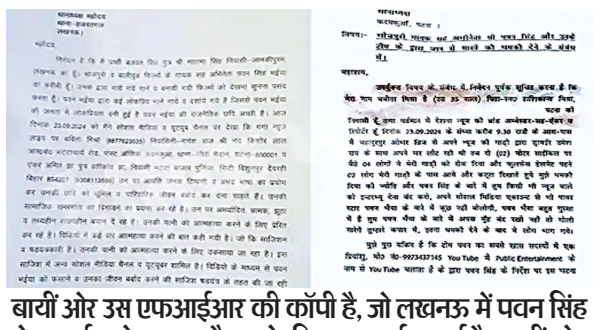

बायीं ओर उस एफआईआर की कॉपी है, जो लखनऊ में पवन सिंह के समर्थक ने यूट्यूब चैनल के खिलाफ दर्ज कराई है। दायीं ओर बबिता मिश्रा के एफआईआर की कॉपी की फोटो है।

पवन सिंह के समर्थक ने भी दर्ज कराया केस

एक और एफआईआर पवन सिंह के समर्थक ने लखनऊ के हजरतगंज थाने में दर्ज कराई है। पवन सिंह के समर्थक बलवंत सिंह ने एक यूट्यूब चैनेल, उसके एंकर सहित कई लोगों पर पवन सिंह की शादीशुदा जिंदगी बर्बाद करने का आरोप लगाया है। बलवंत सिंह ने कहा कि बबिता मिश्रा, एंकर अमित झा ने पवन सिंह के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए उनकी छवि खराब की जा रही है। बलवंत सिंह ने आरोप लगाया है कि चैनल के मालिक पवन सिंह की पत्नी को आत्महत्या करने के लिए उकसा रहे हैं। कहा कि पवन सिंह की जिंदगी साजिश के तहत बर्बाद की जा रही है। पवन सिंह और उनकी पत्नी का कुछ वीडियो यूट्यूब पर दिखाकर उनकी शादीशुदा जिंदगी खराब कर रहे हैं। बता दें कि यह पूरा विवाद पवन सिंह और उनकी पत्नी ज्योति सिंह से जुड़ा हुआ है। एक यूट्यूब चैनल पर एक फोन कॉल की रिकॉर्डिंग वायरल हो रही है। इसमें पवन सिंह की पत्नी और एक शख्स के बीच बातचीत हो रही है। इस वायरल वीडियो में सामने वाला शख्स से बात करते एक महिला (जो ज्योति सिंह बताई जा रही है) कई आरोप लगा रही है। इसमें ज्योति सिंह कहती हैं- "जब वो लालाए थे तो क्यों तलाक दे रहे हैं। पत्नी और बच्चे के लिए लालाए हैं तो तलाक क्यों दे रहे हैं। उनके परिवार की तरफ से ही हमें पता चला था कि जो भी उनका है, जनवरी में उनकी शादी होने वाली है। मेरी तो पूरी दुनिया उजड़ गई है।" इस ऑडियो के वायरल होने के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया है। पवन सिंह की तीसरी शादी की भी चर्चा होने लगी है। इसी सिलसिले में पवन सिंह के समर्थक और यूट्यूबर दोनों ने एकदूसरे पर मामला दर्ज कराया गया है।

हिंदी दैनिक

कोयलांचल संवाद

रांची व धनबाद से एक साथ प्रकाशित

रांची, शनिवार, 28 सितंबर, 2024 वर्ष : 12 अंक : 136

www.koylanchalsamvad.com

YouTube Subscribe
Koylanchal samvad news

केंद्र सरकार ने स्टैंडिंग कमेटियों का गठन किया: कांग्रेस को 4... | सुसाइड कैप्सूल: आत्महत्या या इच्छा मृत्यु की वैधानिक सुविधा | पर्यटन के क्षेत्र में रोजगार के बढ़ते अवसर

मूल्य : 2 रुपए

संक्षिप्त खबरें

2024-25 में भारतीय अर्थव्यवस्था 6.5-7% की दर से बढ़ेगी: सीईए नागेश्वरन

केंद्र सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने शुक्रवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 में भारतीय अर्थव्यवस्था के स्थिर आधार पर 6.5 से सात प्रतिशत

की दर से बढ़ने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य को देखते हुए यह वृद्धि दर सराहनीय है। बंगाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को ऑनलाइन संबोधित करते हुए नागेश्वरन ने कहा कि वास्तविक रूप से अर्थव्यवस्था 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी, जबकि मुद्रास्फीति को ध्यान में रखते हुए मौजूदा कीमतों पर (नॉमिनल) वृद्धि दर 11 प्रतिशत होगी। नागेश्वरन ने कहा, भारतीय अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष में स्थिर आधार पर 6.5 से सात प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनी रहेगी। वर्तमान वैश्विक संदर्भ में यह बेहद अच्छी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि जबकि विश्व मध्यम अवधि की अनिश्चितताओं का सामना कर रहा है और वैश्विक व्यापार धीमा पड़ रहा है, भारत में कोविड-19 वैश्विक महामारी के प्रभावों से उबरना सरकार द्वारा अपनाई गई संतुलित राजकोषीय तथा मौद्रिक नीतियों के दम पर मजबूत हो गया है। उन्होंने कहा, भारत में वैश्विक महामारी के प्रभावों से उबरना विवेकपूर्ण व्यापक आर्थिक प्रबंधन के कारण मजबूत है, जिसने स्थिरता के साथ आर्थिक वृद्धि की नींव रखी। नागेश्वरन ने कहा कि घरेलू वित्तीय बाजारों और बैंकिंग प्रणाली की अच्छी स्थिति के कारण देश के चालू खाता शेष में कोई कमजोरी नहीं है। उन्होंने कहा, वृहद संकेतक स्थिरता का संकेत देते हैं।

त्योहारी मौसम में रेलवे का तोहफा, चलाएगी करीब 6,000 स्पेशल ट्रेन

त्योहारों का मौसम नजदीक आता देख भारतीय रेलवे ने दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ के मौके पर एक करोड़ से अधिक यात्रियों की सुविधा के लिए 6,000 विशेष ट्रेन चलाने का फैसला किया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नई दिल्ली में पत्रकारों को बताया कि त्योहारों के दौरान अत्यधिक भीड़ भाड़ को देखते हुए 108 ट्रेनों में अतिरिक्त सामान्य डिब्बा जोड़ने के अलावा 12,500 डिब्बे स्वीकृत किए गए हैं। विशेष तौर पर बिहार, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल जाने वाले कई रेल मार्गों पर दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ के त्योहार के दौरान भारी भीड़ रहती है। वैष्णव ने कहा कि इस साल के त्योहार के मौसम के लिए अब तक कुल 5,975 विशेष ट्रेनें अधिसूचित की गई हैं, जबकि पिछले साल यह संख्या 4,429 थी। उन्होंने कहा, इससे पूजा के दौरान एक करोड़ से अधिक यात्रियों को घर जाने में सुविधा होगी। दुर्गा पूजा उत्सव नौ अक्टूबर से शुरू होगा, दिवाली 31 अक्टूबर को मनाई जाएगी जबकि छठ पूजा इस साल सात और आठ नवंबर को होगी।

ट्रेनी डॉक्टर केस : जल्दबाजी में तैयार की गयी जांच रिपोर्ट, सीबीआई ने पायी कई खामियां

कोलकाता: कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में ट्रेनी-डॉक्टर के साथ रेप-मर्डर मामले में नया अपडेट सामने आया है. केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने इस मामले की जांच रिपोर्ट में गंभीर खामियां पायी है. जानकारी के अनुसार, पहली चूक तब पकड़ी गयी जब मजिस्ट्रेट की रिपोर्ट में कहा गया कि उन्हें पीड़िता के शव की जांच के लिए केवल 20 मिनट का समय मिला. यह समय मामले की गंभीरता को देखते हुए असामान्य रूप से कम है. सूत्रों ने बताया कि न्यायिक मजिस्ट्रेट को पीड़िता के शव की जांच के लिए बहुत कम समय दिया गया था. जांच अधिकारियों का मानना है कि जांच रिपोर्ट तैयार करने में भी जल्दबाजी की गयी. इसके अलावा पोस्टमार्टम प्रक्रिया को केवल 70 मिनट में पूरा कर लिया गया, जिससे जांच में अनियमितताओं की आशंका है. सीबीआई के अधिकारियों ने दूसरी बड़ी लापरवाही यह पायी है कि जांच रिपोर्ट में पीड़िता के शरीर पर लगे घावों के बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी गयी. साथ ही जांच अधिकारियों ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट और शहर पुलिस की जब्ती सूची में बड़े विरोधाभासों की पहचान की है. यह तब सामने आये जब केंद्रीय एजेंसी ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद जांच का जिम्मा संभाला.

527 उम्मीदवारों को हेमंत सोरेन ने दिया नियुक्ति पत्र, जेएसएससी की परीक्षा पास करने वालों के चेहरे खिले

जेएसएससी सीजीएल पर बोले हेमंत सोरेन: वास्तविकता का पता नहीं सरकार पर कालिख पोतने में लगे हैं लोग

रांची : राजधानी रांची के डोरंडा स्थित शौर्य सभागार, जैप-1 में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने नियुक्ति पत्र का वितरण किया. नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं में चयनित 527 अभ्यर्थियों को मुख्यमंत्री ने नियुक्ति पत्र दिया. सीएम ने कहा राज्य में नौकरियां दी जा रही हैं। स्थिति ऐसी है कि रिक्तियों से कई गुणा अधिक आवेदन आते हैं। जेएसएससी के माध्यम से अभी परीक्षा ली गई है। उस पर आए दिन मीडिया ट्रायल चल रहा है। वास्तविकता का अता-पता नहीं, लेकिन खबरों में, मीडिया में सरकार पर कितना कालिख पोत सकें उसके लिए लोग लगे हुए हैं। हमने इसमें बिल्कुल संकल्पित हो कर काम किया है। उसी का नतीजा है कि हमलोग लगातार नियुक्तियां कर रहे हैं। आज रांची के जैप सभागार में विभिन्न विभागों में नवनियुक्त 527 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र देते हुए सीएम हेमंत सोरेन ने उक्त बातें कहीं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री को लिखा पत्र, जांच के लिए मांगी मदद

उत्पाद सिपाही नियुक्ति के लिए शारीरिक जांच परीक्षा को लेकर सीएम ने कहा कि कोरोना के बाद यह सबसे बड़ा शरीरिक दक्षता वाली बहाली हुई। दर्जन भर से अधिक नौजवान इसमें अपनी जान गवां बैठे। हम इन मौतों से बहुत ज्यादा उदास हैं। चिंतित हैं। यह नियुक्ति हमारे लिए भी बहुत बड़ी चुनौती हो गई। उन्होंने मंच से बताया कि नियुक्ति प्रक्रिया के दौरान घटी इस तरह की घटना को लेकर हमने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री को पत्र लिखा है। जिसमें हमने बताया है कि हमारे राज्य में नियुक्ति प्रक्रिया के दौरान इस तरह की घटना घटी है। इस तरह की घटना सुनने को शायद न मिला हो।

हमने उनसे कहा है कि इस घटना की तह तक हमारा जाने का प्रयास रहेगा। क्योंकि झारखंड के जवान इतना कमजोर नहीं हो सकते की पांच किलोमीटर-दस किलोमीटर चल न सके, दौड़ न सके। हमने इसके लिए मदद मांगी है। हमने कहा है कि इसकी विस्तृत जांच हो। इसके पीछे की वजह पता चले।

अभी राज्य में होनी हैं बड़ी नियुक्तियां

उन्होंने कहा कि अभी राज्य में बड़े पैमाने पर नियुक्तियां होनी हैं। इसमें कई ऐसी नियुक्तियां होंगी, जिनमें शारीरिक दक्षता जांच की जरूरत पड़ेगी। ऐसे में फिर से घटना न दोहराए इसके लिए हम हर तरह से समझे और जानने का प्रयास कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार लगातार नियुक्ति पत्र दे रही है। लगभग हर एक-दो महीने में अलग-अलग जगहों पर नियुक्ति पत्र बांटे गए हैं। कहीं सरकारी तो कहीं प्राइवेट क्षेत्र में। प्राइवेट क्षेत्र में काम कर रहे लोगों की हम रिकॉर्ड भी रखते हैं। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि जल्द से जल्द नियुक्तियां हों ताकि राज्य के विकास को रफ्तार दिया जा सके।

सांकेतिक रूप से इन्हें सीएम ने दिए नियुक्ति पत्र

पीजीटी शिक्षक

महनाज तब्बशुम : जीवविज्ञान, साहेबगंज
कुमारी आशा रानी: भूगोल, लातेहार
सुदिप्ता एक्का : रसायन विज्ञान, रांची
त्रिलोकी कुमार : भूगोल, रामगढ़
नरेंद्र कुमार : भौतिकी, दुमका
प्रमोद प्रसाद : नागपुरी, गुमला
निलोफर जहां : ऊर्दू, कोडरमा

सहायक शिक्षक

सुजाता किसपोट्टा : कुडूख, रांची
भैरव उरावं : कुडूख, रांची
मिताई साहू : खड़िया, पूर्वी सिंहभूम
शोभा कुमारी : खोरठा, गिरिडीह
मो इकबाल अंसारी : खोरठा, बोकारो

लैब असिस्टेंट

रविश कुमार : भौतिकी, **दीपिका किंडो** : रसायनए **सुभाष वर्मा** : जीव विज्ञान

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग

निक्की कुमारी, लुकमान अंसारी, सालखन हांसदा

पथ निर्माण विभाग

अमित मुंडा, विद्या कुमारी

जल संसाधन विभाग

साक्षी कुमारी, सुखदेव उरांव, शाहनवाज आलम

नगर विकास विभाग: चांदनी मिंज
स्ट्रीट लाइट इंस्पेक्टर: दीपक सौरभ
खाद्य सार्वजनिक विभाग: सुनील कुमार
एलडीसी:वित्त विभाग: आशीष कुमार कोषागार लिपिक
एक्सरे तकनीशियन रिम्स: रोहित भोक्ता
वाणिज्यकर विभाग : अक्षय उपाध्याय लिपिक वर्ग

शाह की कुरुक्षेत्र रैली: रेवाड़ी-अंबाला में कहा- हर अग्निवीर को पेंशन वाली नौकरी देंगे

रेवाड़ी: हरियाणा चुनाव को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज शुक्रवार को कुरुक्षेत्र के लाडवा में तीसरी रैली करने पहुंच गए हैं। इससे पहले अंबाला रैली में शाह ने कहा- हरियाणा में जब कांग्रेस सरकार थी तो 3D काम करती थी। जिसमें डीलर-दलाल और दिल्ली में बैठा दामाद शामिल है। शाह ने कहा कि कांग्रेस दलितों पर अत्याचार करती है। लोग अभी गोहाना और मिर्चपुर कांड भूले नहीं हैं। शाह ने कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा के बहाने पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा को घेरा। शाह ने कहा कि हुड्डा की मानसिकता है कि दलित बहन सैलजा को प्रचार के लिए बुलाया तो वे हार जाएंगे।

शाह ने इससे पहले रेवाड़ी रैली में कहा- सेना में भर्ती होने वाले हर अग्निवीर को पेंशन वाली नौकरी देंगे। कांग्रेस वाले सेना का सम्मान नहीं करते। कांग्रेस ने सेनाध्यक्ष को गुंडा कहा था। शाह ने कहा- हरियाणा में कांग्रेस सरकार में डीलर-दलाल नियुक्ति पत्र देते थे, लेकिन बीजेपी में डाकिया देकर आता है। भाजपा सरकार ने डीलर-दामाद का नामोनिशान मिटा दिया। शाह ने राहुल गांधी को चुनौती दी कि वह कांग्रेस शासित राज्यों में एमएसपी लागू करके दिखाएं। शाह ने दोहराया कि हरियाणा में कांग्रेस की रैली में पाकिस्तान के नारे लगे।

शाह बोले कि राहुल गांधी आरक्षण खत्म करना चाहते हैं, लेकिन जब तक भाजपा सरकार है, आरक्षण खत्म नहीं करने देंगे। शाह

ने राहुल गांधी को कश्मीर में धारा 370 दोबारा लागू करने का भी चैलेंज दिया। अंबाला के बाद वे कुरुक्षेत्र के लाडवा में रैलियां करेंगे। 4 दिन पहले भी अमित शाह हरियाणा में प्रचार करने पहुंचे थे। उन्होंने फतेहाबाद के टोहाना और यमुनानगर के जगाधरी में रैली की थी।

नवीन जिंदल बोले- तीसरी बार भाजपा सरकार बनेगी

सांसद नवीन जिंदल ने कहा- आज आपके सामने जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाने वाले बैठे हुए हैं। मैं आपका पूरे कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र की ओर से स्वागत करता हूं। इस बार तीसरी बार बीजेपी की सरकार बनने जा रही है। इसका सबसे बड़ा कारण है कि जब भी केंद्र में जिसकी सरकार होती है उसी की सरकार हरियाणा में बनती है।

गोहाना-मिर्चपुर कांड नहीं भूले लोग, सैलजा को नहीं बुला रहे हुड्डा

शाह ने कहा- हरियाणा के दलित भाई गोहाना कांडा और मिर्चपुर कांड अभी तक नहीं भूले। कांग्रेस के शासन काल में दलितों का हमेशा ही शोषण हुआ है। आरक्षण खत्म करने का काम भी इन्होंने किया। कुमारी सैलजा को लेकर शाह ने कहा, 'एक पत्रकार ने बहन सैलजा जी से पूछा कि क्या आप हुड्डा जी के वहां प्रचार करने जाओगी? तो सैलजा जी ने कहा कि मैं तो जाना चाहती हूं। वो मुझे बुलाएंगे ही नहीं। आज भी हुड्डा जी की मानसिकता है कि दलित बहन को चुनाव प्रचार के लिए वह बुलाएंगे तो चुनाव हार जाएंगे।'

मोदी ने देश में परिवारवाद खत्म किया

यहां एक परिवारवाद चलाया था, 3-3 पीढ़ी से वही लोग चुनते आए थे, हमारे युवाओ को मौका नहीं मिलता था। भारत में परिवारवाद को खत्म करने का काम नरेंद्र मोदी ने किया है।

मैं आपसे ये वादा करके जाता हूं कि धान 31 सौ रुपया में खरीद की जाएगी। राहुल बाबा एमएसपी हम दे चुके हैं, आप अपनी जमीन पर जो भी बोओगे, वह भाजपा की सरकार खरीदेगी। इतनी सारी माताएं बहने बैठी हैं। मोदी जी ने हर घर में शौचालय दिया, पानी दिया, गैस भी दिया। अब सैनी जी को फिर से मुख्यमंत्री बनाओ, 500 रुपए घर में गैस सिलेंडर पहुंचेगा।

निलंबित आईएएस पूजा सिंघल को बेल देने से पीएमएलए कोर्ट का इनकार

रांची: निलंबित आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल की जमानत याचिका पर रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट ने शुक्रवार को फैसला सुना दिया. ईडी और बचाव पक्ष की ओर से बहस पूरी होने के बाद 20 सितंबर को कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था. जिस पर आज फैसला सुनाया. ईडी की ओर से विशेष लोक अभियोजक आतिश कुमार ने बहस की. वहीं पूजा सिंघल की ओर से अधिवक्ता विक्रांत सिन्हा और अधिवक्ता स्नेह सिंह ने बहस की. बता दें कि ईडी ने पांच मई 2022 को पूजा सिंघल और उसके सीए सुमन सिंह के 25 ठिकानों पर छापेमारी की थी. इस दौरान सुमन सिंह के आवास और कार्यालय से 19.31 करोड़ कैश बरामद हुआ था. छापेमारी के बाद ईडी ने पूजा सिंघल और उसके सीए सुमन सिंह को गिरफ्तार किया था.

छवि रंजन को सुप्रीम कोर्ट से भी बेल नहीं

लैंड स्कैम के आरोपी रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन की को बेल देने से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया है. सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और जस्टिस एच सी शर्मा की कोर्ट में छवि रंजन की बेल पर सुनवाई हुई. छवि रंजन की ओर से वरीय अधिवक्ता सिद्धार्थ अग्रवाल और अधिवक्ता अभिषेक चौधरी ने बहस की. छवि रंजन ने जिस केस में बेल के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है, सेना के कब्जे वाली भूखंड की खरीद-बिक्री में मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा है. इस संबंध में ईडी ने ईसीआईआर 1/2023 दर्ज किया है. छवि रंजन फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं. रांची ईडी की स्पेशल कोर्ट और झारखंड हाईकोर्ट भी उन्हें बेल देने से इनकार कर चुका है.

एक दिन में 6 येलो अलर्ट, देवघर समेत 19 जिलों में वर्षा-वज्रपात की चेतावनी

रांची: झारखंड के अधिकतर हिस्सों में मानसून की वर्षा जारी है. शुक्रवार को भारत मौसम विज्ञान विभाग के रांची स्थित मौसम केंद्र ने 6 येलो अलर्ट जारी करके 19 जिलों में वर्षा की चेतावनी दी है. मौसम विभाग ने एक के बाद एक 6 अलर्ट जारी करते हुए कहा है कि राज्य के डेढ़ दर्जन जिलों में कहीं-कहीं हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा होगी. वर्षा के साथ वज्रपात होने की भी संभावना है. इसलिए लोगों को सावधान और सतर्क रहने की जरूरत है. मौसम विभाग ने पहला येलो अलर्ट जारी करके झारखंड के गुमला, लातेहार, लोदहरदगा और सिमडेगा जिले में गरज के साथ हल्के से मध्यम दर्जे के वज्रपात और वर्षा का अलर्ट जारी किया. दूसरे अलर्ट में कहा कि पूर्वी सिंहभूम, गढ़वा और पलामू में कहीं-कहीं वर्षा के साथ वज्रपात हो सकता है. तीसरी चेतावनी में 6 जिलों के नाम शामिल थे. कहा गया कि गुमला, खूंटी, लोहरदगा, रांची, सरायकेला-खरसावां और सिमडेगा जिले में कुछ घंटों में गरज के साथ बारिश होगी. वर्षा के साथ वज्रपात होने की भी संभावना है. मौसम विभाग ने चौथी चेतावनी दिन के 2:39 बजे जारी की, जिसमें कहा कि बोकारो, धनबाद और रामगढ़ जिले में वर्षा-वज्रपात हो सकती है. फिर 3:15 बजे येलो अलर्ट जारी करते हुए कहा कि दुमका और जामताड़ा में वर्षा होगी. वज्रपात भी हो सकता है. इसके बाद 25 मिनट बाद ही छठा येलो अलर्ट जारी किया. इसमें कहा कि बाबानगरी देवघर और गिरिडीह जिले में अगले 2 से 3 घंटे में हल्के से मध्यम दर्जे की मेघ गर्जन एवं वज्रपात के साथ वर्षा होने की प्रबल संभावना है. लोगों को बाहर नहीं जाने की सलाह दी गई है.

झारखंड कैबिनेट की बैठक में 49 प्रस्तावों पर लगी मुहर, रांची में बनेगा नया मेडिकल कॉलेज

रांची: झारखंड की हेमंत सरकार की कैबिनेट बैठक में कुल 49 प्रस्तावों पर मुहर लगी। रांची में बनेगा नया मेडिकल कॉलेज साथ ही रिनपास की खाली जमीन में होगा निर्माण,10 अरब 74 करोड़ 68 लाख 700 रूपये की लागत की मिली स्वीकृती।

अन्य निम्नलिखित प्रस्ताव:

» राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत राशन लेने वाले लाभुकों की संख्या 20 लाख से बढ़कर 25 लाख की गई, इसके साथ ही डीलर का कमीशन 100 रूपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर डेढ़ सौ रुपया कर दिया गया.

» राज्य के विभिन्न स्तर के पदाधिकारियों कार्यालाओं के सरकारी वाहन की अनुमान्यता.
» झारखंड राज्य युवा आयोग प्रक्रिया एवं संचालन अधिनियम 2024 की स्वीकृति.
» 15 वर्ष का कार्य अवधि पूरी कर चुकी सरकारी वाहनों को स्क्रैप किया जाएगा.
» राजकीय पॉलिटेक्निक साहिबगंज के नए भवन के निर्माण और जीर्णोधार के लिए 45 करोड़ की स्वीकृति.
» ने ता जी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालयों में जेनरेटर सेट व कंप्यूटर शिक्षा संचालन की स्वीकृति.
» सिल्ली में बनेगा डिग्री महाविद्यालय, 59.69 लाख की मिली स्वीकृति.
» पारा मेडिकल कर्मियों, एक्स रे टेक्नीशियन, पैथोलॉजी के नियुक्ति नियमावली में संशोधन.
» को ऑपरेटिव लॉ कॉलेज जमशेदपुर के आधारभूत संरचना के विकास के लिए 31.36 करोड़ की स्वीकृति.
» रांची में निर्माणधीन रवींद्र भवन के लिए 292.26 करोड़ पुनिरिक्चित प्रकलान पर स्वीकृति.
» राशन डीलर का लाइसेंस धारी की मृत्यु के बाद अनुकंपा के आधार पर लाइसेंस आवेदन के लिए 7 साल के अवधि को घटाकर 1 साल कर दिया गया.
» रसोईया संघ को एक हजार मिलेंगे अतिरिक्त.

रोटी, बेटी, माटी के लिए है परिवर्तन यात्रा, लातेहार में मंत्री शिवराज सिंह ने दी सुरक्षा की गारंटी

लातेहार: केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान शुक्रवार को लातेहार के दौरे पर हैं. इस दौरान नेतरहाट में आयोजित परिवर्तन यात्रा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि झारखंड की रोटी, बेटी और माटी की सुरक्षा के लिए भाजपा ने परिवर्तन यात्रा आरंभ की है. उन्होंने गारंटी दी कि भाजपा की सरकार बनते ही विकास के साथ-साथ सभी को सुरक्षा भी मिलेगी. नेतरहाट में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि वर्तमान में झारखंड में रोटी, बेटी और माटी को सुरक्षित करने में हेमंत सोरेन की सरकार पूरी तरह असफल रही है. यह परिवर्तन यात्रा इसीलिए आयोजित की जा रही है ताकि झारखंड की रोटी, बेटी और माटी की सुरक्षा हो सके.

उन्होंने कहा कि झारखंड की संस्कृति और यहां के आदिवासियों की परंपरा अनोखी है. परंतु वर्तमान की झारखंड सरकार के कारण यहां की संस्कृति और परंपरा को नुकसान पहुंचाया जा रहा है. आदिवासियों के हक और अधिकार को छीना जा रहा है. इसी अन्याय के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी के द्वारा पूरे राज्य में परिवर्तन यात्रा आयोजित की गई है.

आदिवासी परंपरा से ग्रामीणों ने किया स्वागत,

जमीन पर बैठकर किया भोजन

इससे पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री के नेतरहाट पहुंचने पर ग्रामीण महिलाओं ने आदिवासी परंपरा के अनुसार उनका स्वागत किया. बाद में केंद्रीय कृषि मंत्री के साथ-साथ अन्य नेताओं ने भी एक ग्रामीण के घर जाकर जमीन पर बैठकर एक साथ भोजन किया. यहां के ग्रामीणों के द्वारा किए गए स्वागत से केंद्रीय कृषि मंत्री काफी गदगद हुए. मौके पर भाजपा नेता सुनील सिंह, समीर उरांव, विधायक शशि भूषण मेहता, पूर्व विधायक हरिकृष्ण सिंह, जिला अध्यक्ष पंकज सिंह, जिला महामंत्री बंसी यादव समेत अनेक लोग उपस्थित थे.

विश्व हृदय दिवस के अवसर पर मेदांता अब्दुर रज्जाक अंसारी मेमोरियल्स विवर्स अस्पताल, रांची में हार्ट जर्नल ज़ोन का उद्घाटन

रांची, : विश्व हृदय दिवस के उपलक्ष्य में रांची में पहली बार मेदांता अस्पताल, रांची ने अपने मरीजों के लिए एक अत्याधुनिक हार्ट जर्नल ज़ोन की स्थापना की है, जिससे मरीज अपने हृदय स्वास्थ्य का स्कोर स्वयं जाँच और माप सकते हैं। इस स्क्रीन का उद्देश्य हृदय रोग के प्रति जागरूकता बढ़ाना और मरीजों को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिए प्रेरित करना है।इस महत्वपूर्ण पहल का उदघाटन अस्पताल के निदेशक श्री विश्वजीत कुमार द्वारा किया गया, जिनके साथ अस्पताल के प्रमुख हृदय रोग विशेषज्ञों की टीम भी मौजूद थी। इस अवसर पर कार्डियक डिपार्टमेंट के कार्डियक सर्जन डॉ. बालामुरली श्रीनिवासन, डॉ. मिलन कुंडू, और प्रिवेंटिव कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. मयूरी शरद ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

अंचल अधिकारी ने छात्राओं को प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी के लिए दिया टिप्स

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)।बरकट्ठा अंचल अधिकारी श्रवण कुमार झा ने परियोजना बालिका उच्च विद्यालय बरकट्ठा में नवमी एवं दसवीं के छात्राओं को प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी के लिए टिप्स दिये। उन्होंने मैट्रिक के बाद होने वाली विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं की जानकारी छात्राओं को देते हुए कहा कि मेडिकल परीक्षा के लिए फिजिक्स, केमिस्ट्री तथा बायोलॉजी विषय की विशेष तैयारी करनी होती है। जबकि इंजीनियरिंग की परीक्षा के लिए मैथ, फिजिक्स एवं केमिस्ट्री की तैयारी करनी पड़ती है. कहा कि इन परीक्षाओं को पास करने के लिए इंटरमीडिएट ऑफ साइंस में उत्तीर्ण होना आवश्यक है। उन्होंने नीट तथा जेईई परीक्षा की तैयारी के संबंध में विस्तार पूर्वक बताया। कहा कि ग्रेजुएशन के बाद विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिता परीक्षा में आपको शामिल होने का अवसर मिलता है।इसलिए सभी छात्र-छात्राओं को नवम एवं दशम की पढ़ाई बेहतर रूप से करनी चाहिए. उन्होंने अपने छात्र जीवन के उतार-चढ़ाव को रोचक ढंग से बताते हुए छात्राओं को प्रेरित किया। मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक अभिषेक कुमार, योगेन्द्र दास, शशि वर्णवाल समेत अन्य कई शिक्षक मौजूद रहे।

मधुमक्खी के हमले में दंपति गंभीर रूप से जख्मी, रेफर

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम केन्दुआ टू में दंपति मधुमक्खी के हमले में गंभीर रूप से जख्मी हो गये। मधुमक्खी ने शुक्रवार को केन्दुआ टू निवासी मुंशी यादव 75 वर्ष पिता स्व जरम महतो तथा उनकी पत्नी कुंती देवी 70 वर्ष को हमला कर दिया।दोनों को इलाज के लिए बरकट्ठा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया।जहाँ से चिकित्सक ने बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल, रेफर

बरकट्ठा। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र में जीटी रोड पर हुई सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए।शुक्रवार को हुई सड़क दुर्घटना में पश्चिम बंगाल कोलकाता निवासी बपा मंडल 40 वर्ष पिता रोहित मंडल घायल हो गए।जिसे इलाज के लिए बरकट्ठा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहाँ से चिकित्सक ने बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

श्री काली मंदिर दुर्गा पूजा समिति ने अतिथियों को किया आमंत्रित

रांचीः रातु रोड शास्त्री चौक स्थित श्री काली मंदिर दुर्गा पूजा समिति की ओर से रांची के लोकप्रिय सांसद सह केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ, समाजसेवी सत्यनारायण सिंह, रमेश सिंह,भरत कांशी,पंडरा बाजार समिति के अध्यक्ष संजय मौर्या,सुबेश पांडे एवं अन्य अतिथियों को निमंत्रण कार्ड भेंटकर पूजा पंडाल मे आने के लिए आमंत्रित किया गया।इस मौके पर पूजा समिति के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर.डॉ.भीम प्रभाकर, अध्यक्ष सुजीत वर्मा सचिव प्रकाश कुमार, मिडिया प्रवक्ता शिव किशोर शर्मा सहित राजेश महतो,कुमुद वर्मा,सोनू पंडा,गौतम वर्मा, अमित थापा,रामावतार प्रसाद, आदि मौजूद थे।

सिंहभूम चैम्बर ने फ्लैट्स की रजिस्ट्री हेतु सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य का वास्तविक बाजार मूल्य से अधिक होने के संबंध में भू-राजस्व सचिव का कराया ध्यानाकृष्ट

जमशेदपुर । सिंहभूम चैम्बर ऑफ कॉमर्स ने जमशेदपुर में विभिन्न क्षेत्रों में आवासीय फलैट्स की खरीद-बिक्री पर सरकार द्वारा निर्धारित सर्किल रेट्स का वास्तविक बाजार मूल्य से अधिक होने पर राज्य के भू राजस्व एवं निबंधन विभाग के सचिव चन्द्रशेखर, भा.प्र.से. का पत्र के माध्यम से ध्यानाकृष्ट कराया है तथा इसकी प्रतिलिपि राज्य के मुख्य सचिव एल. खियांग्ते, भा.प्र.से. एवं उपायुक्त पूर्वी सिंहभूम अनन्य मित्तल, भा.प्र. से. को भी भेजी गई है। यह जानकारी अध्यक्ष विजय आनंद मूनका एवं मानद महासचिव मानव केडिया ने संयुक्त रूप से दी। अध्यक्ष विजय आनंद मूनका ने कहा कि जमशेदपुर के अधिकांश क्षेत्रों में सरकार के द्वारा आवासीय फ्लैटस की रजिस्ट्री हेतु निर्धारित मूल्य, वास्तविक बाजार मूल्य से अधिक है। इसके अलावा यह भी देखा गया है नये आवासीय फ्लैट्स की रजिस्ट्री हेतु जितनी मूल्य निर्धारित है, वही दर पुराने आवासीय फ्लैट्स की खरीद/बिक्री पर भी लग रही है ,जो कहीं से भी से न्यायोचित एवं तर्कसंगत नहीं है। एक ही स्थान पर नये एवं पुराने फ्लैट्स की रजिस्ट्री का मूल्य वस्तुस्थिति की हिसाब से एक समान नहीं होना चाहिए। इससे आम लोगों में असमंजस की स्थिति भी पैदा होती है। वहीं उपाध्यक्ष अनिल मोदी एवं अधिवक्ता राजीव अग्रवाल ने कहा कि जमशेदपुर के लोगों का मानना है कि सरकार वर्षों से मंत्रालय में ही बिना किसी से चर्चा किये, राय मशविरा और सुझाव लिये प्रतिवर्ष एक निश्चित दर की बढ़ोतरी आवासीय फलैट्स की खरीद/बिक्री पर कर देती है। बढ़ोतरी के दौरान यह भी तय नहीं किया गया जाता है कि पुराने फ्लैट की दर क्या होगी और नये फ्लैट की दर क्या होगी। इसलिये दोनों ही मामलों में बराबर रजिस्ट्री की राशि का भुगतान करना पड़ता है। उपाध्यक्ष अभिषेक अग्रवाल गोल्डी एवं पुनीत कांवटिया ने कहा कि चैम्बर का यह सुझाव है कि इसका मूल्य तय करने से पहले सभी क्षेत्रों/जिलों/शहर के प्रशासनिक अधिकारियों, जानकारों, विशेषज्ञों, संबंधित अधिवक्तागण, स्टेक होल्डरों से चर्चा के उपरांत इसकी रजिस्ट्री की मूल्य सरकार के द्वारा निर्धारित किया जाना चाहिए।

झारखंड प्रदेश कांग्रेस चुनाव अभियान समिति की बैठक हुई

रांचीः झारखंड प्रदेश कांग्रेस चुनाव अभियान समिति की बैठक समिति के अध्यक्ष पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री सुबोधकांत सहाय की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिसमें प्रमुख रूप से प्रदेश अध्यक्ष श्री केशव महतो कमलेश उपस्थित थे।

बैठक में श्री कमलेश ने कहा कि इस अभियान के माध्यम से हमें राज्य के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना है ताकि हम उनके आर्थिक सामाजिक विकास हेतु लक्ष्य निर्धारित कर सकें। हमें अपने विकास के एजेंडे और भावी कार्यक्रमों को हर व्यक्ति तक पहुंचाना होगा ताकि झारखंड के विकास मे उनकी सहभागिता स्पष्ट रूप से हो सके। जनता की समस्याओं को जड़ से जानना और उसके निराकरण का रास्ता हमें इस अभियान से प्राप्त कर उस पर अमल करना है। हर व्यक्ति की तरक्की हमारा निर्धारित लक्ष्य है ताकि विभिन्न स्तरों पर व्याप्त विषमता की खाई को हम दूर कर सके।

विधायक दल नेता डॉ. रामेश्वर उरांव ने कहा कि झारखंड में एक अलग तरह का माहौल बनाने का प्रयास किया जा रहा है। कांग्रेस के चुनावी अभियान का आधार जनता को विघटनकारी शक्तियों से सावधान करना होना चाहिए। झारखंड के अस्मिता के सवाल पर यह चुनाव लड़ा जाएगा। झारखंडी मान सम्मान की रक्षा कांग्रेस के चुनावी अभियान का आधार होगा। पंचायत से लेकर शहरी क्षेत्र तक चुनावी धार को में मजबूत रखना है ताकि झारखंडी जनता के बीच घृणा फैलाने वाली ताकतें सावधान रहें।

समिति के अध्यक्ष श्री सुबोध कांत सहाय ने कहा कि अभियान के माध्यम से महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज की अवधारणा को मजबूत करने की दिशा में कदम उठाना है। संविधान की मूल प्रस्तावना की रक्षा हमारे अभियान का मूल मकसद है। उन्होंने कहा कि संविधान पर लगातार हमले हो रहे हैं, सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश की जा रही है, अल्पसंख्यकों, दलितो, आदिवासियों की अस्मिता को विरोधी दल खतरे में डाल रहे हैं उनके अधिकारों के हनन का प्रयास किया जा रहा है ऐसे तत्वों से सावधान रहने और उनके खिलाफ जनता को जागरूक करना हमारा मकसद होगा।

बैठक में लिए गए निर्णय की जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने बताया कि आगामी 2 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जयंती के अवसर पर कांग्रेस का चुनावी अभियान पूरे राज्य में प्रारंभ किया जाएगा। भारतीय लोकतंत्र और गांधी के विचारों की वर्तमान समय में प्रासंगिकता को लेकर जिलों में सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा जिसमें बौद्धिक वर्ग से जुड़े लोगों, स्वतंत्रता सेनानियों, सामाजिक संगठनों,समाज के प्रबुद्ध लोगों को आमंत्रित कर उनके विचारों को जाना जाएगा।

बैठक में प्रमुख रूप से पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर,प्रदीप कुमार बालमुचू स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता,ममता देवी, रविंद्र सिंह,राकेश सिन्हा,शहजादा अनवर,भीम कुमार,डॉ राजेश गुप्ता,रमा खलको,गीताश्री उरांव,निरंजन पासवान,अनुपमा सिंह दयामणि बारला,अभिलाष साहू,गजेंद्र सिंह उपस्थित थे।

डॉ आरसी प्रसाद मेहता ने चलाया जनसंपर्क अभियान

हजारीबाग।कांग्रेस नेता डॉ आरसी मेहता के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं के साथ नगर पालिका क्षेत्र के कोरा एवं हुरहुडु नगर निगम क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान चलाया। वार्ड नंबर 35 के नुक्कड़ सभा में डॉ मेहता ने कहा कि वार्ड नंबर 23 सहित नगर निगम की स्थिति जिले के गांव से कम सुविधा है यहां सुविधा नाम की कोई चीज नहीं है और नगर निगम का टैक्स लोग दे रहे हैं जो सरासर अन्यायपूर्ण है। मैं नगर निगम और सरकार से मांग करता हूं कि यहां पहले नगर निगम का सुविधा दें उसके बाद नगर पालिका टैक्स ले। डॉ मेहता ने कहा कि हजारीबाग जिले के सर्वांगीण विकास के लिए मैं आजीवन तत्पर हूं 2019 के विधानसभा में उपविजेता बनने के बाद मैं मैदान नहीं छोड़ा 5 वर्षों से जनता के बीच रहा और अनेकों सफल आंदोलन किया हू आदि पुणः टिकट मिलता है तो दाम कम से चुनाव लड़ूंगा और हजारीबाग की जनता जीतेगी! जिस तरह सिद्धार्थ राज पाठ छोड़कर जनहित के लिए संन्यास लिए इस तरह मैं अपना अस्पताल छोड़कर आप लोगों के बीच आए हु टिकट मिलती है और आप सबों का आशीर्वाद मिलती है तो मैं निस्वार्थ भाव से आत्मा के शांति के लिये हजारीबाग जिले का सर्वांगीण विकास करूंगा।वरिष्ठ कांग्रेस नेता एडवोकेट संजय दास ने कहा कि आज देश में अनुसूचित जनजाति की स्थिति खराब है उस पर भी केंद्र सरकार आरक्षण छिनने के तैयारी में है इसलिए पिछड़े और हरिजन इस बार इंडिया गठबंधन को वोट दे। सिंघानी मुखिया नारायण कुशवाहा ने कहा की बीजेपी के शासनकाल में सबसे ज्यादा किसने की बदहाली हुई है सरकार किसानों को विशेष सुविधा दें कार्यक्रम में मुख्य रूप से वार्ड नंबर 28 के वार्ड परिषद सुबोध पासवान मौलाना मुख्तार राकेश गुप्ता बीके मेहता राजेंद्र मेहता अमित पासवान रामचंद्र भुइया संतोष साहू राजेश मांझी अयूब अंसारी इत्यादि सैकड़ो लोगों ने भाग लिया।

शहीद ए आजम के जीवनी को यूनिवर्सिटी के पाठ्यक्रम में शामिल करेः सीपीआई

रांचीः ऑल इंडिया यूथ फेडरेशन ऑल इंडिया स्टूडेंट फेडरेशन द्वारा संयुक्त रूप से शहीद ए आजम सरदार भगत सिंह 117वी जयंती के अवसर पर रांची में सीपीआई राज्य कार्यालय के सभागार में मनाई गई।इस अवसर राज्य सचिव महेंद्र पाठक एआई एस एफ के पूर्व राज्य सचिव जैनेंद्र कुमार भंते ए आई के एस राज्य सचिव पुष्कर महतो अजय कुमार सिंह राज्य कार्यकारीनी के सदस्य जितेंद्र सिंह डॉ जितेंद्र कुमार ऑल इंडिया यूथ फेडरेशन के राज्य सचिव विष्णु कुमार ऑल इंडिया स्टूडेंट फेडरेशन के सचिव विक्रम कुमार बीकेएमयू के राज्य सचिव इम्तियाज खान शहीद कई लोगों उपस्थित थे.कार्यक्रम की अध्यक्षता अजय कुमार सिंह ने किया सर्वप्रथम शहीद ए आजम सरदार भगत सिंह के चित्र पर माल्यार्पण कर गगन भेदी नारों के साथ श्रद्धांजलि अर्पित की गई ।किया एआईएसएफ के पूर्व राज्य सचिव ज्ञानेंद्र कुमार ने परिचर्चा उद्घाटन करते हुए छात्र और नौजवानों के एकता पर बल दिया।

परिचर्चा में नेताओं ने एक स्वर में कहा कि भगत सिंह व्यक्ति नहीं एक विचारधारा का नाम है उन्होंने कम उम्र में ही अंग्रेजों से लड़ते हुए हंसते-हंसते फांसी पर चढ़ गए। झारखंड में यूथ स्टूडेंट के संगठन को विस्तार कर शहीद ए आजम की विचारधारा को जन-जन तक ले जाने की जरूरत है इसीलिए पूरे राज्य में 25000 छात्रों को गोलबंद कर संगठन का विस्तार करने का संकल्प लिया गया और 50 हजार नवजवानों का संगठन से जोड़ना । सभी जिलों में जिला सम्मेलन करने एवं राज्य सम्मेलन करने का निर्णय लिया गया। जयंती समारोह के मुख्य उद्देश्य वर्तमान राजनीतिक स्थिति में युवाओं छात्रों की भूमिका पर सभी नेताओं ने प्रकाश डाला समरोह मे मुख्य रूप से प्रकाश रजक श्यामुद्दीन अंसारी क्या मुद्दीन अंसारी डॉ जितेंद्र कुमार गुप्ता, मनोज बसंत सूर्य उरांव किरण कुमारी शांति कुजूर मोहम्मद सलीम ललिता देवी सरस्वती उरांव पंचू उरांव नरेंद्र चौधरी रैंकिंग उरांव कुंदन रविदास गणेश कुमार जीतू कुमार अजहर मल्लिक उमेश गुप्ता आरती देवी छात्र नेत्री एहतशाम प्रवीण मुख्य रूप से मौजूद थे और छात्र नौजवान उपस्थित थे।

कांग्रेस ओबीसी प्रकोष्ठ ने किया प्रेसवार्ता,पलामू की सभी सीटें जीतने का दावा

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : कांग्रेस ओबीसी प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष धनंजय यादव ने कहा कि पलामू जिला मे 60 प्रतिशत से भी ज्यादा आबादी ओबीसी समाज का है। आगामी विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन की जीत मे ओबीसी समाज महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने वाला है। इसलिए पार्टी को ओबीसी समाज से पलामू में कम से कम दो विधानसभा सीटों पर प्रत्यासी बनाया जाना चाहिए। श्री यादव आज क्षेत्र भ्रमण के बाद विश्रामपुर मे कांग्रेस द्वारा आयोजित प्रेसवार्ता में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी भी ओबीसी समाज के हित की बात करतें हैं। उनका स्पष्ट मानना है कि जिसकी जितनी आबादी है उसको इसी हिसाब से भागीदारी भी मिलनी चाहिए। ओबीसी समाज को उचित राजनीतिक भागीदारी पार्टी का एक महत्वपूर्ण मिशन भी है। इसलिए जिला के दो विधानसभा क्षेत्र में पार्टी के ओबीसी नेता को मौका मिलना चाहिए। श्री यादव ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश और ओबीसी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अभिलास साहू ने अपने नेतृत्व क्षमता के बदौलत कार्यक्रतो में जोश भरा है। राज्य सरकार भी कई जन कल्याणकारी योजनाओं संचालित कर रही है,जिससे राज्य का लगभग सभी परिवार लाभान्वित है। प्रदेश की जानता फिर से इंडिया गठबंधन की सरकार बनाने जा रही है। उन्होंने दावा किया कि पलामू के सभी विधानसभा क्षेत्र में इंडिया गठबंधन का प्रत्यासी ही जीतेगा।मौके पर जिला सचिव अशोक यादव,जिला उपाध्यक्ष बबलू गुप्ता,मो• मुस्ताक आलम,अनिल यादव,सुरेंद्र यादव व खालिद अंसारी मौजूद थे।

विधायक ने 15 करोड़ की दो सड़कों का किया शिलान्यास,कई लोग हुए भाजपा मे शामिल

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : पूर्व मंत्री सह विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी ने विश्रामपुर प्रखंड में 15 करोड़ के दो सड़कों का शिलान्यास किया। जिसमे जरका मोड मंदिर से गेडुआ होते हुए कानू टोला तक सड़क का नवनिर्माण व एनएच 39 से लेकर टोना तक की सड़क का सुदीढीकारण शामिल है। दोनो प्रस्तावित सड़कों का शिलान्यास विधायक श्री चंद्रवंशी ने शिलापट्ट का अनावरण कर किया। उन्होंने कहा कि पहली बार विधायक बनने के बाद हमने विश्रामपुर विधानसभा को पूर्ण विकसित करने का संकल्प लिया था। हमारा यह संकल्प पूरा होने वाला है। विश्रामपुर विकास की नई ऊंचाईयों पर पहुंचने वाला है। क्षेत्र की लगभग सभी सड़कों का पक्कीकरण हो चुका है। अगर कोई सड़क बाकी रह गया हो तो बताएं,उसे भी बनवाया जायेगा। क्षेत्र के सभी नदी नालों पर पुल पुलिया भी बन चुका है। जिससे क्षेत्र का हर गांव एक दूसरे से जुड़ गया है। श्री चंद्रवंशी ने कहा कि शिक्षा से लेकर स्वास्थ तक के क्षेत्र में विश्रामपुर राज्य के बाकी विधानसभाओं से आगे निकल चुका है। लगभग सभी गांवों में बिजली पहुंचा दी गई है। मौके पर विधायक के जिला प्रतिनिधि रामचंद्र यादव,भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष अमरेश तिवारी,उप प्रमुख सत्येंद्र सिंह,संजय चंद्रवंशी,उदय पांडेय,संजय तिवारी, रामानंद तिवारी,उपेंद्र तिवारी,दिलीप चंद्रवंशी,दिलीप पासवान,मनोज कुमार मिश्रा,अलख चंद्रवंशी,राजकुमार कानू,परीखा चंद्रवंशी,रेखा चंद्रवंशी,शंकर यादव,महादेव यादव,पंकज तिवारी,संजय यादव,सत्या कुमार,रविंद्र पासवान सहित कई लोग मौजूद थे।

कई लोग हुए भाजपा मे शामिल

शिलान्यास समारोह के दौरान विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी के नेतृत्व क्षमता से प्रभावित होकर कई लोग भाजपा में शामिल हुए। सभी को श्री चंद्रवंशी ने माला पहनाकर पार्टी में स्वागत किया। भाजपा में शामिल होने वालों में सतेंद्र महतो,कामेश महतो,वीरेंद्र महतो,अनूप महतो,अशोक महतो,रवि महतो,रामशेवक महतो,गिरवर महतो,संतोष महतो,उदय महतो,राम करेश महतो,छोटु महतो,अजीत महतो,दिनेश महतो,चंदन चंद्रवंशी,बाबू राम सिंह का नाम प्रमुख हैं।

चोरदाहा मुखिया अर्चना हेमरोम ने विद्यालय का औचक निरीक्षण किया

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चौपारण(हजारीबाग): चोरदाहा पंचायत की तेज तर्रार मुखिया अर्चना हेमरोम ने अचानक अपने पंचायत के सभी स्कूलों का औचक निरिक्षण की। चोरदाहा पंचायत के सभी विद्यालयों में मुखिया अर्चना हेमरोम के द्वारा उत्क्रमित प्राथमिक+2 उच्च विद्यालय दनुआ, प्राथमिक विद्यालय अहरी, नावाडीह, चोरदाहा, मूर्तिया और सिलोदर के नव प्राथमिक विद्यालय का औचक निरिक्षण मुखिया ने की और मध्यान भोजन की भी गुणवत्ता की जाँच की और कई स्कूलों के बच्चों को भी पढ़ाई के बारे मे पूछताछ की।निरिक्षण के क्रम मे सिलोदर स्कूल की पारा शिक्षिका कुंती देवी बिना अवकाश लिए अनुपस्थित पाई गई।निरिक्षण कर मुखिया अर्चना हेमरोम जब स्कूल से निकलती है तो कुछ देर बाद मुखिया को सुचना दिया जाता है की पारा शिक्षिका कुंती देवी छुट्टी पर इसपर मुखिया आग बबूला हो गई और कही की मै जब स्कूल मे थी तो आपलोगों ने छुट्टी पर होने की सुचना क्यों नही दिए मेरे जाने के बाद उसे फोन कर आवेदन मंगवाकर छुट्टी दे दी जाती है .

बीआरसी भवन में बुनियादी साक्षरता कार्यक्रम एवं रूम टु रीड के द्वारा समीक्षा बैठक

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)।बरकट्ठा बीआरसी भवन में बुनियादी साक्षरता कार्यक्रम एवं रूम टु रीड के संयुक्त प्रयास से त्रिमासिक समीक्षा बैठक हुई। बैठक में बुनियादी साक्षरता सुदृढ़ीकरण कार्यक्रम के तहत वर्तमान में विद्यालयों की दैनिक कार्ययोजना की समीक्षा एवं मासिक कार्ययोजना पर चर्चा की गई ।इस मौके पर सभी संकुल साधन सेवी एवं शिक्षकों को उपलब्ध दैनिक कार्ययोजना के अनुरूप कक्षा एक को तीसरा से पांचवां सप्ताह एवं कक्षा दो को छह से आठवां सप्ताह के दैनिक गतिविधि को भरने लिए प्रेरित करने कहा गया।संकुल साधन सेवियों को अनुश्रवण के दौरान शिक्षकों को सन्दर्शिका के अनुरूप विधिवत भाषा का 90 मिनट कक्षा संचालन करने, शिक्षक सन्दर्शिका, नई किरण वर्कशीट, झिलमिल, एफएलएन किट एवं रूम टू रीड से प्राप्त शिक्षण सामग्रियों को नियमित उपयोग कराने के लिए कहा गया। एफएलएन कक्षा के अतिरिक्त बच्चों को सीभी ग्रिड, ब्लेंडिंग एवं स्वतंत्र पठन समय की गतिविधियों पर चर्चा एवं विद्यालयों में इन गतिविधियों को करने के लिए प्रेरित किया गया. इस अवसर पर बैठक में प्रशिक्षक मनीष कुमार, सीआरपी रामकृष्ण पांडेय, अर्जुन प्रसाद, चौधरी परमानंद पांडेय, अनंत पांडेय, शशि भूषण कुमार सिंह, फलजीत राणा, विनोद कुमार शर्मा, एमआईएस कोऑर्डिनेटर आसिफ अली समेत अन्य कई लोग मौजूद रहे।

चतरा उपायुक्त की अध्यक्षता में चौकीदार नियुक्ति परीक्षा के सफल संचालन को लेकर बैठक हुई संपन्न

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चतराः जिला उपायुक्त रमेश घोलप की अध्यक्षता में 28 सितंबर 2024 को 9 बजे से 10:30 बजे तक होने वाले चौकीदार नियुक्ति लिखित परीक्षा के सफल संचालन को लेकर समाहरणालय सभागार में बैठक की गई। मौके पर उपायुक्त ने कहा कि स्वच्छ वातावरण में निष्पक्ष एवं कदाचार मुक्त परीक्षा हम सभी की जिम्मेदारी है। कहा कि औचक निरीक्षण के दौरान अगर कदाचार करते परीक्षार्थी पाये गये तो सख्त कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने कहा परीक्षा के लिये प्रतिनियुक्त स्टैटिक मजिस्ट्रेट, सेंटर ऑब्जर्वर एवं पेट्रोलिंग मजिस्ट्रेट विभागीय निर्देशों के अनुरूप कदाचार मुक्त ढंग से परीक्षा का संचालन सुनिश्चित कराएं।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, एन०आर०ई०पी०–II, राँची।

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या– 04 / 2024–25

1. विज्ञापन दाता का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, एन0आर0ई0पी0–II, राँची।
2. परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि :– दिनांक 04.10.2024 को अपराह्न 01:00 बजे तक।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि, समय एवं स्थान :–दिनांक 07.10.2024 के अपराह्न 03:00 बजे तक, जिला नियंत्रण कक्ष, राँची।
4. निविदा खोलने की तिथि, समय एवं स्थान :–दिनांक 07.10.2024, 03:30 बजे पूर्वाह्न में,जिला नियंत्रण कक्ष, राँची।
5. परिमाण विपत्र की ब्रिकी का स्थान :– (1) कार्यपालक अभियंता का कार्यालय एन0आर0ई0पी0–II, राँची। (2) जिला योजना पदाधिकारी, विकास भवन, राँची।
6. निविदा का मद :– डी0 एम0 एफ0 टी0 मद।
7. कार्य की विस्तृत विवरणी निम्नवत् है :– परिमाण विपत्र क्रय हेतु आवेदन के साथ झारखण्ड राज्य के अधीनस्थ ग्रामीण विकास विभाग (ग्रामीण कार्य मामले) से निबंधित समुचित श्रेणी के संवेदक निविदा में भाग ले सकते हैं।

(8) निविदा डालते समय पथ निर्माण विभाग, झारखण्ड, राँची के संकलप संख्या 2146 (एस) दिनांक 09.09.2020 में निहित प्रावधान के आलोक में संवेदक द्वारा 10 प्रतिशत से कम दर Quote करने Additional Performance Security की राशि निम्नवत् जमा करनी होगी :–
(i) 10 से 20 प्रतिशत Below की राशि का 20 प्रतिशत तथा
(ii) 20 प्रतिशत से अधिक Below की राशि का 30 प्रतिशत अतिरिक्त जमानत का प्रावधान लागू होगा।

क0	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि (रू0 में)	अग्रधन की राशि (रू में)	परिमाण विपत्र का मुल्य (रू में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	Govt Middle school umedanda boy	11,50,363.00	23,100=00	2,500=00	2 Months
2	Govt. UPG middle school arid	11,50,363.00	23,100=00	2,500=00	2 Months
3	Govt. Middle school chakme	11,50,363.00	23,100=00	2,500=00	2 Months
4	Govt. UPG High school chaapar	15,91,355.00	32,000=00	5,000=00	2 Months
5	UPG Primary School Barka Muru	11,50,363.00	23,100=00	2,500=00	2 Months
6	UPG Primary School Chalaniya	11,50,363.00	23,100=00	2,500=00	2 Months

कार्यपालक अभियंता,
एन0आर0ई0पी0– II, राँची।

PR.NO.337312 NREP(24-25):D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय लघु सिंचाई प्रमंडल, हजारीबाग

अल्पकालिन निविदा आमंत्रण सूचना संख्याः–DMFT/MID/HAZARIBAG/F2-19/2024-25

पत्रांकः– 1060 हजारीबाग दिनांक – 26.09.2024

1. विज्ञापनदाता का नाम :– कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमंडल, हजारीबाग
2. परिमाण विपत्र (BOQ) प्राप्ति की तिथि :– 04.10.2024 को 12:30 बजे अपराहन् से
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– 14.10.2024 को 05:00 बजे अपराहन् तक
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 15.10.2024 को 03:00 बजे अपराहन् में
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– 1).कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, लघु सिंचाई प्रमंडल, हजारीबाग। 2). अधीक्षण अभियंता का कार्यालय, लघु सिंचाई अंचल, हजारीबाग।
6. निविदा खोलने का स्थान :– कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, लघु सिंचाई प्रमंडल, हजारीबाग
7. कार्य की विस्तृत विवरणी : –

क0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू0 में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू0 में)	अग्रधन की राशि (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6
1.	हजारीबाग जिला के सदर प्रखण्ड अंतर्गत अटल मुहल्ला क्लीनिक, नुरा का उन्नयन कार्य।	4,42,200.00	750.00	8,850.00	06 माह

नोटः–1,) निविदा की प्राक्कलित राशि घट–बढ़ सकती है, तत्पश्चात् अग्रधन की राशि देय होगा।
2,) निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी विभागीय बेबसाईट **www.jharkhand.gov.tender.in** एवं कार्यालय के सूचना पट्ट से प्राप्त किया जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
लघु सिंचाई प्रमंडल, हजारीबाग।

PR.NO.337225 Minor Irrigation(24-25):D

मंत्री इरफान अंसारी ने पंचायत सचिवालय सहायक संघ को दिया आश्वासन, बोले- कैबिनेट में करेंगे चर्चा

रांची : शुक्रवार को राज्य स्तरीय पंचायत सचिवालय सहायक संघ के हजारों की संख्या में सदस्यों ने प्रदेश अध्यक्ष चंद्रदीप कुमार के नेतृत्व में ग्रामीण विकास मंत्री डॉ इरफान अंसारी के आवास पर उनसे मुलाकात की. मौके पर मंत्री इरफान अंसारी ने सभी पंचायत सहायक सदस्यों को आश्वासन दिया कि आज कैबिनेट में आप लोगों की चर्चा मुख्यमंत्री से करेंगे और जो काम रुका हुआ है, उसको चालू करवाएंगे. इस सरकार में सबका काम हो रहा है, आप लोगों का भी काम होगा. इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष चंद्रदीप कुमार, युगल किशोर प्रसाद, बाल गोविंद महतो, लव कुश प्रजापति, आनंद कुमार गुप्ता, मंटू , गौतम, पंकज, अक्षय, सुबोध, दिलचंद, अजय, बालेश्वर, विभा, सुनीता, बनिता,पूनम, रजनी एवं 24 जिला के पंचायत सहायक के सदस्य हजारों की संख्या में उपस्थित थे.

जिला सलाहकार समिति की बैठक, 9 अल्ट्रासाउंड सेंटर के रजिस्ट्रेशन की स्वीकृति

रांची : रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा के निर्देशानुसार शुक्रवार को जिला सलाहकार समिति (पीसी एवं पीएनडीटी) की बैठक हुई. इस बैठक में अल्ट्रासाउंड सेंटर के रजिस्ट्रेशन, रिन्यूअल, संस्थानों को मशीन के फॉर्म-B में एंट्री, चिकित्सकों की जॉइनिंग, यूएसजी मशीन खरीदने और स्थान परिवर्तन पर विचार-विमर्श किया गया. विचार-विमर्श के बाद एक अल्ट्रासाउंड सेंटर के रिन्यूअल और नौ सेंटर के रजिस्ट्रेशन की स्वीकृति प्रदान की गयी. इसके अलावा तीन संस्थानों को मशीन के फॉर्म-बी में एंट्री, एक सेंटर के स्थान परिवर्तन, आठ चिकित्सकों की जॉइनिंग और चार संस्थानों को यूएसजी मशीन खरीदने के अभ्यावेदन को मंजूरी दी गयी.

अल्ट्रासाउंड सेंटर के निरीक्षण को लेकर दिये दिशा-निर्देश

पीसी एवं पीएनडीटी की बैठक के दौरान रांची सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार ने अल्ट्रासाउंड सेंटर के निरीक्षण को लेकर आवश्यक व उचित दिशा-निर्देश दिये. उन्होंने कहा कि सेंटर का निश्चित समय अंतराल पर निरीक्षण करें और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियम संगत कार्रवाई सुनिश्चित करें. बैठक में पीसी एवं पीएनडीटी समिति सदस्य, जिला कार्यक्रम प्रबंधक प्रवीण कुमार सिंह एवं डीलिंग क्लर्क राकेश कुमार राय उपस्थित थे.

चेक बाउंस केस : कोर्ट ने 24 लाख भुगतान के आदेश को रखा बरकरार

रांची : रांची सिविल कोर्ट ने चेक बाउंस के आरोप में दोषी करार दिये गये अमित कुमार सोनी की सजा को बरकरार रखा है. कोर्ट ने उसकी अपील भी खारिज कर दी है. 19 लाख 85 हजार चेक बाउंस केस में निचली अदालत ने उसे एक वर्ष की सजा और 24 लाख का जुर्माना लगाया था. जिसे अमित कुमार सोनी ने प्रधान न्यायाधीश दिवाकर पांडेय की कोर्ट में चुनौती दी थी. कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि जुर्माना की राशि उस पीड़ित को दी जायेगी, जिसे अमित सोनी ने चेक दिया था. यह राशि उस चेक के बदले देय होगी, जो बाउंस हो गया. अजय जैन की ओर से अधिवक्ता अनंत कुमार विज ने बहस की.

अमित के दोनों चेक हो गये थे बाउंस : दरअसल अमित कुमार सोनी ने अजय जैन को पैसों के भुगतान के लिए 19 लाख 85 हजार के दो अलग-अलग चेक दिये थे. लेकिन यह चेक बाउंस कर गया था. इसके बाद अजय जैन ने कोर्ट की शरण ली थी और सिविल कोर्ट में कंप्लेंट केस दर्ज करवाया था. अजय जैन की कंप्लेंट केस पर ज्यूडीशियल मजिस्ट्रेट जेनिस मिंज की कोर्ट में फैसला दिया था.

पंकज मिश्रा की बेल पर सुनवाई, हाईकोर्ट ने पूछा- क्या है ट्रायल की स्थिति

रांची : रांची प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट की विशेष कोर्ट से जमानत याचिका खारिज होने के बाद साहेबगंज जिले में अवैध खनन के जरिए अकूत संपति अर्जित करने के आरोपी पंकज मिश्रा ने हाईकोर्ट का रूख किया है. पंकज मिश्रा की याचिका पर सुनवाई के दौरान अदालत ने ट्रायल कोर्ट से यह जानकारी मांगी है कि ट्रायल की क्या स्थिति है. अब इस मामले पर हाईकोर्ट 18 अक्टूबर को सुनवाई करेगा.

ईडी ने जुलाई 2022 में पंकज मिश्रा को किया था गिरफ्तार : बता दें कि सीएम के तत्कालीन विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा को ईडी ने जुलाई 2022 में गिरफ्तार किया था. जांच के दौरान ED पंकज मिश्रा, दाहू यादव और उनके सहयोगियों के 37 बैंक खातों में जमा 11.88 करोड़ भी जब्त कर चुकी है. वहीं ईडी ने साहिबगंज, बरहेट, राजमहल, मिर्जा चौकी और बरहरवा में 19 स्थानों पर तलाशी ली थी. इस दौरान एजेंसी ने कई दस्तावेज और 5.34 करोड़ कैश जब्त किया था.

ग्रामीण विकास सचिव हाईकोर्ट में हुए हाजिर, कोर्ट ने लगायी फटकार, कहा-कोर्ट को गुमराह ना करें

रांचीः डीआरडीए कर्मियों की ओर से झारखंड सरकार के कर्मियों की तरह नियमित किए जाने को लेकर दाखिल अनिल कुमार एवं अन्य की अवमानना याचिका की सुनवाई शुक्रवार को झारखंड हाई कोर्ट में हुई. मामले में ग्रामीण विकास विभाग के सचिव कोर्ट में सशरीर हाजिर हुए. कोर्ट ने उन्हें जवाब दाखिल करने का निर्देश देते हुए कहा कि वह बताएं कि प्रार्थी की कही गई बातें गलत है, प्रार्थी ने कहा है कि वह इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट नहीं गए हैं. कोर्ट ने मौखिक कहा कि अगर प्रार्थी या प्रतिवादी, राज्य सरकार द्वारा कोर्ट को गलत जानकारी दी जाएगी तो और उनके खिलाफ कड़ा आदेश पारित किया जाएगा. कोर्ट को गुमराह करने की कोशिश ना की जाए. दरअसल, डीआरडीए में पदस्थापित कर्मियों ने झारखंड सरकार के कर्मियों की तरह उनकी भी सेवा स्थाई करने का आग्रह किया था. उनकी ओर से कहा गया था कि उन्हें दूसरे विभाग में सामंजय करते हुए संविदा पर नियुक्त किया जा रहा है, जबकि वे डीआरडीए में स्थाई कर्मी के रूप में नियुक्त हुए थे. मामले को लेकर अनिल कुमार एवं अन्य की ओर से याचिका दाखिल की गई है. उनकी ओर से कहा गया है कि उनके संविदा आधारित सेवा को नियमित किया जाए. सुनवाई के दौरान प्रार्थी की ओर से कोर्ट को बताया गया कि वह सुप्रीम कोर्ट नहीं गया है, हाई कोर्ट ने उनके पक्ष में फैसला दिया था. डीआरडीए के कुछ कमी स्थाई वेतनमान को लेकर सुप्रीम कोर्ट गए थे वहां उनके मामले में पारित आदेश पर कोर्ट ने मुहर लगा दी है.

अबुआ आवास योजनाः आवास निर्माण के लिए 70 करोड़ आवंटित

रांचीः अबुआ आवास योजना से सात जिलों के लाभुकों के लिए 70 करोड़ रुपये आवंटित किए गये हैं. पूर्वी सिंहभूम, पाकुड़, खूंटी, जामताड़ा, लोहरदगा, कोडरमा व चतरा जिलों को 10-10 करोड़ रुपये दिया गया है. ग्रामीण विकास विभाग ने सभी जिलों को कहा कि उक्त राशि केवल आवास निर्माण में भुगतान करना सुनिश्चित करेंगे. बता दें कि, वित्तीय वर्ष 2023-24 में स्वीकृत लाभुक को नियमानुसार तृतीय एवं चतुर्थ किस्त की राशि विमुक्त किए जाने के लिए 25 जुलाई को ही निर्देश दिया गया. इस वित्तीय वर्ष का भी लक्ष्य आवंटित किया गया है.

विपक्ष चाहे जितना जोर लगा ले, उनकी यहां नहीं चलने वालीः कल्पना सोरेन

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी और गांडेय विधायक कल्पना सोरेन ने शुक्रवार को कोल्हान में मंइयां सम्मान यात्रा शुरूआत जमशेदपुर के कदमा उलियान स्थित शहीद निर्मल महतो की प्रतिमा व समाधि स्थल पर माल्यार्पण व नमन कर दूसरे दिन की यात्रा की शुरूआत की. कल्पना सोरेन ने कहा कि अलग झारखंड राज्य का गठन यूं ही नहीं हुआ है. बल्कि अलग राज्य को बनाने के लिए कई लोगों ने अपने प्राणों की आहुति दी है. मैं उन अमर शहीदों को नमन करती हूं. उनके त्याग बलिदानी को यूं ही व्यर्थ जाने नहीं दिया जायेगा. उन्होंने अबुआ दिसुम रे अबुआ राज को स्थापित करने का सपना देखा था. लेकिन यहां भाजपा उनके सपने को चकनाचूर करने पर तुली हुई है. विपक्ष चाहे जितना जोर लगा ले, यहां उनकी यहां नहीं चलने वाली है. आसन्न विधानसभा चुनाव में माताओं और बहनों का आशीर्वाद फिर से झामुमो को प्राप्त होगा और हेमंत सोरेन के नेतृत्व में सरकार बनेगी. उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार ने महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग की मंत्री बेबी देवी की अगुवाई में राज्य की तमाम माताओं और बहनों को सम्मान दिया है. हेमंत सोरेन सरकार ने उनकी दुखः दर्द को समझा है, तभी तो झारखंड मुख्यमंत्री मंइयां योजना के तहत महिलाओं आत्मनिर्भर व सशक्तिकरण के लिए 18 से 50 साल तक की माताओं और

बहनों को हर महीने 1000 रुपये दे रहे है. भाजपा माताओं व बहनों की चिंता नहीं है. इसलिए उसने कभी माताओं व बहनों के सशक्तिकरण के लिए कोई योजना शुरू नहीं किया. उन्हें तो बस जनता के सामने झूठ-सच बोलना है और सत्ता में काबिज होना है. मंइयां सम्मान यात्रा में मंत्री रामदास सोरेन, विधायक मंगल कालिंदी, विधायक सविता महतो, पूर्व सांसद सुमन महतो समेत अन्य मौजूद थे. कदमा उलियान से मंइयां सम्मान यात्रा का काफिला मानगो खुदीराम बोस गोलक्कर गोलचक्कर के पास रूका. जहां झामुमो की महिलाओं कार्यकर्ताओं व नेताओं ने माला पहनाकर उनका स्वागत किया. उसके बाद मंइयां सम्मान यात्रा का काफिला डिमना चौक पहुंचा. जहां झामुमो मानगो नगर समिति व आदिवासी-मूलवासी समाज के लोगों ने पुष्प वर्षा व माला पहनाकर स्वागत किया. यहां कल्पना सोरेन, बेबी देवी, दीपिका पांडेय समेत अन्य नेताओं ने बाबा तिलका माझी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया.

डिमना माझी बाबा व महिला समूह ने नाराजगी जाहिर किया

मंइयां सम्मान यात्रा का काफिला को डिमना चौक से ठीक पहले आदिवासी संताल जाहेरथान के पास रूकना था और जाहेरथान में देवी-देवताओं के चरणों में माथा टेकर प्रार्थना करने का कार्यक्रम था. लेकिन जाहेरथान के पास मंइयां सम्मान यात्रा का काफिला नहीं रूका. जिससे डिमना गांव के माझी बाबा दीपक राज मुर्मू व आदिवासी महिलाओं ने नाराजगी जाहिर किया. माझी बाबा ने बताया कि डिमना ग्रामसभा ने स्वागत की पूरी तैयारी कर रखा था. सुबह से ही गांव की महिलाएं कल्पना सोरेन, बेबी देवी और दीपिका पांडेय का इंतजार कर रहे थे. लेकिन उनको स्वागत करने के लिए समय ही नहीं दिया गया. माझी बाबा ने झामुमो जिला कमेटी को खरी-खोटी सुनायी है.

मंईयां सम्मान यात्रा लेकर बोराम पहुंचीं कल्पना सोरेन

झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार की महिलाओं के लिए शुरू की गई महत्वाकांक्षी योजना 'झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना' पूर्वी सिंहभूम जिले के बोराम पहुंच चुकी है. कल्पना सोरेन आदिवासी परिधान में वहां पहुंचीं और मौजूद महिलाओं को संबोधित किया. कल्पना सोरेन ने कहा कि हमने मंईयां सम्मान यात्रा की शुरुआत गढ़वा जिले के भवनाथपुर से की थी. आज हम बोराम पहुंच गए हैं. यह पांचवीं यात्रा है. यह देखकर अच्छा लग रहा है कि भारी संख्या में महिलाएं मंईयां सम्मान यात्रा का हिस्सा बन रहीं हैं.

बहन-बेटियों 1000-1000 रुपए दे रहे हेमंत सोरेन

कल्पना सोरेन ने वहां मौजूद महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आपके मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बहन-बेटियों के लिए झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की शुरुआत की है. इस योजना के तहत हर घर की हर महिला को प्रति माह 1,000 रुपए दे रही है. यानी साल में 12,000 रुपए एक महिला को मिलेंगे. उन्होंने कहा कि घर में अगर एक से अधिक महिला हैं, तो उनको भी इसका लाभ मिलेगा. यानी 2 महिला को महीने में 2,000 रुपए और साल में 24,000 रुपए. इसी तरह अगर घर में 3 महिलाएं हैं, तो उस परिवार की महिलाओं को साल में 36,000 रुपए मिलेंगे. झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने यह योजना महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए शुरू की है. उन्होंने कहा कि परिवार की हर महिला के लिए यह योजना है. उन्होंने कहा कि झारखंड गठन के बाद पहली बार किसी सरकार ने आधी आबादी के लिए पहल की है. उन्होंने महिलाओं से पूछा कि आपके खाते में 1,000-1,000 टका आ रहा है. क्या आपको मंईयां सम्मान योजना पसंद आ रही है. उन्होंने पूछा कि यह योजना चलती रहनी चाहिए? क्या आप खुश हैं? कल्पना सोरेन ने कहा कि योजना शुरू होने से पहले हेमंत सोरेन ने उनसे कहा कि आप जब मंईयां सम्मान यात्रा में जाएं, तो वहां मौजूद माताओं-बहनों से पूछें कि योजना आगे चलती रहनी चाहिए या नहीं. कल्पना सोरेन ने आगे कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के इशारे पर चलने वाले लोगों ने इस योजना को बंद करने के लिए हाईकोर्ट में जनहित याचिका (पीआईएल) दाखिल कर दी है.

भाजपा वाले आपके चेहरे पर खुशी नहीं देखना चाहते

कल्पना सोरेन ने कहा कि ये वो लोग हैं, जो आपके चेहरे पर खुशी नहीं देखना चाहते. दूसरी ओर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन हैं, जो आपके चेहरे पर मुस्कान लेकर आए हैं. चुनाव आएंगे, तो भाजपा वाले आपसे कहेंगे कि यह चुनावी मुद्दा है. चुनाव के बाद पैसे मिलने बंद हो जाएंगे. लोग आपको भ्रमित करेंगे. कल्पना सोरेन ने कहा कि मैं आपको बताना चाहती हूं कि हर महीने आपके अकाउंट में 1,000 रुपए आते रहेंगे. यह योजना कभी रुकेगी नहीं. हमेशा चलती रहेगी. आपके हेमंत दादा, आपका हेमंत बेटा आपके खाते में 1,000-1,000 रुपए पहुंचाता रहेगा. झारखंड में भाजपा का अकाउंट बंद हो जाएगा. मंईयां सम्मान यात्रा के दौरान कल्पना सोरेन ने हेमंत सोरेन सरकार की योजनाएं भी गिनाईं. उन्होंने सावित्रीबाई फूले योजना, पेंशन योजना, अबुआ आवास योजना, गुरु जी क्रेडिट कार्ड योजना, बिरसा हरित ग्राम योजना, किसान ऋण माफी योजना और 200 यूनिट बिजली फ्री बिजली का जिक्र करते हुए कहा कि हेमंत सोरेन आप सबके हित में दिन-रात काम कर रहे हैं.

भाजपा की सरकार बनी तो सीजीएल परीक्षा की होगी सीबीआई जांच : बाउरी

रांचीः जेएसएससी सीजीएल परीक्षा में कथित गड़बड़ी के आरोप पर झारखंड में राजनीति तेज हो गई है. नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा है कि हम जनता की अदालत में जा रहे हैं. यदि जनता का आशीर्वाद मिला और भाजपा की सरकार बनी तो पहली कैबिनेट बैठक में ही सीजीएल परीक्षा की जांच सीबीआई से कराने का फैसला लिया जाएगा और इस भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों को सलाखों के भीतर भेजा जाएगा. उन्होंने कहा कि सीजीएल की परीक्षा में बड़े-बड़े दावे किए गए. इसके बावजूद सरकार ने नौकरी को बेचने का काम किया है. उन्होंने कहा कि जिस किसी ने भी इसका विरोध किया, उसको स्थानीय प्रशासन से मिल कर सरकार डराने-धमकाने का काम कर रही है. युवाओं के साथ भविष्य के साथ सरकार खिलवाड़ कर रही है. उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट ने इस सरकार को फ्रॉड कह कर संबोधित किया है. भाजपा ने हमेशा कहा है कि यह सरकार झूठ बोल कर सत्ता में आई है. युवाओं को पांच लाख नौकरी देने का वायदा कर सत्ता में हेमंत सरकार आयी है. सीजीएल परीक्षा में गड़बड़ी का जिक्र करते हुए कहा 2019, 2022, 2024 की परीक्षा के कई सारे प्रश्न को दोहराए गए हैं. उन्होंने कहा, आज झारखंड की बदनामी पूरे देश में हो रही है

और पूरे देश के लोग झारखंड की काबिलियत पर प्रश्न उठा रहे हैं, जबकि हकीकत यह है कि खामी इस सरकार में है. इस सरकार ने परीक्षा के नाम पर पूरे राज्य का इंटरनेट बंद कर दिया था और कहा कि असम की तर्ज पर यह काम किया है. जबकि असम सरकार ने परीक्षा से काफी पहले सूचना देकर इंटरनेट बंद किया था. इस सरकार ने रात के 2 बजे से ही इंटरनेट बंद कर दिया था, ताकि इनके लोग रात में ही प्रश्न पत्र बांटने का काम कर सकें.

अमर बाउरी ने कहा कि मेरे पास रात दो बजे ही आ गए थे प्रश्न

अमर बाउरी का आरोप है कि परीक्षा से पहले ही उत्तर हैंडलर के हाथ में आ गए थे. यहां तक कि उनके पास भी जिस दिन सुबह 8.30 बजे से परीक्षा थी, प्रश्नों का हल किया हुआ कागज रात 2 बजे आ गए थे. उन्होंने कहा कि छात्रों पर सरकार का दबाव ज्यादा है, इसलिए छात्र डरे हुए हैं. भाजपा ने इस गड़बड़ी को प्रमुखता से उठाया है. छात्रों ने जेएसएससी के समक्ष सारे पुख्ता सबूत पेश किए हैं. नेता प्रतिपक्ष ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को चुनौती देते हुए कहा, सरकार एक भी नौकरी बिना किसी गड़बड़ी के नहीं दे पायी है. सीजीएल परीक्षा में हुई गड़बड़ी को लेकर कहा कि इस पूरे मामले पर मुख्यमंत्री को सामने आना चाहिए और जेएसएससी के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए.

बाबूलाल का भी सीजीएल पर सवाल

अमर बाउरी के साथ-साथ अब बाबूलाल मरांडी ने भी जेएसएससी द्वारा अभी ली गयी परीक्षा और जारी उत्तर कुंजी को लेकर सवाल किया है. इस हरकत को चोर की दाढ़ी में तिनका बताया है. शुक्रवार को सीजीएल की ओर से जारी उत्तर कुंजी को सोशल मीडिया पर साझा करते कहा है कि अभ्यर्थियों द्वारा जेएसएससी सीजीएल परीक्षा में पेपर लीक के पुख्ता सबूत देने के बावजूद जेएसएससी ने हड़बड़ी में उत्तर कुंजी जारी कर दिया. अब तक इस प्रकरण में हेमंत सरकार द्वारा जिस प्रकार की कारगुजारी दिखाई जा रही है, उससे पेपर लीक के आशंकाएं और ज्यादा गहराती जा रही है. परीक्षा में लगातार हो रही कदाचार के कारण जेएसएससी की विश्वसनीयता सवालों के घेरे में है. इसलिए राजनीति से इतर, छात्रों के आरोपों की निष्पक्ष जांच कर के, इस संस्था की विश्वसनीयता को बरकरार रखने का हर संभव प्रयास होना चाहिए.

झारखंड दुर्गा पूजा महोत्सव : मुख्य सचिव, गृह सचिव और डीजीपी विधि व्यवस्था की कर रहे समीक्षा

रांची : झारखंड दुर्गा पूजा महोत्सव में विधि व्यवस्था को लेकर मुख्य सचिव, गृह सचिव और डीजीपी समीक्षा बैठक कर रहे हैं. शुक्रवार को यह समीक्षा बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ही रही है. इस बैठक में एडीजी अभियान, जोनल आईजी, रेंज के डीआईजी, प्रमंडलीय आयुक्त, जिले के डीसी और एसपी शामिल हुए हैं. गौरतलब है कि तीन अक्टूबर से राज्यभर में दुर्गा पूजा महोत्सव का आयोजन बड़े पैमाने पर होगा. इस दौरान विधि व्यवस्था की समस्या उत्पन्न ना हो, इसको लेकर यह समीक्षा बैठक हो रही है.

इन मुख्य बिंदुओं पर हो रही समीक्षा

– दुर्गा पूजा पंडाल का सत्यापन.
– विसर्जन की तारीख और जुलुस मार्गों का सत्यापन.
– जुलूस मार्गों में पड़ने वाले संवेदनशील स्थानों पर की गई सुरक्षा की कार्रवाई.
– जुलूस मार्गों में रोशनी की व्यवस्था और पब्लिक संबोधन सिस्टम.
– संयुक्त नियंत्रण कक्ष और आपातकालीन योजना.
– पुलिस बल की उपलब्धता और प्रतिनियुक्ति.
– शांति समिति की बैठक की स्थिति.
– जिले में दंगा रोधी सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता का सत्यापन.
– दंगारोधी वाहन और वाटर कैनन का टेस्टिंग.
– होमगार्ड जवान को कॉलअप करने के संदर्भ में समीक्षा.
– डीजे और साउंड सिस्टम पर उत्तेजक गाने के प्रयोग संबंधी नीति निर्धारण.

कैशलेस इलाज की सुविधा देने वाली संचिका का दो महीने से स्वास्थ्य मंत्री के लंबित रहना संदिग्ध, विभागीय सचिव करें पहलः सरयू राय

रांचीः विधायक सरयू राय ने राज्य सरकार के कर्मियों के लिए कैशलेस इलाज के मसले पर स्वास्थ्य मंत्री की भूमिका को लेकर आशंका जाहिर की है. उन्होंने इस मामले में स्वास्थ्य विभाग, झारखण्ड सरकार के प्रधान सचिव से मांग करते कहा है कि वे राज्य सरकार के कर्मियों को कैशलेस इलाज की सुविधा देने के लिए निविदा से चयनित बीमा कंपनी को शीघ्र कार्यादेश देना सुनिश्चित कराएं. सरयू के मुताबिक, राज्य सरकार के कर्मियों को कैशलेस इलाज की सुविधा देने वाली संचिका मंत्री के यहां दो महीना से लंबित है. जबकि निविदा में प्रिमियम की न्यूनतम दर वाली बीमा कंपनी को उसके चयन का पत्र दे दिया गया है, निविदा समिति ने उसके चयन की मंजूरी दे दी है, वित्त विभाग और विधि विभाग की सहमति इस पर मिल गई है. परन्तु बीमा कंपनी को कार्यादेश जारी करने के बदले संचिका स्वास्थ्य मंत्री के पास चली गई है और दो महीना से उनके यहां पड़ी हुई है. सरयू ने सवाल उठाते कहा है कि निविदा समिति के निर्णय के बाद संचिका मंत्री के पास जाने और लंबित रहने का कारण क्या हो सकता है? क्या मंत्री ने संचिका मांगा है ? वित्त और विधि विभाग की स्वीकृति मिलने के बाद निविदा की संचिका मंत्री के पास लंबित रहने का क्या तुक है? सरयू राय के अनुसार इसके पहले भी 2023 में निविदा निकली थी.

भारत आदिवासी पार्टी को झारखंड की जनता विकल्प के रूप में देख रही हैः प्रेम शाही मुंडा

रांचीः भारत आदिवासी पार्टी झारखंड प्रदेश के तत्वाधान में संवाददाता सम्मेलन प्रेस क्लब करम टोली रांची में संपन्न हुई.

इस संवाददाता सम्मेलन में निम्नलिखित निर्णय लिए गए। झारखंड के वर्तमान राजनीतीक स्थिति को देखते हुए,भारत आदिवासी पार्टी झारखंड प्रदेश झारखंड की जनता के विकल्प के रूप में खड़ी है। क्योंकि23 वर्ष के बाद भी एक भी कार्य आदिवासी मुलवासी हितो के लिए नहीं हुआ है जैसे- पेसा कानून,धर्म कोलम, पांचवी अनुसूची ,समता फैसला,ट्राइबल सब प्लान, स्थानीय नियोजन नीति,ग्राम सभा की शक्तियां,खेल, कला,संस्कृति आदिवासी विश्व विश्वविद्यालय कारोबार का अधिकार यदि पर सरकार चुप हैं । अब एक मात्र भारत आदिवासी पार्टी ही झारखंड में विकल्प के रूप दे सकती है.

1 ऑल झारखंड रेस्टोरेंट यूनियन के संस्थापक अग्रणी नेता प्रभाकर तिर्की झारखण्ड के हित में और आदिवासियों के हालात को देखते हुए भारत आदिवासी पार्टी में शामिल हुए उनके साथ सुधीर मुंडा, राजन करमाली शामिल हुए.

2. झारखंड के चुनाव को देखते हुए। कार्यसमिति की बैठक के आलोक में प्रभाकर कीर्ति जी को चुनाव अभियान समितिके अध्यक्ष एवं पार्टी घोषणा पत्र ड्राफ्टिंग कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया.

3. पूरे झारखंड में भारत आदिवासी पार्टी को मजबूत बनाने के लिए प्रभाकर के नेतृत्व में झारखंड प्रदेश का दौरा किया जाएगा.

4. भारत आदिवासी पार्टी सभी सीटों पर तैयारी चल रही है राजनीतिक वातावरण को देखते हुए उम्मीदवार की घोषणा की जाएगी.

इस संवाददाता सम्मलेन मे रांची जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र लिंडा राज्य प्रभारी बबिता कच्छप प्रदेश अध्यक्ष प्रेम शाही मुंडा, कार्यकारी अध्यक्ष अजय कच्छप,महासचिव कृष्णा हांसदा कुंदरसी मुंडा,जागरे उरांव,महिला मोर्चा जागरे उरांव अध्यक्ष अभय भुट कुंवर,मरियणूस तिग्गा, रामआशीष करमाली, सेलीना लकड़ा, प्रकाश मुंडा,बाहा लिंडा,यदि शामिल हुए.

राजकीय पोलिटेकनिक, सिमडेगा
(उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, झारखण्ड सरकार)
(झारखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय राँची से सम्बद्ध एवं अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद से मान्यता प्राप्त)
खरवाटोली, सिमडेगा-835229, झारखण्ड
दूरभाष : 06525299947 Fax : 06525299946 ई–मेल : gpsimdega@gmail.com
वेबसाइट : gpsimdega.edu.in

पत्रांकः–सिमडेगा / दिनांक : 25/09/2024

निविदा आमंत्रण सूचना

राजकीय पोलिटेकनिक, सिमडेगा के पुस्तकालय मेंपाठ्य पुस्तकों की आपूर्ति के लिएनिविदाएँ आमंत्रित की जातीहैं ।

क्र0 सं0	विवरण	प्राक्कलित राशि (रूपए में)	निविदा प्रपत्र शुल्क (रूपए में)	अग्रधन की राशि (रूपए में)	आपूर्ति पूर्ण करने की अवधि	शुल्क भुगतान संबंधित बैंक विवरणी
1	पाठ्य पुस्तकों की आपूर्ति	05 लाख	500.00	5000.00 (डिमांड ड्राफ्ट)	30 दिन	**Government Polytechnic, Simdega** SBI A/C – 37789397709 IFSC Code – SBIN0001091

निविदाकर्ता पाठ्य पुस्तकों से संबंधित BOQ तथा आपूर्ति से संबंधित शर्तें संस्थान के कार्यालय से दिनांक 28.09.2024से 15.10.2024 तक प्राप्त कर सकते हैं अथवासंस्थान की वेबसाइट www.gpsimdega.ac.in से download कर सकते हैं। सीलबंद निविदाएँ संस्थान कार्यालय में दिनांक 14.11.2024 शाम 05:00 बजे तक ही स्वीकार की जायेंगी। विलम्ब से प्राप्त निविदाएँ स्वीकार नही करते हुए निरस्त कर दी जायेंगी। डाक में होनेवाले विलंब के लिए संस्थान उत्तरदायी नहीं होगा । सीलबंद निविदा दिनांक 21.11.2024 को 11:00 बजेपूर्वाह्न प्राचार्य कक्ष में खोली जायेगी। निविदा से संबंधित सूचना www.gpsimdega.ac.in पर देखी जा सकती है ।

प्रभारी प्राचार्य
राजकीय पोलिटेकनिक, सिमडेगा

PR 337360 Simdega (24-25)_D

सम्पादकीय

कोयलांचल संवाद 4

रांची, शनिवार, 28 सितंबर, 2024

www.koylanchalsamvad.com

सुसाइड कैप्सूलः आत्महत्या या इच्छा मृत्यु की वैधानिक सुविधा

हाल ही में स्विट्जरलैंड में सुसाइड कैप्सूल के माध्यम से आत्महत्या ने पूरी दुनिया में एक गहरा विवाद खड़ा कर दिया है। इस कैप्सूल का निर्माण नीदरलैंड्स की कंपनी ने किया है। यह केप्सूल स्विट्जरलैंड के मरियानेज की बुडलेरी स्ट्रीट के पास स्थित है। एक 64 वर्षीय अमेरिकी महिला की इच्छा मृत्यु ने इस आत्महत्या और कैप्सूल को चर्चाओं में ला दिया है। क्या ऐसे उपकरणों का उपयोग मानवीय मूल्यों और नैतिकता के अनुकूल है। सुसाइड कैप्सूल एक उन्नत तकनीकी उपकरण है। जिसमें इच्छामृत्यु की इच्छा करने वाला व्यक्ति स्वेच्छा से कैप्सूल के भीतर बैठ जाता है। दरवाजा बंद कर एक बटन दबाते ही कुछ मिनटों के भीतर कैप्सूल में नाइट्रोजन गैस फैल जाती है। जिससे व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है। इस तरह से मृत्यु बिना किसी दर्द या पीड़ा के होती है। इसे इस तरह से डिजाइन किया गया है। जो जल्द और शांतिपूर्ण ढंग से जीवन को समाप्त कर देता है। अमेरिकी मे महिला की मृत्यु के बाद स्विट्जरलैंड की पुलिस ने कई लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस का दावा है, कंपनी के कुछ अधिकारियों और सेवा से जुड़े व्यक्तियों ने महिला को शांतिपूर्ण ढंग से आत्महत्या के लिए प्रेरित किया था। इस घटना के बाद नैतिकता,कानून,और चिकित्सा क्षेत्र में इच्छा मृत्यु को लेकर गहरी बहस छिड़ गई है। स्विट्जरलैंड में इच्छामृत्यु को कानूनी मान्यता प्राप्त है। परंतु इस मामले ने एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। दुनिया के अधिकांश देशों में इसे वैध नहीं माना है। विशेषज्ञों का कहना है, ऐसे उपकरणों के प्रयोग के लिए कठोर कानूनी और नैतिक दिशा निर्देश आवश्यक हैं। जीवन समाप्त करने का यह माध्यम उन मरीजों के लिए सहायक हो सकता है। जो गंभीर पीड़ा और लाइलाज बीमारियों से जूझ रहे हैं। स्विट्जरलैंड की इस घटना ने पूरे विश्व में इच्छा मृत्यु को लेकर नई बहस को जन्म दिया है। कुछ लोग इसे मानवीय और चिकित्सा दृष्टि से उचित ठहराते हैं। वहीं दूसरी ओर इसे अनैतिक और गैरकानूनी मानते हैं। सरकारों और चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े जिम्मेदरों को इस विषय पर स्पष्टता से समग्र निर्णय लेने की आवश्यकता है। पिछले 4 दशक मे चिकित्सा के क्षेत्र में व्यवसायिकता देखने को मिल रही है। कृत्रिम उपचार के माध्यम से किसी तरह से बीमार व्यक्ति को लंबे समय तक जिंदा रखा जाता है। इस प्रक्रिया में उसे शारीरिक और मानसिक कष्ट से गुजारा जाता है। किसी भी दृष्टि से उसे जीवित रखा जाता है। चार दशक पहले चिकित्सक इस तरह के मामले में स्वाभाविक प्रक्रिया के तहत मरीज को प्राकृतिक तरीके से देखरेख और उपचार करके उसे जिंदा रखने की कोशिश करते थे। शारीरिक संरचना में जब मरीज भोजन करने में असमर्थ हो जाए, औषधि का उसके ऊपर असर खत्म हो जाए, बीमारी से निजात पाने की कोई संभावना न हो। ऐसी स्थिति में प्राकृतिक मृत्यु की क्रिया से गुजरा जाता था। इसमें शरीर को असाध्य कष्ट नहीं होता था। पिछले 4 दशकों में जो उपकरण चिकित्सा के क्षेत्र में उपयोग में लाये जा रहे हैं। कुछ ऐसी औषधि हैं जो शरीर के किसी एक अंग को लंबे समय तक जिंदा रख पाती है। उसके सहारे मरीज को शारीरिक और मानसिक कष्ट से अस्पतालों में गुजरा जाता है। मरीज के परिवार जनों से इलाज के नाम पर काफी पैसा अस्पतालों द्वारा कमाई की जाती है। भारत जैसे देश में साधु-संतों और जैन धर्म के लोगों में समाधि और संलेखना के माध्यम से इच्छा मृत्यु का चलन है। इस तरह की इच्छा मृत्यु से बाहरी शारीरिक कष्ट नही होता है। शारीरिक रूप से जो शरीर ग्रहण कर सकता है। उसको लेते हुए वह धीरे-धीरे शरीर को निष्क्रीय करते हुए स्वाभाविक मृत्यु का वरण करता है। भारत में स्वाभाविक प्राकृतिक मौत की यह प्रक्रिया घर-घर में प्रचलित थीएँ जब भी कोई असाध्याय बीमारी से ग्रसित होता था, उम्र पूरी हो जाने के बाद जब शारीरिक अंग कमजोर हो जाते थे। तब स्वाभाविक रूप से बिना किसी कष्ट के मृत्यु के वरण करने का तरीका भारत में विकसित था। पिछले कुछ वर्षों में चिकित्सा के क्षेत्र में जो लूट देखने को मिल रही है। उपकरणों की सहायता से मरीज को असाध्य कष्ट पहुंचाते हुए कृत्रिम रूप से लंबे समय तक जिंदा रखने की कोशिश की जाती है। वह पूरी तरह से अब अव्यवहारिक, क्रूर एवं अप्राकृतिक है। सुसाइड कैप्सूल समस्याओं को और बढ़ाएगा। हताश लोगों को आसानी से मृत्यु का एक माध्यम मिल जाएगा।

हिंदी में विज्ञान - संचार की जरुरत

विज्ञान का अर्थ है विशेष ज्ञान। हम प्रकृति में उपस्थित विभिन्न वस्तुओं की प्रकृति और उनके व्यवहार ,गुण आदि के बारे में अध्ययन करते हैं उसी को ही विज्ञान कहते है। आज विज्ञान मनुष्य के जीवन का एक अंग बन गया है। विज्ञान के लाभ के साथ-साथ कुछ हानियां भी हैं, जिससे पर्यावरण प्रभावित होता है। विज्ञान ने आज हमारा जीवन अधिक आसान और आरामदायक बना दिया है। राज भाषा के रूप में हिंदी न सिर्फ भारत की पहचान है, बल्कि हमारे जीवन मूल्यों, संस्कृति और संस्कारों की सच्ची संवाहक, संप्रेषक और परिचायक भी है। बहुत सरल, सहज और सुगम भाषा होने के साथ हिंदी विश्व की संभवतः सबसे वैज्ञानिक भाषा है, जिसे दुनिया भर में समझने, बोलने और चाहने वाले लोग बहुत बड़ी संख्या में मौजूद हैं। यह विश्व में तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है, जो हमारे पांरपरिक ज्ञान, प्राचीन सभ्यता और आधुनिक प्रगति के बीच एक सेतु भी है। हिंदी भारत संघ की राजभाषा होने के साथ ही ग्यारह राज्यों और तीन संघ शासित क्षेत्रों की भी प्रमुख राजभाषा है। संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल अन्य इक्कीस भाषाओं के साथ हिंदी का एक विशेष स्थान है। आज देश में तकनीकी और आर्थिक समृद्धि के साथ-साथ अंग्रेजी पूरे देश पर हावी होती जा रही है। देश की राजभाषा हिंदी होने के बावजूद आज हर जगह अंग्रेजी का वर्चस्व कायम है। हिंदी जानते हुए भी लोग हिंदी में बोलने, पढ़ने या काम करने में हिचकने लगे हैं। इसलिए भारत सरकार का प्रयास है कि हिंदी के प्रचलन के लिए उचित माहौल तैयार किया जा सके। राजभाषा हिंदी के विकास के लिए खासतौर से भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अंतर्गत राजभाषा विभाग का गठन किया गया । भारत सरकार का राजभाषा विभाग इस दिशा में प्रयासरत है कि केंद्र सरकार के अधीन कार्यालयों में अधिक से अधिक कार्य हिंदी में हो। हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद भी इसी दिशा में काफी अच्छा काम, विज्ञान को हिंदी में वैज्ञानिक पत्रिका द्वारा निरंतर प्रयासरत है हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद की प्रमुख पत्रिका का नाम भी स्व रामधारी सिंह दिनकर द्वारा दिया गया था जिसके 56 वर्षो में करीब 250से अधिक अंक निकल चुके हैं जिसमें अधिकतर अंको का संपादन देश के जाने माने विज्ञान संचारक व लेखक डॉ गोविन्द प्रसाद कोठियाल जी द्वारा किया गया बहुत से अंक विज्ञान की विशेषता हेतु विशेषाँक के रूप में निकाले गए हैं विज्ञान का अर्थ है विशेष ज्ञान। मनुष्य ने अपनी आवश्यकताओं के लिए जो नए-नए आविष्कार किए हैं, वे सब विज्ञान की ही देन हैं। आज का युग विज्ञान का युग है। विज्ञान के अनगिनत आविष्कारों के कारण मनुष्य का जीवन पहले से अधिक आरामदायक हो गया है इसे हिंदी में लिखना आज के दौड़ में काफी कठिन हो गया है लेकिन वैज्ञानिक पत्रिका के प्रयासों व अन्य पत्रिका के कारण जनहित में हिंदी में विज्ञान संचार वैज्ञानिक व शिक्षकों द्वारा किया जाना एक वैज्ञानिक चुनौती के रूप में उभरा है हिंदी में विज्ञान को ढालना व बच्चों को समझाना एक दुष्कर कार्य है वैज्ञानिक पत्रिका साल में 4अंक हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद द्वारा निकाली जा रही है जिसके अंक को शुभकामनायें तत्कालीन विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तत्कालीन सचिव द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के अंक में दि जो हिंदी विज्ञान के लिए शुभ है आज उसी को गाँव शहरों हर जगह हिंदी में विज्ञान का संचार करना आवश्यक है वैज्ञानिक के वर्तमान मुख्य संपादक श्री राजेश कुमार मिश्र जो जागृति समिति, अनुशक्तिनगर के उपाध्यक्ष है निरंतर प्रयासरत है जो निश्चित रूप से हिंदी में विज्ञान संचार का अमूल्य कार्य कर रहें हैं वैज्ञानिक' द्वारा पाठकों में हिन्दी में वैज्ञानिक जागरूकता पैदा की जाती है जिसमें विज्ञान के बुनियादी सिद्धांतों को समझाया जाता है ताकि लेख के स्तर पर पाठक अपने ज्ञान व क्षमता में वृद्धि कर सके इस, संपादकीय बोर्ड के सदस्य सर्वश्री, राजेश कुमार, केके वर्मा, डॉ संजय कुमार पाठक व वैज्ञानिक के व्यवस्थापक ,सर्वश्री श्री नवीन त्रिपाठी, बीएन मिश्र, अनिल अहिरवार, प्रकाश कश्यप, बधाई के पात्र हैं. अतः हिंदी में विज्ञान का संचार आज की आवश्यकता को पूर्ण करने के लिए सभी हिंदी विज्ञान की पत्रिका के अधिकारी बधाई के पात्र है जो अंधेरा में अंधविश्वास को दूर कर विज्ञान के सिद्धांत पर आधारित कार्यों का सही विवरण व शोध लेख के माध्यम से प्रदान करते हैं. सामंजस्यपूर्ण विज्ञान-कला संतुलन बनाना हेतु विज्ञान संचार वैज्ञानिक व शोध की जानकारी के रूप में उभरता है, जो कला के माध्यम से विज्ञान संचार और वैज्ञानिक प्रभाव के बीच व्यापक संबंधों को बढ़ावा देता है।

श्री गुरु गोबिन्द सिंहजी से प्रेरणा लें

> "औरंगजेब ने गुरु जी को पत्र लिखा किइ वे दुर्ग छोड़ दुंए उन्हें कोई हानि नहीं पहुँचाई जाएगी। गुरु जी ने किला छोड़ दिया पर शत्रु सेना ने विश्वासघात किया। उसने गुरु जी पर आक्रमण कर दिया। गुरु जी को काफी हानि उठानी पड़ी।चमकौर का युद्ध तथा चारों पुत्रों का बलिदान- मुगल सेना से लड़ते-लड़ते गुरु जी चमकौर जा पहुंचे। वहाँ उन्होंने अपने एक जाट शिष्य की हवेली को ही किला बना लिया। चमकौर के युद्ध में गुरु जी के दोनों बड़े साहिबजादे, अजीत सिंह और जुझार सिंह शत्रुओं से लोहा लेते हुए वीरगति को प्राप्त हुए।"

संजय गोस्वामी

संत श्री गुरु गोबिन्द सिंहजी से आज के व्यक्ति प्रेरणा लें क्योंकि आज सभी अपने अपने के स्वार्थ में लगे हैं और सिखों पर विदेश में नेता प्रतिपक्ष गलत बयान देते जो उनके जाने बगैर ही भ्रामकता आ जाती है हमें गुरु से सीखना चाहिए मैं गलत हो सकता हूँ पर गुरु नहीं जैसा सभी को मालूम है श्री गुरूगोबिंद सिंहजी भारत के महान संत और योद्धा दोनों थे वे सभी के प्रति दया के सागर थे क्योंकि जब चमकोर की लड़ाई में मात्र 40 सिख वजीर खान के 10लाख सैनिकों से लड़ रहें थे तब गुरूजी ने पांच पांच की टुकड़ी बनाई और जब उनका पुत्र साहिब अजित सिंह दुश्मन से लड़ने जा रहें थे तभी एक सेवादार ने कहा कि गुरूजी ऐ आपका पुत्र है इसे ना भेजें तभी श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी ने कहा क्या आप सब मेरे अपने नहीं हो, गुरू गोबिंद सिंह सिक्खों के दसवें गुरु थे। वे एक महान् शूरवीर और तेजस्वी थे। उन्होंने मुगलों के अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाई थी और ' सत श्री अकाल ' का नारा दिया था। उन्होंने कायरों को वीर और वीरों को सिंह बना दिया था। काल का अवतार बनकर उन्होंने शत्रुओं के छक्के छुड़ा दिए थे। इस तरह उन्होंने धर्म, जाति और राष्ट्र को नया जीवन दिया था।गुरु जी का जन्म- गुरु गोबिन्द सिंह जी का जन्म 22 दिसम्बर, सन् 1666 ई० को पटना में हुआ। इनका बचपन का नाम गोबिन्द राय रखा गया। इनके पिता नौवें गुरु श्री तेरा बहादुर जी कुछ समय बाद पंजाब लौट आए थे। परन्तु यह अपनी माता गुजरी जी के साथ आठ साल तक पटना में ही रहे। तीव्र बुद्धि- गोबिन्द राय बचपन से ही स्वाभिमानी और शूरवीर थे। घुड़सवारी करना, हथियार चलाना, साथियों की दो टोलियां बनाकर युद्ध करना तथा शत्रु को जीतने के खेल खेलते थे। वे खेल में अपने साथियों का नेतृत्व करते थे। उनकी बुद्धि बहुत तेज थी। उन्होंने आसानी से हिन्दी, संस्कृत और फारसी भाषा का अच्छा ज्ञान प्राप्त कर लिया था। को बलिदान के लिए प्रेरित करना- उन दिनों औरंगजेब के अत्याचार जोरों पर थे। वह तलवार के जोर से हिन्दुओं को मुसलमान बना रहा था। कश्मीर में भी हिन्दुओं को जबरदस्ती मुसलमान बनाया जा रहा था। भयभीत कश्मीरी ब्राह्मण गुरु तेग बहादुर जी के पास आए। उन्होंने गुरु जी से हिन्दु धर्म की रक्षा के लिए प्रार्थना की। गुरु तेग बहादुर जी ने कहा कि इस समय किसी महापुरुष के बलिदान की आवश्यकता है। पास बैठे बालक गोबिन्द राय ने कहा-पिता जी, आप से बढ़कर महापुरुष और कौन हो सकता है।" तब गुरु तेग बहादुर जी ने- बलिदान देने का निश्चय कर लिया। वे हिन्दू धर्म की रक्षा के लिए दिल्ली पहुँच गए और वहाँ धर्म की रक्षा के लिए अपना बलिदान दे दिया और गुरु तेग बहादुर जी को उनके शहीदी पर उन्हें हिन्द का चादर भी कहा जाता है क्योंकि वे कश्मिरी पंडीतों की रक्षा यानि हिन्दू धर्म की रक्षा के लिए बलिदान दिया और उनके साथ दो अन्य शिष्यों ने भी बलिदान दिया जो सचमुच जुल्म के खिलाफ एक मिशाल कायम की। पिता जी की शहीदी के बाद धर्म की रक्षाके लिए गोबिन्द राय 11 नवम्बर, 1675 ई० को गुरु गद्दी पर बैठे। उन्होंने औरंगजेब के अत्याचारों के विरुद्ध आवाज उठाई और हिन्दू धर्म की रक्षा का बीड़ा उठाया। उन्होंने गुरु परम्परा को बदल दिया। अब वे मसन्दों और अपने सेवकों से राजाओं की साज-सज्जा और युद्ध के सामान भेंट में लेने लगे। वे अपने शिष्यों को सैनिक-शिक्षा देते थे।खालसा पंथ की स्थापना- सन् 1699 में वैशाखी के दिन गुरु गोबिन्द राय जी ने आनन्दपुर साहिब में दरबार सजाया। भरी सभा में उन्होंने बलिदान के लिए पाँच सिरों की मांग की। गुरु की यह माँग सुनकर सारी सभा में सन्नाटा छा गया। फिर एक-एक करके पाँच व्यक्ति अपना बलिदान देने के लिए आगे आए। गुरु जी एक-एक करके उन्हें तम्बू में ले जाते रहे। इस प्रकार उन्होंने पाँच प्यारों का चुनाव किया। फिर उन्हें अमृत छकाया और .स्वयं भी उनसे अमृत छका। इस तरह उन्होंने अन्याय और अत्याचार का विरोध करने के लिए खालसा पंथ की स्थापना की। उन्होंने अपना नाम गोबिंद राय से गोबिन्द सिंह रख लिया।पहाड़ी राजाओं से युद्ध- गुरु जी की बढ़ती हुई सैनिक शक्ति को देखकर कई पहाड़ी राजे उनके शत्रु बन गए। पाऊंटा दुर्ग के पास भंगानी के स्थान पर फतेह शाह ने गुरु जी पर आक्रमण कर दिया। सिक्ख बड़ी वीरता से लड़े। अन्त में गुरु जी विजयी रहै।नादौन का युद्ध- जम्पू के सूबेदार मियाँ खाँ ने अपने सेनापति आलिफ खां को पहाड़ी राजा भीमचन्द से कर (टैक्स) लेने के लिए भेजा,कर देने से इकार करने पर आलिफ खाँ ने भीमचन्द पर हमला कर दिया। गुरु जी भीमचन्द की सहायता के लिए पहुंचे। आलिफ खां युद्ध में मारा गया। इसे नादौन का युद्ध कहते हैं आनन्दपुर छोड़ना- औरंगजेब ने गुरु जी की शक्ति समाप्त करने का निश्चय किया। उन्हें लाहौर और सरहिन्द के सूबेदारों को गुरु जी पर आक्रमण करने का हुक्म दिया। पहाड़ी राजा मुगलों के साथ मिल गए, उन सबने कई महीनों तक आनन्दपुर को घेरे रखा। सिक्ख इस लड़ाई से तंग आ चुके थे। औरंगजेब ने गुरु जी को पत्र लिखा किइ वे दुर्ग छोड़ दुंए उन्हें कोई हानि नहीं पहुँचाई जाएगी। गुरु जी ने किला छोड़ दिया पर शत्रु सेना ने विश्वासघात किया। उसने गुरु जी पर आक्रमण कर दिया। गुरु जी को काफी हानि उठानी पड़ी।चमकौर का युद्ध तथा चारों पुत्रों का बलिदान- मुगल सेना से लड़ते-लड़ते गुरु जी चमकौर जा पहुंचे। वहाँ उन्होंने अपने एक जाट शिष्य की हवेली को ही किला बना लिया। चमकौर के युद्ध में गुरु जी के दोनों बड़े साहिबजादे, अजीत सिंह और जुझार सिंह शत्रुओं से लोहा लेते हुए वीरगति को प्राप्त हुए। उनके दोनों छोटे साहिबजादा जोरोतर सिंह उस समय जब उनके पुत्र चमकौर के युद्ध में आंधी तुफान व तेज बारिश में नदी पार नहीं कर पाए और फतेह सिंह को सरहिन्द के सूबेदार ने पकड़ कर जीवित ही दीवार में चिनवा दिया।"गुरु गोविंद सिंह जी ने सभी को मानव की सेवा करने का उपदेश दिया जिसका एकमात्र लक्ष्य है सत्य की राह पर चलना व मानव जीवन में दुःख को दुर करना इसलिए उन्होंने कहा है कि सत्य को स्वीकार कर अपने जीवन में हमेशा मानवता की सेवा को समर्पित किया जाए असत्य के रास्ते लालच व मोह के कारण क्रोध कर न किसी को डराने-धमकाने का काम करना चाहिए न ही किसी सही मनुष्य को अपने सत्यता को लेकर डरना चाहिए उन्होंने सभी धर्मों को सच्चा माना व ईश्वर एक है और उसमें रमने से नहीं बल्कि अच्छे कर्म करें सेवा की भावना रखते हुए सभी समाज के अंदर सत्य को जानने की कोशिश करें व अपनाने का संकल्प लें।

बदलती लाइफ स्टाइल से नींद की कमी एक बड़ी चुनौती

> "मैंने अब तक बहुत से चिकित्सकों से परामर्श लिया है, उन्होंने जिम जाने की बजाय योग, व्यायाम को सही बताया है। जबकि जिम जाने के अनेकों साइड इफेक्ट हैं। अतः सबसे पहले अपनी दिनचर्या में परिवर्तन करते हुए रात में जल्दी सो जाएं रात सोने के लिए ही बनाई गई है, सुबह सूरज उगने से पहले उठ जाएं, सुबह योग, व्यायाम करने के बाद जल्दी नहाकर फ्रेश हो जाएं..उगते हुए सूरज को देखिए, सुबह चिड़ियों को देखिए, डिप्रेशन से आप पूर्णतः विजयी तो नहीं होंगे फ़िर भी आप आगे के लिए खुद को बेहतर कर पाएंगे। जब आपका मूड फ़्रेश होगा तो आप कुछ भी हासिल कर सकते हैं। जो अच्छा लगे वो कीजिए। समाने वाला जो करता है वही मुझे करना है इस धारणा से खुद को बचाकर रखिए..।"

दिलीप कुमार पाठक

स्वस्थ शरीर के लिए विशेषज्ञ स्लीप साइकल को ठीक रखने पर विशेष जोर देते हैं, इसमें सोने-जागने के निर्धारित समय और नींद की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी जाती है नींद की गुणवत्ता का संपूर्ण स्वास्थ्य पर असर देखा जा सकता है। तमाम अध्ययनों में पाया गया है कि जिन लोगों की नींद पूरी नहीं होती है, उनमें कई प्रकार की गंभीर बीमारियों के विकसित होने का जोखिम अधिक होता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं नींद की गुणवत्ता के साथ इसकी अवधि का ख्याल रखना भी बहुत आवश्यक है, अक्सर लोगों की स्लीप साइकल में एक बड़ी समस्या देखी गई है, कई लोगों को रात में देर तक जगने की आदत होती है। यह आदत भले ही सामान्य लगती हो, पर सेहत पर इसके कई प्रकार से नकारात्मक असर हो सकते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सभी लोगों को रात में 6-8 घंटे की नींद लेने की सलाह दी जाती है। इसके लिए रात में 10 से सुबह 6 बजे तक सोने के समय को सबसे गुणवत्तापूर्ण नींद वाला माना जाता है, हालांकि अक्सर देखने को मिलता है कि अधिकतर लोग रात में 12-1 बजे सोते हैं। यह आदत आपकी स्लीप साइकल को बिगाड़ देती है, जिससे नींद पूरी न होने के कारण कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं के विकसित होने का खतरा हो सकता है। देर से सोने वाले लोगों में स्वाभाविक रूप से सुबह देर से उठने की भी आदत होती है, इस कारण से अक्सर ऐसे लोगों के लिए सुबह के समय व्यायाम कर पाना कठिन हो जाता है। हेल्थ प्रमोशन एंड क्रॉनिक डिजीज प्रिवेंशन जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि देर से सोने वाले लोगों में अन्य लोगों की तुलना में गतिहीन जीवनशैली की समस्याएं भी अधिक देखने को मिलती हैं, जिसका संपूर्ण सेहत पर बहुत नकारात्मक असर हो सकता है। आजकल नींद की कमी से परेशानियां बहुत आम हो गई हैं। ख़ासकर युवाओं में डिप्रेशन अवसाद की बीमारियां डेरा जमा चुकी हैं। देश में युवाओं का एक बड़ा वर्ग अवसाद से ज्यादा परेशान है। जिन्हें इसकी समस्या होती है, ऐसे लोग अपनी तरह की दुनिया बना लेते हैं..। हमारे आसपास के लोग समझ नहीं पाते..। मेरा मानना है पहले आप अपनी जरूरतें पूरी करिए फ़िर आप ज़माने के लिए सोचिए जब आपके अंदर ही एक कोलाहल है तो आप दुनिया के लिए क्या ही लड़ पाएंगे! मुझे सम्बन्धित व्यक्ति के बारे में ज़्यादा पता नहीं है लेकिन इस उम्र में डिप्रेशन का कारण ज्यादातर भविष्य की चिंता ही होती है। सबसे पहले आप खुद को स्थायित्व दीजिए बाद में ज़माने के लिए सोचिए। अभी कुछ दिनों पहले पढ़ा इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज ग्राहम थोर्प ने डिप्रेशन की वज़ह से आत्महत्या कर ली। भला इंग्लैंड के इतने बड़े क्रिकेटर को ऐसी क्या समस्या थी कि उन्होंने खुद को ऐसे खत्म कर दिया?? जाहिर है अंदर एक कोलाहल रहा होगा जो उन्हें अपने साथ ले गया..। वैसे भी पैसे ज़रूरतों से ज़्यादा मानसिक सुकून बहुत आवश्यक है।

मैंने बहुत सालों से अनुभव किया है, हमारे समाज में या दुनिया में जिस तरह की लाइफस्टाइल को लेकर आकर्षण है, मुझे लगता है कुछ सालों बाद आधी दुनिया अवसाद में होगी। आज हर तीसरा आदमी अपनी टेंशन में डूबा हुआ है। एक-दूसरे से आगे निकलने की जद्दोजहद, असीमित सामाजिक दबाव...अवसाद के कई कारण होते हैं, लेकिन नींद की कमी भी एक महत्वपूर्ण कारण है। अब आधी दुनिया रात में सोती नहीं है, जबकि बहुत आवश्यक हो तो हो देर रात जागना चाहिए। वैसे भी नींद का जीवन में अपना एक महत्त्व होता है, इसके दुष्प्रभाव जल्दी पहिचान में नहीं आते, बल्कि धीरे-धीरे नींद की कमी गम्भीर समस्या बन जाती है ; और आज आधी से ज़्यादा युवाओं की आबादी इसकी गिरफ़्त में है। अब तो देर रात तक जगने का फैशन बन चुका है। रात में जागने के बाद जिम जाकर शरीर फुलाने से क्या हासिल होता है?? योग व्यायाम की जगह जिम करने की अंधी दौड़ भी युवाओ को परेशानी में डाल रही है। सेहत को लेकर ऐसी लापरवाही कई बीमारियों को जन्म देती हैं स्वस्थ रहने के लिए कम से कम 7-8 घंटे की नींद सोना चाहिए। इससे कम सोने वाले लोगों को मोटापा, चिड़चिड़ापन, सिरदर्द आदि की समस्याओं से जूझना पड़ता है अगर आप भी ये गलती करते हैं, तो आपको बता दें कि आप अपनी सेहत के साथ कितना बड़ा खिलवाड़ कर रहे हैं। पर्याप्त नींद नहीं लेने से आयु कम होती है। दक्षिण कोरिया में 16 सालों तक किए गए एक शोध के अनुसार जो लोग रात में ज्यादा देर जागना पसंद करते थे, उन्हें कम उम्र में ही अपनी जान से हाथ गंवाना पड़ा। जो लोग रात में ज्यादा देर तक जागते हैं, उन्हें मेमोरी लॉस, डिसीजन मेकिंग आदि में समस्या का सामना करना पड़ता है। देर से सोने वाले लोगों में मूड स्विंग भी देखे जा सकते हैं।

मैंने अब तक बहुत से चिकित्सकों से परामर्श लिया है, उन्होंने जिम जाने की बजाय योग, व्यायाम को सही बताया है। जबकि जिम जाने के अनेकों साइड इफेक्ट हैं। अतः सबसे पहले अपनी दिनचर्या में परिवर्तन करते हुए रात में जल्दी सो जाएं रात सोने के लिए ही बनाई गई है, सुबह सूरज उगने से पहले उठ जाएं, सुबह योग, व्यायाम करने के बाद जल्दी नहाकर फ्रेश हो जाएं.. उगते हुए सूरज को देखिए, सुबह चिड़ियों को देखिए, डिप्रेशन से आप पूर्णतः विजयी तो नहीं होंगे फ़िर भी आप आगे के लिए खुद को बेहतर कर पाएंगे। जब आपका मूड फ़्रेश होगा तो आप कुछ भी हासिल कर सकते हैं। जो अच्छा लगे वो कीजिए। समाने वाला जो करता है वही मुझे करना है इस धारणा से खुद को बचाकर रखिए..। अगर ये रात में अनावश्यक जागने का फैशन ट्रेंड में रहा तो देखिएगा दुनिया की आधी आबादी स्वास्थ्य सम्बन्धी परेशानियों से घिरी होगी। और यह समस्या बड़ी विकराल होगी...नींद की कमी से भी अवसाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। अपने घर परिवार आसपास लोगों को बताइए नींद का महत्त्व समझाएं, मैं ऐसे कितने लोगों को जानता हूँ जो रात में अनावश्यक जगते रहते थे, मेरे समझाने के बाद जल्दी सोने लगे हैं, योग, व्यायाम को तरजीह देने लगे हैं। हालांकि कईयों के अवसाद का कारण आंतरिक समस्याएं भी हो सकती हैं, अतः आप चिकित्सकों का मार्गदर्शन लें।

शुचिता का जांच एजेंसियों पर सरकारी 'ठप्पा' क्यों...?

ओमप्रकाश मेहता

आज देश की प्रमुख जांच एजेंसियाँ केंद्रीय जांच ब्यूरों (सीबीआई) और वित्तीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) सहित रक्षा इकाईयों पर यह एक सामान्य आरोप लगाा जा रहा है, ये सिर्फ दिखाने के लिए 'स्वतंत्र' है, जबकि इन पर पूरा नियंत्रण सरकार का है, इसीलिए यह सामान्य आरोप लगाया जाता है कि सरकारी वित्तीय घपलों की जांच निष्पक्षता के दायरें से बाहर ही रहती है, अब आज का मुख्य सवाल यह है कि इन प्रतिष्ठानों के नाम को 'स्वतंत्र' के साथ जोड़ा गया है, तो इन्हें 'स्वतंत्रता' व न्यायपूर्ण काम क्यों नही करने दिया जाता। पिछले दिनों दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की शराब काण्ड में जमानत पर सर्वोच्च न्यायालय ने जो सरकारी जांच एजेंसियों को लेकर सख्त टिप्पणियां की, उन पर सरकार ने चाहे गौर न किया हो, किंतु देश के हर जागरूक और बुद्धिजीवी नागरिक ने काफी गंभीरता से लेकर उस पर मनन भी किया है और सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणियों को आज की सच्चाई से जोड़ा है। आज की एक बड़ी सच्चाई यह भी है कि आज देश को प्रजातंत्र के तीन अंगों में से सिर्फ और सिर्फ न्यायपालिका पर ही भरोसा शेष रहा है, विधायिका व कार्यपालिका के साथ ही चौथे कथित अंग खबर पालिका पर भी भरोसा शेष नही रहा। अब चूंकि पूरे देश को न्याय पालिका पर ही भरोसा रहा है और न्याय पालिका भी इस भरोसे को कायम रखने में जुटी है, तो फिर इन तथाकथित जांच एजेंसियों को सरकारी नियंत्रण से बाहर क्यों नही लाया जा रहा? यहाँ यह भी कटु सत्य है कि सरकार के अधिकांश 'दुष्कर्म' के मामलों की जांच का उत्तरदायित्व भी इन्हीं जांच एजेंसियों को सौंपा जाता है, जिन पर केन्द्र या राज्य में विराजित उन राजनेताओं का नियंत्रण रहता है जो स्वयं इन 'दुष्कर्मों' के सहभागी होते है, अब ऐसी स्थिति में तथाकथित इन स्वतंत्र जांच एजेंसियों से सही न्यायपूर्ण व संवैधानिक जांच की उम्मीद कैसे की जा सकती है, यही मुख्य कारण है कि प्रजातंत्र के किसी भी अंग को सही व उचित न्याय नही मिल पाता और देश के आम नागरिक की खून-पसीनें की कमाई का अधिकांश पैसा इन कथित भ्रष्ट सत्ताधीशों की जेबों में चला जाता है, यही मुख्य कारण है कि आज के युवा वर्ग में राजनीति के प्रति रूझान बढ़ता जा रहा है। ....और देश को सकी गाढ़ी कमाई राशि के घपले पर न्याय भी नही मिल पाता क्योंकि जांच एजेंसियाँ इन्हीं भ्रष्टाचारियों के कब्जे में रहती है और यही कारण है कि भ्रष्टाचार का 'महारोग' दिन दूनी-रात चौगुनी गति से महामारी का रूप ग्रहण करता जा रहा है। इसलिए आज की सबसे अहम् और पहली जरूरत इन सरकारी जांच एजेंसियों को सरकार के नियंत्रण से बाहर करने की है और इसके लिए तथाकथित रूप से ईमानदार प्रधानमंत्री जी को ही संसद में संविधान संशोधन प्रस्तुत कर इन 'स्वतंत्र' एजेंसियों पर से अपना नियंत्रण हटाना पड़ेगा। खासकर केंन्द्रीय गृहमंत्री से तो ऐसी अपेक्षा की ही जा सकती है? क्योंकि आज इन एजेंसियों की स्वायतता को लेकर हर तरफ से कई सवाल खड़े किए जा रहे है। क्या ही अच्छा हो, यदि मोदी सरकार इन स्वतंत्र जांच एजेंसियों की अब तक की भूमिकाओं, उनकी कार्यशैली व उनकी मजबूरियों की निष्पक्ष समीक्षा कर संसद के माध्यम से इन्हें और अधिक सक्षम व विश्वसनीय बनाने की दिशा में अहम् भूमिका का निर्वहन करें? क्योंकि आज इन जांच एजेंसियों में भी अमले की कमी से लेकर अन्य कई समस्याऐं है, जिनके कारण ये एजेसिंया त्वरित न्याय नही दे पा रही है। इसलिए इनका हर तरीके से पूर्णरूपेण न्यायोचित निरीक्षण कर इनके सुधार की दिशा में पहल की जानी चाहिए। यह भी देखा जाना चाहिए कि इन एजेंसियों पर कितने और कितनी लम्बी अवधि के लम्बित मामले पेंडिंग है और इनका न्यायपूर्ण निपटारा कैसे व कितनी कम समयावधि में हो सकता है? यदि केन्द्र सरकार व प्रधानमंत्री व्यक्तिगत दिलचस्पी लेकर इस देशहित के कार्य को सम्पन्न करें, तो उनकी लोकप्रियता में अभिवृद्धि ही होगी।

दिल्ली से आगरा का सफर अब पड़ेगा महंगा, 1 अक्टूबर से बढ़ जाएगा टोल टैक्स

ग्रेटर नोएडा से आगरा तक यमुना एक्सप्रेसवे पर एक अक्टूबर से टोल की नयी दरें लागू होंगी। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यीडा ने दोपहिया से लेकर बड़े वाहनों पर लगने वाले टोल में पांच से 12 फीसदी तक वृद्धि की है। नयी दरों के मुताबिक मोटरसाइकिल, तीन पहिया व ट्रैक्टर के लिए आगरा तक 247.5 रुपये टोल लगेगा। यीडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉक्टर अरुण वीर सिंह ने बताया कि गुरुवार को यमुना विकास प्राधिकरण की बोर्ड की बैठक के बाद यमुना एक्सप्रेसवे पर नयी टोल दरें लागू करने का फैसला किया गया। इससे पहले वर्ष 2021-22 में टोल की दरें बढ़ाई गई थीं। सिंह ने बताया कि टोल की नयी दरों के अनुसार, ग्रेटर नोएडा से आगरा तक के बीच चार पहिया, जीप, हल्के वाहन के लिए 486.75 रुपये, हल्के व्यावसायिक वाहन और छोटे वाहनों के लिए 759 रुपये, बस व ट्रक के लिए 1542.75 रुपये, भारी निर्माण कार्य की मशीनों के लिए 2186.25 रुपये और विशाल आकार के वाहन के लिए 3027.75 रुपये अदा करने होंगे।

स्पाइसजेट ने बकाया जीएसटी चुकाया, कर्मचारियों की सैलरी का भी भुगतान

कर्ज में डूबी विमान कंपनी स्पाइसजेट ने शुक्रवार को कहा कि उसने अपना माल एवं सेवा कर का पूरा बकाया चुका दिया है। स्पाइसजेट पर 145 करोड़ रुपये से अधिक का जीएसटी बकाया था। उसने पिछले सप्ताह पात्र संस्थागत नियोजन के जरिये 3,000 करोड़ रुपये जुटाए थे। कंपनी ने प्रेस रिलीज में कहा कि उसने पूरे बकाया जीएसटी का भुगतान कर दिया है। स्पाइजेट के 3,000 करोड़ रुपये जुटाने से संबंधित प्रारंभिक नियोजन दस्तावेज के अनुसार, एयरलाइन पर 15 सितंबर तक 145.1 करोड़ रुपये का जीएसटी बकाया था। विमान कंपनी 3,000 करोड़ रुपये की नई पूंजी प्राप्त करने के बाद कर्मचारियों के जुलाई और अगस्त के बकाया वेतन के साथ-साथ जून के लंबित वेतन का भी भुगतान कर दिया है।

चीन से विवाद...65 से बढ़ाकर 72 प्वाइंट्स पर पेट्रोलिंग करेगी सेना

नई दिल्ली (ईएमएस)। चीन के साथ सीमा विवाद के बीच भारत ने वास्तविक नियंत्रण रेखा पर पूर्वी लद्दाख में पेट्रोलिंग प्वाइंट बढ़ा दिए हैं। सेना अब 65 से बढ़ाकर 72 प्वाइंट्स पर पेट्रोलिंग करेगी। एक रिपोर्ट में आधिकारिक सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि विभिन्न स्थानों पर गश्त बढ़ा दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार कठिन मौसम की स्थिति और इलाके के बावजूद भारतीय सुरक्षा बल क्षेत्र पर अपना वर्चस्व सुनिश्चित कर रहे हैं। पीपी-04 और पीपी-65 के बीच भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच तनाव कम होने के बाद नए पेट्रोलिंग क्षेत्र की पहचान हुई है। हालांकि दोनों देशों के बीच बफर की मौजूदगी के कारण इन नए गश्ती बिंदुओं तक पहुंचना मुश्किल है, लेकिन सूत्रों ने कहा कि प्रभावी गश्त सुनिश्चित करने के लिए मार्ग बनाए गए हैं। 2013-14 से भारतीय और चीनी सेनाओं के बीच झड़पें और गतिरोध बढ़े हैं। 2020 में लद्दाख में गतिरोध के कारण हिंसक झड़पें हुईं। इसमें एक कर्नल सहित 20 भारतीय सैनिक शहीद हुए थे। रिपोर्ट के मुताबिक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि तब से सुरक्षा बलों को नई तकनीक, ड्रोन, बुनियादी ढांचे, बलों के बीच बेहतर समन्वय और वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम (वीवीपी) का उपयोग करके एलएसी के साथ सीमावर्ती गांवों के विकास के लिए केंद्र की हालिया पहल से बेहतर तरीके से सुसज्जित किया गया है।

कॉलोनी को पाकिस्तान कहने वाले जज श्रीशानंद पर हो सकती है कार्रवाई

नई दिल्ली,(ईएमएस)। कर्नाटक हाईकोर्ट के जस्टिस वी श्रीशानंद की विवादास्पद टिप्पणी के बाद उनकी मुश्किलें बढ़ सकती है। हाल ही में सुनवाई के दौरान जज श्रीशानंद ने बेंगलुरु की एक कॉलोनी को पाकिस्तान कहा था। इस टिप्पणी के बाद सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम ने उनके ट्रांसफर पर विचार करने का संकेत दिया है। कॉलेजियम में शामिल प्रमुख न्यायाधीशों, जिसमें चीफ जस्टिस डी. वाई. चंद्रचूड़, जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस ऋषिकेश रॉय ने इस मुद्दे पर गंभीरता से चर्चा की। कर्नाटक हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल ने 23 सितंबर को जस्टिस श्रीशानंद की टिप्पणियों को लेकर चिंता जताई थी, जिसके बाद कॉलेजियम ने ट्रांसफर करने पर विचार किया। जस्टिस श्रीशानंद के खिलाफ कॉलेजियम का सख्त रुख कई विवादित बयानों के कारण है। उन्होंने पहले भी कई बार विवादों को जन्म दिया है, जिसमें 6 जून को की गई लैंगिक भेदभाव वाली टिप्पणी। इसके अलावा, 28 अगस्त को उनकी पाकिस्तान वाली टिप्पणी के बाद सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया और सख्त नाराजगी जताई। 21 सितंबर को, जस्टिस श्रीशानंद ने खुली अदालत में बिना शर्त माफी मांगी और अपनी विवादास्पद टिप्पणी वापस ली। हालांकि, उनके खिलाफ कार्रवाई की संभावनाएं अभी भी बनी हुई हैं, जिससे उनकी स्थिति और जटिल हो सकती है।

वीरभद्र और सीएम सुक्खू की तकरार अगली पीढ़ी में भी बरकरार

शिमला,(ईएमएस)। हिमाचल प्रदेश में 2012 से वीरभद्र सिंह और सुक्खू के बीच की तकरार आज भी अगली पीढ़ी विशेषकर वीरभद्र के बेटे विक्रमादित्य सिंह और सीएम सुक्खू के बीच चल रही है। वीरभद्र सिंह के निधन को तीन साल हो चुके हैं, लेकिन उनकी विरासत आज भी राजनीतिक विवाद का कारण बनी हुई है। विक्रमादित्य सिंह, जो कैबिनेट मंत्री हैं, उनके बयान और फैसले सुक्खू सरकार के लिए मुश्किलें खड़ी कर रहे हैं। बता दें 2013 से 2017 तक वीरभद्र सिंह और सुक्खू के बीच जो तकरार थी, वह अब उनके बेटों के बीच भी नजर आ रही है। 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को बहुमत मिला, लेकिन वीरभद्र गुट और सुक्खू गुट में सीएम पद के लिए खींचतान हुई। प्रतिभा सिंह भी सीएम पद की रेस में थीं, लेकिन सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बाजी मारी। इसके बाद प्रतिभा ने संगठन के सदस्यों को सरकार में जगह नहीं मिलने पर आवाज उठाई और मीडिया में भी सवाल उठाए। जनवरी 2024 में अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में कांग्रेस हाईकमान ने जाने से इंकार कर दिया लेकिन विक्रमादित्य सिंह ने पार्टी के आदेश को दरकिनार कर इस समारोह में शामिल हुए। उनके इस कदम ने कांग्रेस को मुश्किल में डाल दिया, क्योंकि सवाल उठने लगे कि जब कांग्रेस इस समारोह से दूरी बना रही थी, तो विक्रमादित्य क्यों शामिल हुए। फरवरी में राज्यसभा चुनावों के दौरान कांग्रेस के छह विधायकों ने बगावत करते हुए बीजेपी को वोट दिया, जिससे सरकार पर संकट आ गया। विक्रमादित्य ने इस दौरान मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और अपनी सरकार पर सवाल खड़े कर दिए। इस दौरान उनके बीजेपी में जाने की भी अटकलें लगीं, लेकिन उन्होंने बाद में अपना इस्तीफा वापस ले लिया और सुक्खू कैबिनेट में बने रहे।

केंद्र सरकार ने स्टैंडिंग कमेटियों का गठन किया: कांग्रेस को 4 समितियों की अध्यक्षता मिली; राहुल गांधी डिफेंस कमेटी के मेंबर

नई दिल्ली: मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में साल 2024-25 के लिए 24 डिपार्टमेंटल पार्लियामेंट्री स्टैंडिंग कमेटी का गुरुवार देर रात गठन किया गया। हर समिति में राज्यसभा और लोकसभा दोनों के सदस्य शामिल हैं। कांग्रेस ने केंद्र सरकार से 6 स्टैंडिंग कमेटी की अध्यक्षता की मांगी थी, लेकिन उसे चार प्रमुख पैनलों की अध्यक्षता दी गई है। इसमें विदेश, शिक्षा, कृषि, ग्रामीण मामलों की समिति शामिल हैं। राहुल गांधी को रक्षा मामलों की समिति का सदस्य बनाया गया है। सोनिया गांधी का नाम किसी भी समिति में नहीं है। बीजेपी 11 समितियों की अध्यक्षता करेगी।

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे को संचार और आईटी समिति की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मंडी से भाजपा सांसद कंगना रनौत भी इस समिति की सदस्य बनाई गई हैं। टीएमसी और डीएमके के खाते में 2 -2 समितियों की अध्यक्षता आई है। जदयू, टीडीपी, एसपी, शिवसेना (एकनाथ), एनसीपी (अजित) को एक-एक समिति की अध्यक्षता दी गई है। हर डिपार्टमेंटल पार्लियामेंट्री स्टैंडिंग कमेटी में 31 मेंबर्स होते हैं, जिसमें से 21 लोकसभा से और

10 राज्यसभा से चुने जाते हैं। इन सभी कमेटी का कार्यकाल एक साल से ज्यादा नहीं होता है।

सरकार की पार्लियामेंट्री स्टैंडिंग कमेटी से जुड़े सवाल-जवाब...

सवालः सरकार की कुल कितनी डिपार्टमेंटल पार्लियामेंट्री स्टैंडिंग कमेटी हैं?

जवाबः भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों से जुड़ी कुल 24 डिपार्टमेंटल पार्लियामेंट्री स्टैंडिंग कमेटी हैं। ये कमेटी दो प्रकार की होती हैं - पहली- स्टैंडिंग कमेटी, दूसरी- एड हॉक कमेटी। एड हॉक कमेटी को कुछ विशेष कामकाज के लिए बनाया जाता है। एक बार जब वो काम पूरा हो जाता है तो कमेटी खत्म कर दी जाती है।

सवालः क्या लोकसभा-राज्यसभा में अलग-अलग कमेटी होती है?

जवाबः कुल 24 पार्लियामेंट्री स्टैंडिंग कमेटी को दो हिस्सों में बांटा गया है। 16 कमेटी लोकसभा में आती हैं, वहीं 8 कमेटी राज्यसभा के अंतर्गत संचालित होती हैं।

सवालः इन कमेटी में कितने मेंबर होते हैं?

जवाबः इनमें से हर कमेटी में 31 मेंबर्स होते हैं, जिसमें से 21 लोकसभा से और 10 राज्यसभा से चुने जाते हैं। इन सभी कमेटी का कार्यकाल एक साल से अधिक नहीं होता है।

सवालः कमेटी में सदस्यों का चयन कौन करता है?

जवाबः स्टैंडिंग कमेटी के सदस्यों को, जिन्हें सांसदों के पैनल के रूप में भी जाना जाता है। इन्हें सदन के अध्यक्ष की तरफ से नॉमिनेट किया जाता है। ये अध्यक्ष के निर्देश के अनुसार काम करते हैं।

सवालः कमेटी का कार्यकाल कितना होता है?

जवाबः संसद में कुल 50 संसदीय कमेटी होती हैं। इनमें 3 फाइनेंशियल कमेटीज, 24 डिपार्टमेंटल कमेटीज, 10 स्टैंडिंग कमेटीज और 3 एडहॉक कमेटीज का कार्यकाल 1 साल का होता है। 4 एडहॉक कमेटीज और 1 स्टैंडिंग कमेटी का कार्यकाल 5 साल का होता है। वहीं, 5 अन्य स्टैंडिंग कमेटीज का कार्यकाल फिक्स नहीं होता।

सवालः पार्लियामेंट्री कमेटी का क्या काम होता है?

जवाबः हर विभाग की कमेटी अलग होती है। उससे जुड़े मामलों में गड़बड़ी की जांच करना, नए सुझाव देना, नए नियम-कानून का ड्राफ्ट तैयार करना इन कमेटी का मुख्य काम है।

सवालः पार्लियामेंट्री कमेटी को ये अधिकार कहां से मिले?

जवाबः पॉर्लियामेंट्री स्टैंडिंग कमेटी में शामिल सांसदों (कमेटी सदस्य) को संविधान के तहत दो अधिकार मिलते हैं। पहला आर्टिकल 105 - यह सांसदों को किसी कामकाज में दखल देने का विशेष अधिकार देता है। जिसके तहत वे कमेटी में अपनी राय और सुझाव देते हैं। दूसरा आर्टिकल 118- यह संसद के कामकाज में नियम-कानून बनाने का अधिकार देता है।

हरियाणा कांग्रेस ने 13 बागियों को निकाला: अब तक 16 नेताओं पर कार्रवाई; इनमें से 8 निर्दलीय लड़ रहे, बाकी पार्टी उम्मीदवारों के विरोध में

बल्लभगढ़: हरियाणा विधानसभा चुनाव के बीच कांग्रेस ने बागी नेताओं पर बड़ी कार्रवाई की है। पार्टी ने 11 विधानसभाओं के 13 नेताओं को एक साथ निष्कासित कर दिया है। कारण बताया गया है कि ये सभी नेता अपने-अपने क्षेत्रों में पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल थे। बताया जा रहा है कि ये सभी नेता हरियाणा विधानसभा चुनाव में टिकट न मिलने और पार्टी की ओर से उनकी अनदेखी किए जाने से नाराज थे। इसलिए, कुछ नेता निर्दलीय ही कांग्रेस उम्मीदवार के सामने चुनावी मैदान में उतर गए थे, और कुछ नेता पार्टी उम्मीदवार को सपोर्ट नहीं कर रहे थे।

पार्टी से निकाले गए नेताओं में ये शामिल

पार्टी अध्यक्ष चौधरी उदयभान की सिफारिश पर 13 नेताओं को निष्कासित किया गया है। इनमें कलायत विधानसभा सीट से टिकट कटने से निर्दलीय चुनाव लड़ रही अनीता दुल, पानीपत ग्रामीण से विजय जैन, आरक्षित सीट गुहला से नरेश ढांडे, जींद से प्रदीप गिल, पुंडरी से सज्जन सिंह दुल और सुनीता बट्टन को 6 साल के लिए निकाला है। वहीं, आरक्षित विधानसभा सीट निलोखेरी से राजीव गोंदर और दयाल सिंह सिरोही, उचानां कलां से दिलबाग संडील, दादरी से अजीत फोगाट, भिवानी से अभिजीत सिंह, आरक्षित सीट बवानी खेड़ा से सतवीर रतेड़ा और पृथला विधानसभा से नीत मान को पार्टी से 6 सालों के लिए निष्कासित किया गया है।

इससे पहले गुरुवार को पार्टी ने फरीदाबाद की तिगांव विधानसभा से विधायक रहे ललित नागर को भी 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया। ललित नागर तिंगाव से टिकट मांग रहे थे, लेकिन पार्टी ने यशपाल नागर के बेटे रोहित नागर को टिकट दिया। इसके बाद ललित नागर बागी हो गए। वह तिगांव से ही निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। नागर के अलावा पार्टी अंबाला कैंट से निर्दलीय चुनावी मैदान में उतरीं चित्रा सरवारा और बहादुरगढ़ सीट से टिकट कटने पर नाराज हुए राजेश जून पर कार्रवाई कर 6 साल के लिए निष्कासित कर चुकी है। कुल मिलाकर पार्टी ने अब तक 16 नेताओं पर कार्रवाई की है।

ये नेता निर्दलीय लड़ रहे

जींद से प्रदीप गिल को कांग्रेस से टिकट का दावेदार माना जा रहा था। वहीं, दिलबाग संडील उचाना विधानसभा से कांग्रेस के दावेदारों की लिस्ट में शामिल थे, लेकिन कांग्रेस ने जींद विधानसभा से महावीर गुप्ता को और उचाना से पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह को टिकट दिया। इसके बाद दोनों नेताओं ने निर्दलीय नॉमिनेशन कर दिया। इसके अलावा भिवानी की बवानी खेड़ा सीट से टिकट मांग रहे सतबीर रतेरा भी अब निर्दलीय चुनावी मैदान में हैं। वहीं, फरीदाबाद की पृथला सीट से नीतू मान भी निर्दलीय लड़ रही हैं।

2019 में मिली थी हार

उधर, ललित नागर 2014 से 2019 तक कांग्रेस पार्टी से तिगांव से विधायक रहे हैं। कांग्रेस ने उन्हें 2019 में भी टिकट दिया, लेकिन भाजपा के प्रत्याशी राजेश नागर ने उन्हें हार दिया था।

टिकट कटने पर फूट-फूट कर रोए थे ललित

टिकट कटने पर पूर्व विधायक ललित नागर सभा में फूट-फूट कर रोए थे। इस दौरान ललित ने कहा था कि उनके साथ धोखा हुआ। उन्होंने विधायक रहते इलाके के विकास में कोई कमी रहने नहीं दी। कभी भी किसी के मान-सम्मान को ठेस नहीं पहुंचाई। उन्हें पूरा भरोसा था कि इस बार टिकट जरूर मिलेगी, लेकिन कांग्रेस ने उनके साथ छल किया और अंतिम लिस्ट में उनका नाम काट दिया। उन्होंने कहा था कि यदि उनके इलाके की 36 बिरादरी चाहती है कि वह चुनाव लड़े तो वह चुनाव लड़ेंगे। जनता अगर मना करेगी तो वह चुनाव नहीं लड़ेंगे।

केरल में मंकीपॉक्स का दूसरा मरीज मिला: 29 साल का युवक यूएई से केरल लौटा था, स्ट्रेन की पुष्टि बाकी

कोच्चि: केरल में मंकीपॉक्स (एमपॉक्स) का दूसरा मरीज मिला है। भारत में मंकीपॉक्स का यह तीसरा मामला है। 29 साल का युवक यूएई से केरल के एर्नाकुलम लौटा था। उसे तेज बुखार था। जांच में एमपॉक्स की पुष्टि हुई। अभी स्ट्रेन का पता नहीं चला है। केरल हेल्थ डिपार्टमेंट ने बताया कि मरीज का कोच्चि के प्राइवेट अस्पताल में इलाज चल रहा है। उसके सैंपल पुणे के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी में जीनोमिक सीक्वेंसिंग के लिए भेजे गए हैं। जांच के बाद पता चलेगा कि मरीज एमपॉक्स के खतरनाक और तेजी से फैलने वाले क्लैड-1बी स्ट्रेन से संक्रमित है या नहीं।

18 सितंबर को भारत में एमपॉक्स का दूसरा और क्लेड-1बी स्ट्रेन का पहला मरीज मिला था। 38 साल का संक्रमित मरीज यूएई से केरल के मलप्पुरम लौटा था। उसने 17 सितंबर को खुद को क्वारंटीन कर लिया था। हरियाणा में मिला था भारत का पहला एमपॉक्स मरीज 9 सितंबर को देश में मंकीपॉक्स के पहले मरीज मिलने की पुष्टि हुई थी। हरियाणा के हिसार में एक 26 साल के युवक में पुराना स्ट्रेन क्लैड-2 पाया गया था। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया था कि व्यक्ति विदेश से लौटा था। उसे 8 सितंबर को आइसोलेशन में रखा गया था। सैंपल लेकर जांच कराई गई, जिसमें मंकीपॉक्स की पुष्टि हुई थी।

क्या है मंकीपॉक्स

मंकीपॉक्स वायरस से फैलने वाली बीमारी है। आमतौर इस वायरस से संक्रमण के ज्यादा दुष्प्रभाव नहीं होते, लेकिन कुछ मामलों में यह घातक हो सकता है। इसके चलते फ्लू जैसे लक्षण दिखते हैं और शरीर पर मवाद से भरे घाव हो जाते हैं। यह वायरस ऑर्थोपॉक्सवायरस जीनस फैमिली का ही मेंबर है, जो चेचक (स्मालपॉक्स) के लिए भी जिम्मेदार है। वायरस के दो अलग-अलग ग्रुप हैं: क्लैड-1 (सब क्लैड 1ए और 1बी) और क्लैड-2 (सब क्लैड 2ए और 2बी)। क्लेड-1बी स्ट्रेन को वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन ग्लोबल हेल्थ इमरजेंसी घोषित कर चुका है। क्लैड-2 के मुकाबले क्लेड-1 ज्यादा घातक है।

9 सितंबर को केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव अपूर्व चंद्रा ने मंकीपॉक्स को लेकर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को एडवाइजरी जारी की थी।

ताजमहल में दरारें और दीवारों से पौधे उगने पर योगी सरकार पर बरसे अखिलेश

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने बताया चिंता की बात नहीं

आगरा (ईएमएस)। सितंबर में हुई भारी बारिश के बाद, आगरा में स्थित ताजमहल में दरारें और पानी रिसने की घटना सामने आई है। इसके बाद विश्व धरोहर की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। समाजवादी पार्टी प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव सहित कई लोगों ने घटना के लिए योगी सरकार की आलोचना की है। इतना ही नहीं भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की देखभाल पर सवाल उठाए हैं। दरअसल सोशल मीडिया पर ताजमहल की दीवारों से पौधे उगने के वीडियो वायरल होने के बाद यह मामला चर्चा में है। एएसआई ने हालांकि किसी भी गंभीर संरचनात्मक क्षति से इंकार किया है। सितंबर में हुई भारी बारिश के बाद ताजमहल की संगमरमर की दीवारों पर दरारें दिखाई देने लगी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, बारिश के बाद ताजमहल की दीवारों, फर्श और अन्य हिस्सों में दरारें आ गई हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में इस धरोहर स्थल की टूटी हुई जाली और दीवारों में दरारें साफ दिख सकती हैं। जानकारों का कहना है कि मुख्य गुंबद पर उकेरे गए कुरान के छंद भी फीके पड़ने लगे हैं। जानकार ने बताया कि मुख्य गुंबद के आसपास के दरवाजों पर अरबी भाषा में कुरान की आयतें खुदी हुई हैं, जिनके अक्षर मिटने लगे हैं।

अखिलेश ने उठाए सवाल

ताजमहल के रखरखाव के लिए एएसआई के संरक्षण प्रयासों पर सवाल उठ रहे हैं। यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश ने वीडियो शेयर किया जिसमें ताजमहल के सफेद संगमरमर पर पौधे उगे हुए दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने ट्वीट कर लिखा कि बीजेपी सरकार और उसके सुस्त विभाग दुनिया भर से पर्यटकों को आकर्षित करने वाले इस अजूबे ताजमहल के रखरखाव में पूरी तरह विफल रहे हैं। मुख्य गुंबद से पानी टपक रहा है, पौधे उग रहे हैं। अगर इस तरह के पेड़ों की जड़ें बढ़ती रहीं, तब ताजमहल में दरारें पड़ सकती हैं।

हर साल करीब 80 लाख पर्यटक ताजमहल देखने आते हैं। अपनी बेगम मुमताज के लिए शाहजहां द्वारा बनवाया गया यह स्मारक प्यार का प्रतीक है। टूर ऑपरेटरों और लोगों ने इस 17वीं सदी के स्मारक को लेकर चिंता जाहिर है। एएसआई ताजमहल के संरक्षण पर सालाना 4 करोड़ रुपये खर्च करता है। ऐसी तस्वीरें स्मारक की प्रतिष्ठा को धूमिल करती हैं। वहीं एएसआई ने दावा किया है कि ताजमहल में कोई गंभीर संरचनात्मक समस्या नहीं है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ड्रोन से मुख्य गुंबद का सर्वेक्षण किया गया। फाइनियल के बेस पर जंग लगी हुई पाई गई। हो सकता है कि इस जंग के कारण पत्थर में दरारें आ गई हों, जिससे पानी रिस रहा हो। भविष्य में पानी के रिसाव को रोकने के लिए अब इस दरार की मरम्मत का काम किया जाएगा।

21 हजार फीट की चोटी पर पहुंची भारतीय पर्वतारोहियों की टीम,चीन को लगी मिर्ची

नई दिल्ली(ईएमएस)। अरुणाचल की 21 हजार फिट ऊंची चोटी पर भारतीय पर्वतारोहियों का दल पहुंच गया। जहां इस कीर्तिमान को यादगार बनाने के लिए इस टीम ने इस बेनाम पहाड़ी का नाम छठे दलाई लामा के नाम पर रख दिया। बात जब दलाई लामा की हो तो चीन को मिर्ची लगना तो तय ही था। ड्रैगन की तरफ से तुरंत इस पर रिएक्शन भी आया। उन्होंने इसे चीनी क्षेत्र में अवैध अभियान करार दिया। वैसे भी अरुणाचल प्रदेश और लद्दाख क्षेत्र में भारत कुछ भी करता है तो उससे चीन को तुरंत दिक्कत होने लगती है। रक्षा मंत्रालय के अधीन आने वाले दिरांग स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनिंग एंड एडवेंचर स्पोर्ट्स की 15 सदस्यीय दल ने पिछले शनिवार को चोटी पर चढ़ाई की और तवांग में जन्मे छठे दलाई लामा त्सांगयांग ग्यात्सो के सम्मान में इसका नाम 'त्सांगयांग ग्यात्सो चोटी' रखा। चीन अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताता है और इसे अपने देश में 'जंगनान' के नाम से जानता है। छठे दलाई लामा के नाम पर इस पहाड़ का नाम रखना चीनियों को इसलिए भी रास नहीं आया होगा क्योंकि वो तिब्बत पर कब्जा करे बैठा है और दलाई लामा तिब्बत के ही धर्मगुरु को कहा जाता हैं।

तिरुपति लड्डू विवाद- जगन को मंदिर जाने की इजाजत नहीं: आज अनुष्ठान करने वाले थे

तिरुपति : आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम जगन मोहन रेड्डी ने तिरुपति मंदिर का दौरा कैंसिल कर दिया। जगन रेड्डी ने कहा, पुलिस ने मंदिर यात्रा को लेकर राज्य भर के वाईएसआरसीपी नेताओं को नोटिस जारी किया है। नोटिस में कहा गया है कि हमें तिरुमाला मंदिर जाने की इजाजत नहीं है। राज्य में राक्षसों का राज जारी है। जगन कल यानी 28 सितंबर को तिरुपति के भगवान वेंकटेश्वर मंदिर में विशेष अनुष्ठान करने वाले थे। इधर, आंध्र प्रदेश सरकार की बनाई हुई 9 सदस्यों वाली एसआईटी ने तिरुपति के प्रसादम में एनिमल फैट पाए जाने के मामले की जांच शुरू कर दी है। एसआईटी को गुंटूर रेंज के आईजी सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी लीड कर रहे हैं। लड्डू विवाद तब शुरू हुआ, जब सीएम चंद्रबाबू नायडू ने 18 सितंबर को यह आरोप लगाया कि वाईएसआर कांग्रेस सरकार में तिरुपति मंदिर के लड्डू में जानवरों की चर्बी वाला वनस्पति तेल और फिश ऑयल मिलाया गया था।

जगन के मंदिर जाने पर विवाद क्यों...

जगन के मंदिर जाने की खबर सामने आने के बाद टीडीपी ने 26 सितंबर को कहा था कि जगन को एंट्री तभी मिलेगी, जब वे मंदिर के उस घोषणापत्र पर साइन करेंगे, जिसमें लिखा हो कि उन्हें भगवान बालाजी पर विश्वास है। पार्टी का आरोप है कि इतने साल से वे साइन किए बिना ही मंदिर में गए हैं। दरअसल, हिंदुओं के अलावा बाकी धर्मों के लोग जो भगवान बालाजी के दर्शन करना चाहते हैं, उनके लिए तिरुपति मंदिर में घोषणापत्र पर साइन करने की एक प्रथा है। एपी राजस्व बंदोबस्ती-1 के तहत गैर हिंदुओं को दर्शन से पहले वैकुंठम परिसर में यह घोषणा करनी होती है।

दिल्ली की एयर क्वालिटी पर सुप्रीम कोर्ट- हालात इमरजेंसी जैसे: केंद्रीय एजेंसी से कहा- पराली जलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को दिल्ली प्रदूषण मामले में सुनवाई हुई। पराली जलाने के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई न करने को लेकर कोर्ट ने कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (सीएक्यूएम) को फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि प्रदूषण की वजह से इमरजेंसी जैसे हालात बने हुए हैं। सीएक्यूएम से पूछा कि पराली जलाने में क्या कोई कमी आई है? आप पराली जलाने के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे हैं? लगातार बैठकें क्यों नहीं हो रहीं?

कोर्ट ने कहा कि क्या सीएक्यूएम अधिनियम की धारा 14 के तहत कोई कार्रवाई की गई है? सब कुछ कागज पर है और आप मूकदर्शक हैं। अगर आप यह मैसेज नहीं देते हैं कि कानून का उल्लंघन करने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी, तो ये प्रावधान केवल कागज पर ही रह जाएंगे। आप ये बताइए कि दिल्ली की एयर क्वालिटी में सुधार हुआ है या

नहीं। पिछली सुनवाई के दौरान 27 अगस्त को कोर्ट ने कहा था कि दिल्ली-एनसीआर के पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड में कर्मचारी कम होने की वजह से ठीक से काम नहीं हो रहा। कोर्ट ने पांच राज्यों को आदेश दिया था कि वे खाली पड़ी नौकरियों को 30 अप्रैल 2025 तक भरें, ताकि प्रदूषण पर काबू पाया जा सके। मामले की सुनवाई जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस एजी मसीह की बेंच कर रही है।

सीएक्यूएम के अध्यक्ष राजेश वर्मा ने बताया कि उन्होंने समिति बनाने के बाद 82 कानूनी आदेश और 15 सुझाव जारी किए हैं। उनकी टीम ने 19,000 जगहों का निरीक्षण किया है और 10,000 से ज्यादा फैक्ट्रियों को बंद करने का आदेश दिया है। इस पर कोर्ट ने कहा कि सीएक्यूएम तीन साल से अस्तित्व में है, लेकिन इसने केवल 82 निर्देश जारी किए हैं। इतनी कार्रवाई काफी नहीं है। आयोग को और अधिक एक्टिव होने की जरूरत है। आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उसके निर्देशों से प्रदूषण की समस्या कम हो रही है या नहीं। दरअसल, केंद्र सरकार ने 2021 में सीएक्यूएम का गठन किया था। इसे दिल्ली-एनसीआर और आसपास के इलाकों में बढ़ते प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए बनाया गया है।

दिल्ली का प्रदूषण, 3 सरकारों को सुप्रीम कोर्ट की फटकार

पिछले साल नवंबर में सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली और पंजाब सरकार से पूछा था कि प्रदूषण की समस्या को रोकने के लिए क्या कदम उठा रहे हैं। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब के किसानों के साथ हमदर्दी दिखाई। कोर्ट ने कहा था कि पराली जलाने वाले किसानों को विलेन बना दिया जाता है। कोई उनका पक्ष नहीं सुनता है। किसानों के पास पराली जलाने के लिए कारण जरूर होंगे। पंजाब सरकार को उन्हें पराली जलाने से रोकने के लिए सहायता राशि देनी चाहिए। कोर्ट ने दिल्ली, पंजाब और उत्तर प्रदेश सरकार को फटकारते हुए कहा था- बीते छह साल में यह सबसे प्रदूषित नवंबर रहा है। हमें समस्या पता है और उस समस्या को दूर करना आपका काम है।

कोर्ट बोला- दिल्ली और पंजाब की आप सरकारें प्रदूषण रोकने के लिए एक्शन लें

जस्टिस एसके कॉल और एस धूलिया की बेंच ने पंजाब और दिल्ली की सरकारों से कहा कि पराली जलाने के खिलाफ सख्त एक्शन लें, जिससे दिल्ली के प्रदूषण में इजाफा होता है। यह पहली बार नहीं है जब सुप्रीम कोर्ट ने इस बात को उठाया है कि प्रदूषण फैलने के मामले में सभी तरफ से किसानों को दोषी तो ठहराया जाता है, लेकिन सुनवाई में उनका पक्ष नहीं रखा जाता। कोर्ट ने यह भी कहा कि पंजाब सरकार को किसानों को पराली जलाने से रोकने के लिए सहायता राशि देनी चाहिए।

अमेरिका में हेलेन तूफान, 225किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चलीं: एक हजार उड़ानें रद्द, 1 करोड़ से ज्यादा लोग प्रभावित; 6 राज्यों में इमरजेंसी

न्यूयार्क । अमेरिका में हेलेन हरिकेन अमेरिका में फ्लोरिडा के तट पर टकरा गया है। इससे अब तक 4 लोगों की मौत हुई है। सीएनएन के मुताबिक हेलेन ने गुरुवार को फ्लोरिडा में एंट्री की। इस दौरान हवाओं की रफ्तार 225 किमी प्रति घंटा रही। तूफान की वजह से फ्लोरिडा और आसपास के राज्यों जॉर्जिया, नॉर्थ कैरोलिना, साउथ कैरोलिना, वर्जीनिया और अलबामा में इमरजेंसी घोषित कर दी गई है। इससे करीब 1 करोड़ 20 लाख लोग प्रभावित हैं। तूफान के दूसरे राज्यों में फैलने की संभावना है, जिससे 5 करोड़ लोग प्रभावित हो सकते हैं। तूफान की वजह से 1000 से ज्यादा फ्लाइट्स को रद्द कर दिया गया है। इसके अलावा 4 हजार से ज्यादा फ्लाइट्स में देरी हुई।

तूफान को कैटेगरी नंबर-4 में रखा गया हेलेन इस साल अमेरिका में आने वाले सबसे ताकतवर तूफानों में से एक है। इसे कैटेगरी-4 में रखा गया है। इसे विनाशकारी माना जाता है। फ्लोरिडा में बिजली काट दी गई है, जिसकी वजह से करीब 20 लाख लोग प्रभावित हैं। फ्लोरिडा के गवर्नर डी-सेंटिस ने निचले इलाकों में रहने वालों को पहले ही सुरक्षित जगहों पर चले जाने की सलाह दी थी। फ्लोरिडा की राजधानी तल्लाहासी के मेयर जॉन डेली ने कहा कि यह शहर में आया अब तक का सबसे शक्तिशाली तूफान हो सकता है। इससे शहर को काफी नुकसान पहुंच सकता है। तूफान की वजह से 4 लोगों की मौत इंडिपेंडेंट की रिपोर्ट के मुताबिक, हेलेन के चलते जॉर्जिया की व्हीलर काउंटी में खेत में खड़ा ट्रॉला उड़कर हाईवे पर गिर गया। इसमें दो लोगों की मौत हो गई। इसकी चपेट में दो गाड़ियां भी आईं, हालांकि यह पता नहीं चला है कि इसमें कितने लोग घायल हुए हैं। इसके अलावा तूफान की वजह से 2 और लोगों के मौत की खबर है। अमेरिकी मौसम वैज्ञानिक फिल क्लॉट्जबैक ने कहा कि पिछले 35 सालों में सिर्फ 3 तूफान हेलेन से बड़े थे। 2017 का इरमा, 2005 का विल्मा और 1995 का ओपल। इरमा तूफान की वजह से अमेरिका और आसपास के देशों में 134 लोगों की मौत हुई थी। विल्मा से 23 लोग और ओपल तूफान की वजह से 27 लोग मारे गए थे। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, तापमान बढ़ने की वजह से ताकतवर तूफानों की संख्या बढ़ती जा रही है। चक्रवात, टाइफून, हरिकेन और टॉरनेडो में क्या अंतर है? स्ट्रॉर्म या तूफान वातावरण में एक तरह का डिस्टर्बेंस होता है, जो तेज हवाओं के जरिए सामने आता है और उसके साथ बारिश, बर्फ या ओले पड़ते हैं। जब ये धरती पर होते हैं तो आम तूफान कहलाते है, लेकिन समुद्र से उठने वाले स्टॉर्म को हरिकेन कहते हैं। हरिकेन आम स्टॉर्म से ज्यादा खतरनाक होते हैं। हरिकेन, साइक्लोन और टाइफून तीनों एक ही चीज होते हैं। दुनियाभर में साइक्लोन को अलग-अलग नामों से बुलाया जाता है। जैसे- उत्तरी अमेरिका और कैरेबियन आइलैंड में बनने वाले साइक्लोन को हरिकेन, फिलीपींस, जापान और चीन में आने वाले साइक्लोन को टाइफून और ऑस्ट्रेलिया और हिंद महासागर यानी भारत के आसपास आने वाले तूफान को साइक्लोन कहा जाता है। समुद्रों के लिहाज से देखें तो अटलांटिक और उत्तर पश्चिम महासागरों में बनने वाले साइक्लोन हरिकेन कहलाते हैं। उत्तर पश्चिम प्रशांत महासागर में बनने वाले तूफान टाइफून कहलाते हैं। वहीं दक्षिण प्रशांत महासागर और हिंद महासागर में उठने वाले तूफान साइक्लोन कहलाते हैं। इसी वजह से भारत के आसपास के इलाकों में आने वाले समुद्री तूफान साइक्लोन कहलाते हैं। वहीं, टॉरनेडो भी तेज तूफान होते हैं, लेकिन ये साइक्लोन नहीं होते, क्योंकि ये समुद्र के बजाय ज्यादातर धरती पर ही बनते हैं। सबसे ज्यादा टॉरनेडो अमेरिका में आते हैं।

इजरायल का दावा : कमांडर हुसैन सरुर मारा गया

तेलअवीव(ईएमएस)। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आईडीएफ ने एक पोस्ट में लिखा, बेरूत में आईएएफ के एक सटीक हमले में हिजबुल्लाह के एरियल कमांड का कमांडर मुहम्मद हुसैन सरूर मारा गया। सरूर ने इजरायली नागरिकों को निशाना बनाकर कई हवाई आतंकवादी हमलों को अंजाम दिया था और उन्हें लीड भी किया था।वहीं हिजबुल्लाह की ओर से अभी तक अपने कमांडर की मौत पर कोई टिप्पणी नहीं की गई है।

पोस्ट में आगे लिखा गया, आयरन स्वॉर्ड्स युद्ध के दौरान, उसने यूएवी और विस्फोटक उपकरणों का उपयोग करके इजरायली नागरिकों और आईडीएफ सैनिकों के खिलाफ कई आतंकवादी हमले किए थे। हाल के वर्षों में, सरूर ने दक्षिणी लेबनान में यूएवी के निर्माण परियोजना का नेतृत्व किया और लेबनान में यूएवी निर्माण और खुफिया जानकारी एकत्र करने वाले स्थलों की स्थापना की, जो बेरूत और दक्षिणी लेबनान में नागरिक बस्ती के निकट स्थित हैं। आईडीएफ ने पोस्ट में आगे लिखा, वह सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल इकाई में कमांडर था। उसने राडवान फोर्स की अजीज इकाई को भी लीड किया था। यमन और हूती आतंकवादी शासन की एरियल कमांड में हिजबुल्लाह की ओर से बातचीत का जिम्मा भी उस पर था। अधिकारियों ने बताया कि गुरुवार को सीरिया-लेबनानी सीमा स्थित एक इमारत पर इजरायल द्वारा किए गए हमले में कम से कम 23 लोग मारे गए, जिनमें 19 सीरियाई शरणार्थी शामिल हैं। इस हमले में चार अन्य लोग घायल हो गए। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, सोमवार से लेबनान पर इजरायली हमले में लगभग 700 लोग मारे गए हैं। पिछले सप्ताह पूरे देश में पेजर और वॉकी-टॉकी विस्फोट के बाद इस सप्ताह हमले किए गए हैं। इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने युद्ध विराम की संभावना को खारिज कर दिया, जिससे लेबनान में इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच लड़ाई खत्म हो सकती है, क्योंकि यूएस और फ्रांस ने कहा है कि उन्होंने 21 दिनों के लिए लड़ाई रोकने का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने यह भी कहा कि गाजा में लड़ाई तब तक जारी रहेगी, जब तक युद्ध का लक्ष्य हासिल नहीं हो जाते।प्रस्ताव के बावजूद, संकेत मिल रहे हैं कि इजरायल लेबनान पर संभावित जमीनी आक्रमण की तैयारी कर रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने बुधवार को संवाददाताओं से कहा कि 21 दिन के संघर्ष विराम प्रस्ताव को वैश्विक समर्थन मिल रहा है, जिसका उन्होंने और अन्य नेताओं ने आह्वान किया है। गुरुवार को व्हाइट हाउस लौटने पर बाइडेन ने संवाददाताओं से कहा था, हम यूरोप के साथ-साथ अरब देशों से भी महत्वपूर्ण समर्थन प्राप्त करने में सक्षम थे। यह महत्वपूर्ण है कि यह युद्ध व्यापक न हो। वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, राष्ट्रपति संयुक्त राष्ट्र महासभा से लौट रहे थे, जहां उन्होंने बुधवार को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात की और प्रस्ताव की घोषणा करने वाले संयुक्त बयान के विवरण पर चर्चा की।

जंग के बीच लेबनान में क्यों तैनात हैं भारतीय सैनिक

इजराइल और लेबनान के बीच चल रही जंग में 700 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। वहीं, इजराइल ने हिजबुल्लाह की मिसाइल और ड्रोन यूनिट के कमांडरों को एयरस्ट्राइक में मार दिया है। इसी बीच इजराइल में तैनात भारतीय सेना के एक जवान को गुरुवार सुबह एयर एंबुलेंस से भारत लाया गया है।रिपोर्ट्स के मुताबिक सैनिक का नाम हवलदार सुरेश आर (33) है। वे बीते 30 दिनों से इजराइल के एक अस्पताल में भर्ती थे। उन्हें सिर में चोटें आई हैं, जिसकी वजह से वो जगह और लोगों को पहचान नहीं पा रहे थे। चोट लगने की वजह साफ नहीं हुई है।सुरेश इजराइल के कब्जे वाले गोलन हाइट्स में संयुक्त राष्ट्र के मिशन अनडॉफ में शामिल थे। अनडॉफ एक शांति सेना मिशन है, जिसका काम इजराइल और सीरिया के बीच संघर्ष विराम बनाये रखना तथा दोनों देशों की सेनाओं के बीच तनाव कम करने की कोशिश करना है। गोलान हाइट्स के अलावा भारत के 900 जवान लेबनान में भी हैं।

हूती विद्रोहियों ने इजराइल पर दागी मिसाइल, किसी के मारे जाने की जानकारी नहीं

इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच संघर्ष जारी है। इस बीच हिजबुल्लाह का साथ देने हूती विद्रोही भी मैदान में आ गए हैं। इजरायली डिफेंस फोर्स का कहना है कि यमन से इजरायल पर निशाना साधते हुए सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल दागी गई लेकिन एरो एयर डिफेंस सिस्टम ने इसे हवा में ही मार गिराया। सेना के मुताबिक मिसाइलों को देश की सीमा से बाहर ही गिरा दिया। इजरायली सेना ने यह भी दावा किया कि हमले के बाद होम फ्रंड कमांड से कोई नए निर्देश नहीं आए हैं। साथ ही किसी के घायल होने की जानकारी भी नहीं है। कुछ लोग अचानक हमले से तनाव में हैं या फिर शेल्टर में जाने के दौरान गिरने से घायल हुए हैं। हूती विद्रोहियों का कहना है कि उनके सैन्य प्रवक्ता जल्द ही हमले को लेकर जानकारी देंगे। गाजा युद्ध के बाद से हूती और हिज़बुल्लाह हमास का समर्थन करते रहे हैं।

हिजबुल्लाह हमास के समर्थन में इजरायल पर हमले करता रहा है लेकिन अभी तक यह हमले बड़े नहीं थे लेकिन पिछले सप्ताह गाजा में पेजर और वॉकी-टॉकी धमाके के बाद युद्ध तेज हो गया है। हिजबुल्लाह का आरोप है कि इजरायल ने ही उसके इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस में विस्फोट किया।

पेरिस में एक मॉडल रेडी टू वीयर कलेक्शन पेश करती हुई।

शिया-सुन्नी विवादः अब तक 36 की मौत, 80 से ज्यादा घायल

इस्लामाबाद(ईएमएस)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के कुर्रम जिले में शिया और सुन्नी मुसलमानों के बीच जमीनी विवाद में कम से कम 36 लोग मारे गए हैं। 80 से ज्यादा लोग घायल हैं। खबरों के मुताबिक दोनों समुदाय के बीच 5 दिनों से झड़प जारी है। कुर्रम में तैनात एक अधिकारी ने बताया कि लड़ाई में कई घर जला दिए गए हैं। हिंसा खत्म करने के लिए सरकार की कोशिश अब तक नाकाम साबित हुई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक पिछले कुछ साल में कुर्रम में कई बार शिया-सुन्नी विवाद हो चुका है। सुन्नी समुदाय को सीमा पार के अफगान कबीले का समर्थन मिलता है। जुलाई में भी दोनों समुदायों के बीच जमीन को लेकर विवाद शुरू हुआ था जिसमें 50 से ज्यादा लोग मारे गए थे। 2 परिवारों के बीच शुरू हुई लड़ाई, पूरे जिले में फैली इस विवाद की जड़ 30 एकड़ की जमीन है। इसके मालिकाना हक को लेकर कुर्रम जिले के बुशेहरा गांव में दो कबीलों के बीच विवाद है। अगस्त में अधिकारियों ने आदिवासी समुदाय जिरगा के बुजुर्गों के साथ मिलकर दोनों समुदायों के बीच समझौता कराया था, जिसके बाद कुछ समय तक के लिए विवाद थम गया था।रिपोर्ट के मुताबिक सुन्नी मिदगी और शिया मलीखेल समुदायों के बीच विवाद 2007 में शुरू हुआ था। तब भी हिंसा की घटनाएं हुई थीं। पिछले साल जुलाई में भी विवाद हुआ था, जिसमें कई लोग मारे गए थे।पिछले साल खत्म हुआ विवाद, फिर शुरू हुआ जुलाई 2023 में दोनों पक्षों के बीच लड़ाई के थमने के बाद इनके बीच एक समझौता कराया गया। इसमें तय हुआ कि सरकार तय करेगी कि जमीन किसकी है। जमीन विवाद हल कराने वाली लैंड कमीशन का नियम ही दोनों पक्षों को मानना होगा।इसके बाद कमीशन ने अपना फैसला सुनाया और ये जमीन शिया समुदाय को दे दी। लेकिन एक साल बाद इसे लेकर फिर विवाद शुरू हो गया।

कनाडा में फिर होगी कनिष्क बॉम्बिंग की जांच! हिंदू सांसद ने किया विरोध

329 लोगों को उड़ाने वाले खालिस्तानी आतंकियों को क्लीन चिट देने का प्रयास

ओटावा,(ईएमएस)। कनाडा में कनिष्क बॉम्बिंग से जुड़ी जांच को फिर खोलने का प्रयास किया जा रहा है। खालिस्तान समर्थक आतंकियों की ओर से 23 जून 1985 को एयर इंडिया फ्लाइट-182 में धमाका किया गया था। आतंकियों के इस हमले में 329 लोगों की मौत हो गई थी लेकिन अब एक नई जांच की मांग खालिस्तान आतंकियों को क्लीन चिट देने के लिए की जा रही है।

इसे लेकर कनाडा में हिंदू सांसद अपनी ही पार्टी पर भड़के गए हैं। उन्होंने कहा कि पहले दो जांच हो चुकी हैं जो खालिस्तान आतंकियों को इसके लिए दोषी ठहरती हैं। अब संसद पोर्टल पर एक नई जांच की मांग की गई है जो कॉन्सपिरेसी थ्योरी को बढ़ावा देती है। कनाडा के लिबरल पार्टी के सांसद सुख धालीवाल ने कनिष्क बॉम्बिंग की नए सिरे से जांच की मांग करते हुए इस याचिका को स्पॉन्सर किया है।

इस मांग से पहले दूसरी जांच में पाया गया था कि कनाडा स्थिति खालिस्तान आतंकियों ने हमले को अंजाम दिया था। पहली जांच में भी यही पता चला था कि बम धमाकों में खालिस्तान आतंकियों का हाथ था। अब नई याचिका इस बम धमाके का आरोप भारत सरकार के एजेंट्स पर लगाना चाहती है, जिसे पहले ही कनाडा सरकार नकार चुकी है। चंद्रा आर्य ने कहा कि 39 साल पहले एयर इंडिया फ्लाइट 182 को कनाडाई खालिस्तान चरमपंथियों की ओर से लगाए गए बम से हवा में उड़ा दिया गया था। इसमें 329 लोग मारे गए थे। कनाडा के इतिहास में यह सबसे बड़ी सामूहिक हत्या है। इस आतंकी हमले के लिए जिम्मेदार विचारधारा आज भी कनाडा में कुछ लोगों के बीच जिंदा है। कनाडा की दो सार्वजनिक जांचों में खालिस्तान चरमपंथियों को विमान को बम से उड़ाने के लिए जिम्मेदार पाया गया था। अब संसद पोर्ट पर एक याचिका दायर की गई है, जिसमें खालिस्तान चरमपंथियों की ओर से प्रचारित कॉन्सपिरेसी थ्योरी को बढ़ावा देने वाली एक नई जांच की मांग की गई है।

चंद्रा आर्य ने कहा कि हमले में रमा नाम की महिला मारी गईं, जिनके पति ने कहा कि यह याचिका निराशाजनक है। यह पुराने घावों को फिर से हरा कर देगी। यह सब कचरा है। आतंकी गतिविधियों के लिए प्रचार और समर्थन हासिल करने की कोशिश है। कनाडा की सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जॉन सी. मेजर ने ए कैनेडियन ट्रेजेडी में लिखा- ऑपरेशन ब्लू स्टार के कारण भारत सरकार के खिलाफ प्रतिशोध के रूप में सिख चरमपंथियों की ओर से बॉम्बिंग की गई थी। उनका यह कहना उस दावे को खारिज करता है कि बम धमाके में भारतीय एजेंट्स शामिल थे।

चीन की परमाणु पनडुब्बी डूबने के दावे पर अमेरिका बोला ड्रैगन के लिए यह शर्मनाक

वाशिंगटन,(ईएमएस)। इसी साल मई या जून में चीन की एक पनडुब्बी समुद्र में समा गई। यह घटना वुहान के पास वुचांग शिपयार्ड में हुई। इस घटना का खुलासा सैटेलाइट तस्वीरों से हुआ है। डूबने वाली पनडुब्बी झाओ क्लास की थी और परमाणु ऊर्जा से चलती थी। रिपोर्ट के मुताबिक चीनी अधिकारियों ने पनडुब्बी हादसे को छिपाने की काफी कोशिश की होगी। यही वजह है कि खुलासे में देर हुई। वॉशिंगटन में चीनी ऐंबैसी के प्रवक्ता ने इस मुद्दे पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और कहा कि उनके पास इससे जुड़ी कोई जानकारी नहीं है।

16 मई के बाद लापता हुआ सबमरीन 10 मार्च को मैक्सार टेक्नोलॉजीज की सैटेलाइट इमेज में झाउ-क्लास सबमरीन को वुहान के पास शिपयार्ड में खड़ा देखा गया था। इस सबमरीन को उसकी लंबी टेल से पहचाना जाता है। इसके बाद इसे प्लैनेट लैब्स की सैटेलाइट इमेज में 16 मई को भी देखा गया। जून के आखिर में यहां की और तस्वीरें ली गईं, जिसमें इसे नहीं देखा गया। सैटेलाइट इमेज पर रिसर्च करने वाले टॉम शुगार्ट ने सबसे पहले इसकी जानकारी दी। इसके बाद वॉल स्ट्रीट जर्नल ने इस पर स्टोरी की।शुगार्ट ने कहा कि पहले उन्हें लगा कि कोई पनडुब्बी डूब गई होगी, लेकिन बाद में पता चला कि वह तो परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बी थी। उन्होंने कहा-क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि सैन डिएगो में एक अमेरिकी परमाणु पनडुब्बी डूब जाए और सरकार इसे दबा दे और किसी को इसके बारे में न बताए? ये मुमकिन नहीं है।

पनडुब्बी को लेकर चीन ने कोई जानकारी नहीं दी वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक पनडुब्बी को बचा लिया गया है, लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि इसे फिर से काम पर लगने में कई महीने लग सकते हैं। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने भी अब तक इस घटना की कोई पुष्टि नहीं की है।अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि यह पता नहीं चल पाया है कि इसके डूबने का कारण क्या था। जब ये डूबी तब उसमें न्यूक्लियर फ्यूल था या नहीं इसकी भी जानकारी नहीं है। इस हादसे में कोई हताहत हुआ या नहीं इसका भी पता नहीं चला है।

परमाणु हथियारों का पहले इस्तेमाल नहीं करने वाली पॉलिसी पर कायम है चीन

चीन ने कहा कि वह परमाणु हथियारों का पहले इस्तेमाल न करने संबंधी नीति का सख्ती से पालन करता है। चीन के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता वरिष्ठ कर्नल झांग शियाओगांग ने कहा, चीन की परमाणु नीति बहुत स्थिर और सुसंगत है। हम परमाणु हथियारों का पहले इस्तेमाल न करने की परमाणु नीति का सख्ती से पालन करते हैं।

उन्होंने एक आईसीबीएम के प्रक्षेपण को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा, चीन ने वादा किया है कि हम परमाणु हथियार रहित देशों या परमाणु हथियार मुक्त क्षेत्रों के विरुद्ध परमाणु हथियारों का इस्तेमाल नहीं करने या इस्तेमाल करने की धमकी नहीं देने वाले है। चीन अपनी परमाणु क्षमताओं को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक स्तर पर बनाए रखेगा।

उन्होंने आईसीबीएम के बारे में ज्यादा बताने से इंकार कर कहा कि इस बात पर जोर दिया जाना चाहिए कि यह अंतरराष्ट्रीय कानून और अंतरराष्ट्रीय कवायद के अनुरूप है और किसी विशिष्ट देश या लक्ष्य पर लक्षित नहीं है।

ईश निंदा पर सजा की मांग करने वाला...मौलाना अब खुद मांग रहा माफी, विरोध बढ़ने पर हुआ फरार

इस्लामाबाद (ईएमएस)। देश के इस्लामी विद्वान तारिक मसूद अपने ही दिए गए बयानों के चक्रव्यूह में फंसे हैं। मसूद पर ईश निंदा का आरोप लगा है। जब उनके लिए ईशनिंदा की सजा की मांग हुई, तब उन्होंने माफी मांग ली, लेकिन वे अपने ही उस बयान में फंस गए कि ईश निंदा करने वाले व्यक्ति को माफ नहीं मिलानी चाहिए। इधर माफी मांगने के बावजूद लोग उन्हें माफ करने को राजी नहीं हैं। इसके बाद तारिक मसूद अपने घर से फरार हो गए हैं। आरोप है कि उन्होंने कुरान और पैगंबर के बारे में गलतबयानी की थी। बता दें कि ये पाकिस्तान के वहीं मौलाना मसूद हैं, जो पैगंबर मोहम्मद और कुरान के अपमान करने वालों को तत्काल जान से मारने की बात करते थे। हालांकि, जब अपनी जान पर बनी, तब माफी की बात कर रहे हैं। मौलाना मसूद का वीडियो सामने आने के बाद पाकिस्तान में उनका विरोध शुरू हो गया है। इससे पहले उन्होंने कहा था, अगर किसी ने माफी मांगी भी है,तब हम यह नहीं कह सकते कि यह दिल से है या सिर्फ दिखावे के तौर पर है, इसलिए ईश निंदा कानून के अनुसार सजा मिलनी चाहिए।' फरार होने के दौरान मौलाना माफी मांगते हुए वीडियो जारी कर रहे हैं और सभी से उनके शब्दों को संदर्भ के अनुसार समझने की अपील कर रहे हैं। मौलाना ने कहा था, मुफ्ती तारिक मसूद ने गुस्ताखी के लिए सभी मुसलमानों से माफी मांगी, मैं अपने शब्द वापस लेता हूं। ध्यान रहे कि मौलाना मुफ्ती तारिक मसूद देवबंदी विचारधारा से जुड़े एक पाकिस्तानी धार्मिक विद्वान हैं। तारिक मसूद तब्लीगी जमात से भी जुड़े हुए हैं।

चीन में रह रहे भारतीय जल्द कराएं पंजीकरण... दूतावास ने क्यों कहा ऐसा

बीजिंग (ईएमएस)। बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास ने चीन में रह रहे सभी भारतीय नागरिकों को दूतावास में पंजीकरण कराने की सलाह दी है। यह पंजीकरण भविष्य में भारतीय दूतावास से मिलने वाली सभी सेवाओं के लिए आवश्यक होगा। दूतावास द्वारा जारी एक परामर्श में कहा गया है कि भारतीयों को दूतावास संबंधी सेवाएं प्रदान करने की प्रक्रिया को और अधिक सुव्यवस्थित और सुविधाजनक बनाने के लिए यह सलाह दी जाती है कि चीन में रहने वाले सभी भारतीय नागरिक, जिसमें छात्र भी शामिल हैं, पंजीकरण कराएं। परामर्श में बताया गया है कि वेबसाइट पर पंजीकरण फॉर्म सफलतापूर्वक जमा करने पर, आवेदक का नाम, पासपोर्ट नंबर और पंजीकरण संख्या वाला पंजीकरण दस्तावेज स्वचालित रूप से डाउनलोड करने योग्य पीडीएफ प्रारूप में तैयार होगा और पंजीकरण फॉर्म भरने की प्रक्रिया के दौरान आवेदक द्वारा प्रदान की गई पंजीकृत ईमेल आईडी पर भी भेज दिया जाएगा। सभी भारतीय नागरिकों को दूतावास संबंधी किसी भी सेवा, पासपोर्ट नवीनीकरण, दस्तावेजों के सत्यापन, पुलिस मंजूरी प्रमाण पत्र, जन्म और विवाह पंजीकरण के लिए अपने आवेदन के साथ पंजीकरण दस्तावेज संलग्न करने को कहा गया है।

मान गए मोहम्मद यूनुस बोले- हसीना को साजिश के तहत हटाया

ढाका(ईएमएस)। बांग्लादेश के चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस ने मान लिया है कि शेख हसीना को सत्ता से हटाने के लिए साजिश रची गई थी। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शन बेहद अच्छे से प्लान किया एक आंदोलन था, जिसमें किसी एक शख्स लीडर बनाकर गिरफ्तार नहीं किया गया। इस वजह से पूरे देश के युवाओं को प्रेरणा मिली और यह आंदोलन और भी शक्तिशाली बन गया। इसके बाद यूनुस ने मीटिंग में अपने असिस्टेंट महफूज आलम का परिचय देते हुए कहा कि इसके लिए हम दोनों जिम्मेदार थे। अमेरिका में क्लिंटन ग्लोबल इनिशिएटिव की मीटिंग को संबोधित करते हुए यूनुस ने बांग्लादेश के छात्र नेताओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि वे लोग बांग्लादेश का नया रूप तैयार कर रहे हैं।

स्थानीय मीडिया के मुताबिक चीफ एडवाइजर ने कहा कि अगर आप इन स्टूडेंट लीडर्स के चेहरों को देखेंगे तो ये आम युवाओं की तरह देखेंगे। लेकिन जब ये बोलना शुरू करेंगे तो आप कांप जाएंगे। इन्होंने अपने भाषणों और अपने समर्पण से पूरे देश को हिलाकर रख दिया। यूनुस बोले- आंदोलन के पीछे मेरे असिस्टेंट महफूज का दिमाग यूनुस ने कहा, पूरे आंदोलन के पीछे महफूज का दिमाग था। हालांकि, वह इस बात को नकारता रहता है, लेकिन इसी तरह से उसे पहचान मिली है। यह आंदोलन अचानक से नहीं शुरू हुआ। इसे पूरे अहतियात के साथ डिजाइन किया गया था। आंदोलन की लीडरशिप भी इसी के तहत तैयार की गई थी। किसी को नहीं पता कि यह लीडर कौन था।इसके बाद युनूस ने सभी छात्र नेताओं के लिए तालियां बजवाईं और आगे के लिए शुभकामनाएं दीं। रिपोर्ट के मुताबिक, चीफ एडवाइजर ने शेख हसीना की सरकार के दौरान छात्र नेताओं पर हुए हमलों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ये नेता गोलीबारी के बावजूद पूरी बहादुरी के साथ खड़े रहे। यूनुस के इस भाषण के दौरान अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन उनके बगल में मौजूद थे।

आतंक की फैक्ट्री चलाने वाले पाकिस्तान पर कसेगा शिकंजा,कई देश भारत के साथ

जेनेवा(ईएमएस)। जैश और लश्कर को खाद-पानी देने वाले पाकिस्तान के खिलाफ अब भारत ने दांव चल दिया है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में न केवल भारत की आवाज अब और मजबूत हुई है, बल्कि इंटरनेशनल लेवल पर कई देशों का साथ मिला है। ब्राजील और साउथ अफ्रीका ने भारत के सुर में सुर मिलाया है और पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर और जैश के खिलाफ कार्रवाई की मांग में भारत का साथ दिया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका के विदेश मंत्री मौरो विएरा और रोनाल्ड लामोला ने आतंकवाद के सभी रूपों की कड़ी निंदा की। भारत के सुर में सुर मिलाते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर की मौजूदगी में ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका ने कहा कि आतंकवाद चाहे कहीं भी हो, किसी के द्वारा भी किया गया हो, उसकी निंदा होनी चाहिए। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ही आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई की इंटरनेशनल मंच पर यह पटकथा लीखी। इसके बाद ब्राजील और साउथ अफ्रीका के विदेश मंत्री मौरो विएरा और रोनाल्ड लामोला ने भी लश्कर और जैश-ए-मोहम्मद जैसे पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठनों के खिलाफ ठोस कार्रवाई की मांग की।जानकारी के मुताबिक, भले ही इन तीनों ने चीन और पाकिस्तान का नाम नहीं लिया, मगर परोक्ष रूप से आतंकवाद पर इन्हें अच्छे से लपेटा। चीन या पाकिस्तान का नाम लिए बिना मंत्रियों ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद प्रतिबंध समितियों की कार्यवाही में दोहरे मापदंड से बचने का भी आह्वान किया। इंटरनेशनल लेवल उजागर होने से बचने के लिए अब चीन और पाकिस्तान खुलकर आतंकियों का साथ भी नहीं दे पाएंगे।

रूस ने बदली परमाणु नीति, हवाई हमले का जवाब परमाणु हथियारों से देगा

पुतिन बोले-परमाणु हथियार नागरिकों की सुरक्षा की सबसे बड़ी गारंटी

मॉस्को,(ईएमएस)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पश्चिम देशों को परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की धमकी दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पुतिन ने मॉस्को में सुरक्षा परिषद की बैठक बुलाई थी। इसमें उन्होंने कहा कि सरकार परमाणु हथियारों के इस्तेमाल से जुड़े नियम और शर्तों को बदलने जा रही है। परमाणु नियमों में कई नई चीजें जोड़ी जाएंगी। इसमें रूस के खिलाफ मिसाइल या फिर ड्रोन हमलों के खिलाफ परमाणु हथियारों का इस्तेमाल भी शामिल है।

उन्होंने कहा अगर रूसी इलाके में बड़े पैमाने पर मिसाइल या ड्रोन हमला होता है, जिससे देश की संप्रभुता पर गंभीर खतरा पैदा हो सकता है, तब भी रूस परमाणु हथियारों का इस्तेमाल कर सकता है। पुतिन ने ये भी कहा कि यदि कोई गैर-परमाणु संपन्न देश किसी परमाणु संपन्न देश के समर्थन से रूस पर हमला करता है तो इसे दोनों देशों की तरफ से किया गया हमला माना जाएगा। उन्होंने कहा कि रूस के परमाणु हथियार, देश और उसके नागरिकों की सुरक्षा की सबसे बड़ी गारंटी हैं।

पुतिन ने आगे कहा कि परमाणु नीति में बदलाव समय की मांग है। पुतिन का ये बयान तब आया है, जब यूक्रेन पश्चिमी देशों से रूस में दूर तक हमला करने वाली मिसाइलों के इस्तेमाल की इजाजत मांग रहा है। पुतिन ने कहा कि परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की शर्तों में बदलाव जरूरी था, क्योंकि दुनिया तेजी से बदल रही है। यूक्रेन को ब्रिटेन ने स्टॉर्म शैडो, अमेरिका ने आर्मी टैक्टिकल मिसाइल सिस्टम मिसाइलें दी हुई हैं। ये लंबी दूरी की घातक मिसाइलें हैं। यूक्रेन इन मिसाइलों का इस्तेमाल रूस में नहीं, बल्कि सिर्फ अपनी सीमा के अंदर ही कर सकता है।

पितरों का आशीर्वाद प्राप्त करने को करते हैं श्राद्ध

भाद्रपद के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि के दिन श्राद्ध पक्ष शुरू हो जाते हैं, इस साल यह 25 सितंबर, मंगलवार से शुरू हो रहे हैं। पितरों का आशीर्वाद हम पर बना रहे इसलिए उनकी आत्मा की शांति के लिए हर साल श्राद्ध करते हैं। उनके आशीर्वाद से घर में सुख-शांति बनी रहती है।

इतने होते हैं श्राद्ध

निर्णय सिंधु और भविष्य में पुराण में श्राद्ध के 12 प्रकारों का वर्णन मिलता है। ये हैं नित्य, नैमित्तिक, काम्य, वृद्धि, सपिंडन, पार्वण, गोष्ठी, शुद्धयर्थ, कर्मांग, तीर्थ, यात्रार्थ, पुष्ट्यर्थ।

पितरों के प्रसन्न करने के लिए करें यह श्राद्ध

नित्य श्राद्धः कोई भी व्यक्ति अन्न, जल, दूध, कुश, फूल व फल से हर रोज श्राद्ध करके हर रोज पितरों को प्रसन्न कर सकता है।
नैमित्तिक श्राद्धः यह श्राद्ध विशेष अवसर पर किया जाता है। जैसे- पिता आदि की मृत्यु तिथि के दिन इसे एकोदिष्ट कहा जाता है।
काम्य श्राद्धः इस श्राद्ध को किसी कामना विशेष, सिद्धि की प्राप्ति के लिए किया जाता है।
वृद्धि श्राद्धः इस श्राद्ध को सौभाग्य प्राप्ति के लिए किया जाता है। इसमें वृद्धि की कामना के लिए किया जाता है।
सपिंडन श्राद्धः इस श्राद्ध को मृत व्यक्ति के 12वें दिन पितरों से मिलने के लिए किया जाता है। इसे स्त्रियां भी कर सकती हैं।
पार्वण श्राद्धः पिता, दादा, परदादा और दादी, परदादी के निमित्त किया जाता है। इसे पर्व की तिथि पर ही किया जाता है। समूह में किया जाता है यह श्राद्ध
गोष्ठी श्राद्धः इस श्राद्ध को परिवार के सभी लोग मिलकर करते हैं। यह श्राद्ध हमेशा समूह में किया जाता है।
शुद्धयर्थ श्राद्धः परिवार की शुद्धता के लिए शुद्धयर्थ श्राद्ध किया जाता है।
कर्मांग श्राद्धः यह श्राद्ध को किसी संस्कार के अवसर पर ही किया जाता है। कर्मांग का अर्थ कर्म के अंग से होता है।
यात्रा के लिए करते हैं यह श्राद्ध
तीर्थ श्राद्धः यह श्राद्ध हमेशा तीर्थ पर ही किया जाता है।
यात्रार्थ श्राद्धः यात्रा की सफलता के लिए यात्रार्थ श्राद्ध किया जाता है।
पुष्ट्यर्थ श्राद्धः आर्थिक उन्नति में बढ़ोतरी, अच्छे स्वास्थ्य के लिए पुष्टि के निमित्त जो श्राद्ध किए जाते हैं वे पुष्ट्यर्थ श्राद्ध कहलाते हैं।

अमावस्या को किया जाता है इनका श्राद्ध

जिन लोगों की मृत्यु के दिन की सही-सही जानकारी न हो, उनका श्राद्ध अमावस्या तिथि को करना चाहिए। सांप काटने से मृत्यु और बीमारी में या अकाल मृत्यु होने पर भी अमावस्या तिथि को श्राद्ध किया जाता है। जिनकी आग से मृत्यु हुई हो या जिनका अंतिम संस्कार न किया जा सका हो, उनका श्राद्ध भी अमावस्या को करते हैं।

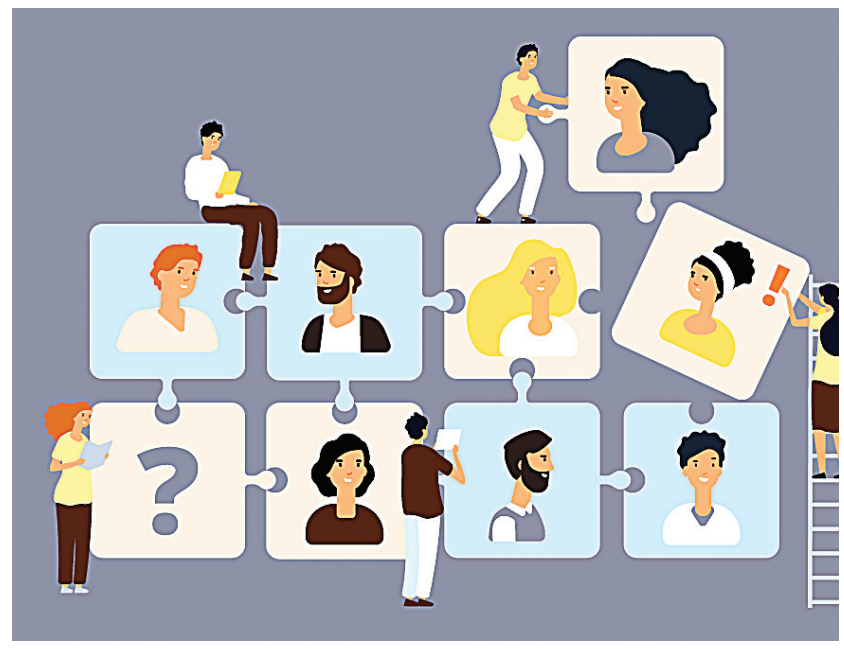

पितृदोष से आते हैं जीवन में संकट

पितरों के आशीर्वाद से जीवन में कभी किसी चीज की कमी नहीं रहती है। घर के बड़े-बुजुर्ग सिर्फ मान-सम्मान चाहते हैं, इनको कभी नहीं भूलना चाहिए। जैसे प्यार पर घर के छोटों का अधिकार होता है वैसे ही पूर्वज सम्मान के अधिकारी होते हैं। खुश होकर ये दिल से अपने वंशजों को आशीर्वाद देते हैं लेकिन पितृ जब नाराज हो जाते हैं तो बसा हुआ संसार उजड़ जाता है। पितर उस स्थिति में नाराज होते हैं, जब घर के किसी मांगलिक कार्यक्रम में, किसी शुभ कार्य में उन्हें याद नहीं करते, उनकी अनदेखी करते हैं।

मान-प्रतिष्ठा का अभाव

पितरों की नाराजगी से व्यक्ति को मान-प्रतिष्ठा के अभाव का सामना करना पड़ सकता है। परिवार के सदस्यों को पग-पग पर समस्याओं से जूझना पड़ता है।

धन का अभाव

पितृदोष होने के कारण धन का अभाव रहता है। व्यक्ति को किसी भी तरह की मदद नहीं मिल पाती। जमा धन बर्बाद हो जाता है। फिजूल खर्ची को वह रोक नहीं पाता है। साथ ही लाख कोशिश के बाद भी कर्ज कभी नहीं उतार पाता।

घर-परिवार में अशांति

पितरों के नाराज होने से घर-परिवार में किसी न किसी कारण झगड़ा होता है। परिवार के सदस्यों में मनमुटाव बना रहता है। घर में अशांति का वातावरण बना रहता है। घर के सदस्यों की शादी में कई प्रकार की समस्याएं आती हैं।

संतान की ओर से कष्ट

पितृदोष के कारण संतान की ओर से कष्ट मिलता है। उनके यहां संतान होने में परेशानी आती है। संतान का स्वास्थ्य खराब रहने या संतान का बुरी संगति में फंसने से परेशानी झेलना होती है।

कोर्ट-कचहरी के चक्कर लगाना

पितृदोष जब होता है तो जाने-अनजाने ऐसी गलती कर बैठते हैं, जिसके कारण कोर्ट-कचहरी का सामना करना पड़ सकता है। प्रशासन की वजह से कोई समस्या हो सकती है, जिससे लंबे समय तक मामला उलझा रहता है।
धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पितृदोष के कारण कई गंभीर व असाध्य रोग घर के सदस्यों को हो जाते हैं।

ऑपरेशंस मैनेजमेंट जैसे इन क्षेत्रों में हैं अच्छे अवसर

निजी क्षेत्र में आजकल सेल्स, ब्रैंड मैनेजमेंट या मार्केट रिसर्च में काफी संभावनाएं हैं हालांकि इसके लिए आपकी कम्यूनिकेशन स्किल्स (संवाद शैली) काफी बेहतर होनी चाहिए। मैनेजमेंट के क्षेत्र में ये विकल्प मौजूद हैं

ऑपरेशंस मैनेजमेंट

अगर आप विपरीत परिस्थितियों को आसानी से हैंडल कर लेते हैं और तकनीक में आपकी रुचि है, तो आप यह स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। यह क्वॉलिटी कंट्रोल और प्रॉडक्टिविटी इंप्रूवमेंट में अहम भूमिका निभाता है।

फाइनैंस

ये लोग बैक एंड पर काम करते हैं और इंवेस्टमेंट बैंकिंग, मर्चेंट बैंकिंग, कॉरपोरेट फाइनेंस वगैरह की रीढ़ की हड्डी होते हैं।

सिस्टम मैनेजमेंट

यह स्पेशलाइजेशन आईटी से ताल्लुक रखता है और अच्छी टेक्निकल व बिजनेस समझ रखने वालों के लिए यह बेहतर रहता है। इसके बाद आपको सिस्टम कंसल्टेंसी, अकाउंट या प्रॉजेक्ट मैनेजमेंट वगैरह में प्लेसमेंट मिल सकता है।

ह्यूमन रिसॉर्स मैनेजमेंट

इसमें काम करने वाले लोगों पर पूरे ऑफिस के लोगों का मैनेजमेंट होता है। इसके लिए आपके पास अच्छा व्यक्तित्व, अच्छी तरह बात करने की क्षमता और रिश्ते बनाने की कला का होना बेहद जरूरी है।

स्पेशलाइज्ड एमबीए

कुछ इंस्टिट्यूस प्लेसमेंट्स को ध्यान में रखकर कोर्स ऑफर कर रहे हैं, जिनमें रूरल मैनेजमेंट, रिटेल मैनेजमेंट, टेलिकॉम मैनेजमेंट, इंश्योरेंस मैनेजमेंट, फॉरिन ट्रेड हैं। इस तरह के हैं कोर्स में एमबीए में दो साल की डिग्री के अलावा, एक साल का फुल टाइम प्रोग्राम, पार्ट टाइम एमबीए, डिस्टेंस लर्निंग एमबीए जैसे विकल्प हैं हालांकि हर विषय की अपनी-अपनी खूबी और खामियां हैं।

इंटर्नशिप के दौरान इन बातों का रखें ध्यान

आप जब कोई पेशेवर कोर्स करते हैं तो जाहिर सी बात है पहले ट्रेनिंग लेनी होगी। ऐसे में आपको किसी संस्थान से जुड़ना पड़ता है और इंटर्नशिप करनी पड़ती है। आप जब भी कहीं इंटर्नशिप करने जाएं तो इससे पहले कुछ बातें साफ होनी चाहिए कि आप इसे क्यों करने जा रहे हैं और इंटर्नशिप के दौरान किन-किन बातों का ख्याल रखना आवश्यक है-
इंटरशिप करते समय आप कुछ उम्मीदें पाल लेते हैं। बेहतर परफॉर्म्रेस इंटर्नशिप शुरू करने से पहले आपके मन में जो कुछ भी सवाल उमड़ रहे हों, पूछ डालें। आप जितनी जल्दी काम करने के तरीके समझेंगे, उतनी ही जल्दी आप काम करने को लेकर प्रेंडली हो सकेंगे। यह बात सच है कि संस्थान में लोगों को पता होता है कि आप कहां तक काम कर सकते हैं। ऐसे में यदि आप जल्दी काम सीखेंगे और काम करने के लिए तत्पर रहेंगे तो जाहिर सी बात है कि जब भी संस्था में किसी पद के लिए बेहद जरूरी मांग होगी, आप उनके काम आ सकेंगे। इससे जहां आपकी परफॉर्म्रेस रिपोर्ट बेहतर होगी, वहीं भविष्य में नौकरी मिलने में परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। इंटर्नशिप कर रहे हों तो अपने सीनियर से मुलाकात जरूर करें और फीडबैक लेना न भूलें। उनसे उनकी उम्मीदों को जानने की कोशिश करें। इससे फायदा यह होता है कि आपको मालूम होता है कि आप किस रास्ते से चलकर करियर में आगे बढ़ सकते हैं। जब भी आपको कोई काम सौंपा जाए तो उसे निःसंकोच स्वीकार करें और समय से पूरा करें। इससे जहां आपके आत्मविश्वास में बढ़ोत्तरी होगी, वहीं लोग आपके जिम्मेदार होने के गुण की प्रशंसा करेंगे, जिसका फायदा जरूर मिलता है।
व्यवहार हर संस्था में कर्मचारियों के व्यवहार को लेकर अलग-अलग मापदंड होते हैं। ऐसे में जितनी जल्दी आप कॉरपोरेट कल्चर सीखेंगे, उतनी ही जल्दी आप अपने व्यवहार से संस्था के लोगों के दिल को जीत सकेंगे। आपका व्यवहार जिंदगी में काफी काम आता है और यही आपके भविष्य की सीढ़ियों को तय करता है।

लिप सर्जरी करा रही हैं तो ध्यान रखें ये बातें

सुंदर होंठ सभी लड़कियों की पहली पसंद होती है। इससे चेहरे की सुंदरता और भी बढ़ जाती है पर कुछ लड़कियों के होंठ बहुत पतले होते हैं जिसके लिए वे प्लास्टिक सर्जरी का सहारा लेती हैं। सर्जरी से होंठों को बेहतर लुक दिया जा सकता है पर ध्यान रहे कि लिप सर्जरी (होंठ को सर्जरी से निखारना) बहुत ही दर्दभरा होता है और अगर सर्जरी के बाद सावधानियां न बरती जाएं तो इससे नुकसान भी हो सकता है। ऐसे में सब लोगों को लिप सर्जरी के बारे में पूरी जानकारी होना बहुत जरूरी है।

सर्जरी के प्रकार

लिप सर्जरी दो तरह की होती है- स्थायी और अस्थायी। अस्थायी सर्जरी में इंजैक्शन की मदद से होंठों में आर्टिफिशयल फिलर भरकर उभार लाया जाता है जो 5-6 महीनों तक ही रहता है और उसके बाद होंठ अपनी पहले वाली शेप में आ जाते हैं। वहीं स्थायी सर्जरी में इम्प्लांट, लिप लिफ्ट और वेरमिलीअन एंडवांसमेंट करवाया जाता है।

फैट ट्रांसफर इंजैक्ट

इसमें शरीर के किसी हिस्स से वसा लेकर होंठों में इंजैक्ट की जाती है जिससे होंठ भरे हुए लगते हैं।

वेरमिल्लियन एडवांसमेंट सर्जरी

इस सर्जरी में होंठों के किनारों को ऊपर की तरफ खींच कर उन्हें चौड़ा किया जाता है। इससे लिप्स ज्यादा पाउटी नजर आते हैं और इससे चेहरे की लुक भी बदल जाती है।

लिप इम्प्लांट सर्जरी

यह मुंह के अंदर से की जाने वाली सर्जरी है और यह स्थायी-अस्थायी दोनों तरीकों से होती है। इसमें मुंह के अंदर से इंप्लांटेशन

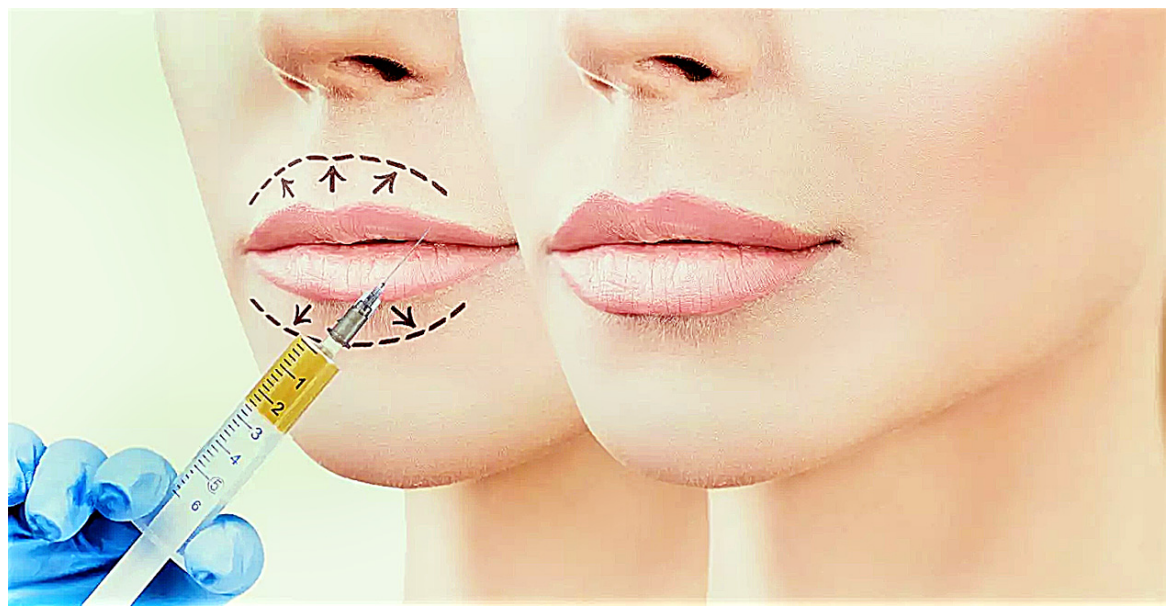

की जाती है जिससे एक खूबसूरत मुस्कान मिलती है।

लिप लिफ्ट सर्जरी

लटके हुए और ढीले होंठों को सही शेप देने के लिए यह सर्जरी करवाई जाती है। इसमें होंठों के किनारों को ऊपर उठाने के लिए सर्जरी की जाती है।

सर्जरी में जोखिम

होंठों में उभार लाने के लिए लड़कियां सर्जरी तो करा लेती हैं लेकिन इनसे होने वाले नुकसान के बारे में नहीं जानती। सर्जरी के दौरान अगर थोड़ी-सी भी लापरवाही बरती जाए तो सूरत खराब हो जाती है। सर्जरी से कई बार संक्रमण हो जाता है जिससे जान भी जा सकती है। अस्थायी सर्जरी कराने के कुछ महीनों बाद होंठ दोबारा अपने आकार में आ जाते हैं जिससे एक बार फिर से इंजैक्शन लगवाने पड़ते हैं। लिप इंम्प्लांट करवाने के बाद अगर चेहरे की शेप बिगड़ जाए तो इसे इंम्प्लांटेशन को हटाना मुश्किल हो जाता है।

आइब्रो बनायें आकर्षक

चेहरे की खूबसूरती में आंखें सबसे अहम भूमिका निभाती है और आंखों का खास आकर्षण है आइब्रो (भौहें)। कुछ लड़कियों के आइब्रो बेहद पतले होते हैं, जो मेकअप करने के बाद भी आकर्षक नहीं दिखाई देते। इसके लिए उन्हे आइब्रो पैंसिल का इस्तेमाल करना पड़ता है। फैशन के हिसाब से देखें तो आजकल मोटी भौहों का भी खूब ट्रैंड है। कई बार जल्दी में कहीं जाना है और पैंसिल करने का समय नहीं है, इसके लिए आप पहले से ही घरेलू तरीके अपनाने शुरू करदें। जिससे पतले आइब्रो घने हो जाएंगे।

आईब्रो को घना बनाने के लिए उपाय

आप सस्ते और आसान उपायों से आइब्रो को घना बना सकते हैं। इसके लिए आपको ज्यादा समय भी खराब नहीं करना पड़ेगा। बस दिन में 5 मिनट इनमें से कोई एक उपाय करके आइब्रो काले और घने बना सकती है।

गुनगुना पानी

हर रोज दिन में 2 बार गुनगुने पानी को रूई के सहायता से आइब्रो पर लगाएं। इसके बाद हल्के हाथों से आइब्रो की मसाज करें। इससे त्वचा में रक्त संचार बढ़ना शुरू हो जाता है। जो बालों की ग्रोथ तेजी से करने का काम करता है।

जैतून का तेल

काले और घने आइब्रो पाने की चाहत रखते हैं तो हर रोज रात को सोने से पहले जैतून के तेल से मसाज करें। इससे फायदा मिलेगा।

अंड़े की जर्दी

अंड़े की जर्दी में सिलेनियम पाया जात है जो आइब्रो को घना बनाने में मदद करता हैष हफ्ते में 2 बार भौहों पर अंड़े की जर्दी लगाएं।

एलोवीरा

रात को सोने से पहले एलोवीरा जैल को रोजाना आइब्रो पर लगाएं। इससे आइब्रो जल्दी काले और घने होने शुरू हो जाएंगे।

कच्चा दूध

दिन में कम से कम 1 बार रूई की सहायता से कच्चा दूध आइब्रो पर जरूर लगाएं। इससे बाल नैचुरल तरीके से काले भी होने शुरू हो जाते हैं।

पायल पहनने के हैं कई फायदे

भारत में पायल पहनना महिलाओं की खूबसूरती बढ़ाने के अलावा सौभाग्यशानी भी माना जाता है। वास्तुशास्त्र के हिसाब से देखा जाये तो महिलाओं के पैरों में पायल पहनने से घर की नकारत्मक शक्तियां दूर हो जाती है। इसके अलावा पायल पहनना महिलाओं के स्वास्थय के साथ-साथ घर को भी बहुत फायदे होते है।
खूबसूरती बढ़ाए : पायल पहनने से पैरों की खुबसूरती भी बढ़ जाती है। इसके अलावा पायल की आवाज से पुरुष आपकी ओर आकर्षत होते है। अगर आप भी अपने पार्टनर को अपनी तरह आकर्षत करना चाहती है तो आज से ही पायल पहनना शुरु कर दें।
पार्टनर के लिए फायदेमंद
आपके पायल पहनने से जब आप अपने कमरे की तरफ जाएगी तो आपके पार्टनर पहले ही सर्तक हो जाएगा। आपकी पायल की आवाज सुनकर आपका पार्टनर खुद को असहज होने वाली स्थिति से बचा लेते है।
रिश्ते में बढ़ता है प्यार
महिलाओं के पायल पहनने से पार्टनर के बीच की नकारात्मका दूर हो जाती है। इससे आपके और पार्टनर के बीच प्यार बढ़ता है। इससे अलावा महिलाओं के पायल पहनने से घर का माहौल भी ठीक रहता है।
हड्डियां होती हैं मजबूत
अच्छे स्वास्थय के लिए पायल पहनना बहुत ही फायदेमंद होता है। पायल आमतौर पर चांदी की होती है और ऐसे में इसको पहनने से हड्डियां मजबूत होती है। पायल के धातु के तत्व त्वचा के द्धारा शरीर के अंदर जाकर हड्डियों को मजबूत करते है।
शरीर का तापमान
पायल से शरीर का तापमान भी नियंत्रित रहता है।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान लिसा बोली, इस बार भारतीय महिला टीम जीत सकती है टी20 विश्व कप

नई दिल्ली (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान लीसा स्थालेकर के अनुसार इस बार यूएई में होने वाले महिला टी20 विश्व कप में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है। लीसाके अनुसार इस अगले माह होने वाले इस टूर्नामेंट मे भारतीय टीम की सलामी बल्लेबाज़ शैफ़ाली वर्मा और स्मृति मंधाना अहम भूमिका निभा सकती हैं। विश्वकप में भारतीय टीम को ग्रुप ए में गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, न्यूज़ीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ रखा गया है। लीसा के अनुसार मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम भी सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी। वे मौजूदा चैंपियन हैं। इसके अलावा इंग्लैंड के भी अच्छे अवसर हैं। वहीं हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय टीम इस बार पिछली गलतियों को ठीक कर सकती है। वे 2020 में फाइनलिस्ट थे और वे लंबे समय से सेमीफाइनलिस्ट हैं। मुझे लगता है कि उनके पास अब इसे बदलने का अवसर है। मुझे लगता है कि वे अच्छी शुरुआत के लिए अपने सलामी बल्लेबाजों पर निर्भर रहेंगे।

जैसे, अगर पूजा वस्त्रकर अगर फिट रह सकती है और वापसी की राह पर है, तो वह कई टीमों के लिए काफी मुश्किल साबित हो सकती है। इसलिए, भारत की संभावनाएं बहुत अधिक हैं। मैं उनसे सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीद करूंगी , अगर फाइनल में नहीं। मुझे लगता है कि उनके पास ताकत, गहराई और अच्छे गेंदबाज़ हैं। मुझे देखना होगा कि क्या सलामी बल्लेबाज़ जेमिमा रोड्रिग्स अच्छा प्रदर्शन करेंगी। फिर चौथी टीम - मुझे नहीं लगता कि न्यूज़ीलैंड वहां होगा, मैंने जो देखा है उसके आधार पर। दक्षिण अफ़्रीका, ज़ाहिर है, 2023 में फ़ाइनलिस्ट था। ऐसा लग रहा था कि उनके पास भी ऐसी ही टीम है, इसलिए उन्हें ज़ोर लगाना होगा।

साथ ही कहा कि वेस्ट इंडीज को भी नजरअंदाज न करें। अगर वे पुरुषों की टीम की तरह खेलते हैं और शानदार टूर्नामेंट खेलते हैं, तो कुछ भी संभव हो सकता है। ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ ऑलराउंडर के रूप में 2010 और 2012 टी20 विश्व कप जीतने वाली लीसा यूएई में आगामी टूर्नामेंट में कमेंट्री करेंगी। उन्होंने बताया कि कैसे टी20 क्रिकेट की अप्रत्याशितता उन्हें खेल के सबसे छोटे प्रारूप को पसंद करती है। कुछ भी संभव है। 50 साल पुराने क्रिकेट की तुलना में टी20 क्रिकेट की सबसे अच्छी बात यह है कि कोई भी दिन अच्छा खेल सकता है या कोई बेहतरीन गेंदबाजी कर सकता है। इसका एक उदाहरण पूनम यादव हैं, जिन्होंने 2020 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहला मैच खेला था, उन्होंने शायद 3 या 4 विकेट (4/19) लिए थे। उसने ऑस्ट्रेलियाई मध्यक्रम को काफी हद तक ध्वस्त कर दिया, इसलिए उन्होंने पर्याप्त रन नहीं बनाए। इसलिए, किसी को भी एक दिन का मौका मिल सकता है। शैफाली, स्मृति, हरमन या भारत के शीर्ष क्रम के अन्य खिलाड़ी किसी भी तरह से कुछ मैचों में शतक बना सकते हैं। इसलिए, मुझे इस प्रारूप के बारे में यही पसंद है।लीसा ने गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की जीत की मानसिकता के मुख्य सिद्धांत को आगे समझाया, जिसने 2018, 2020 और 2023 में टी20 विश्व कप जीत की हैट्रिक के अलावा 2022 वनडे विश्व कप जीत और उसी वर्ष राष्ट्रमंडल खेलों के टी20 स्वर्ण पदक जीता है। ऑस्ट्रेलिया ने मुख्य रूप से इसलिए जीत हासिल की है क्योंकि टीम के भीतर यह मानसिकता है कि वे किसी भी स्थिति से जीत सकते हैं।

टी20 विश्वकप में ट्रंप कार्ड हो सकती हैं दीप्ति : पूनम

महिला क्रिकेटर स्पिनर पूनम यादव ने कहा है कि आगामी टी20 विश्वकप क्रिकेट में भारतीय टीम एक बड़ी दावेदार के तौर पर उतरेगी। पूनम के अनुसार भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर इस टूर्नामेंट में हालात के अनुसार एक या दो स्पिनरों को शामिल कर सकती है। अगर ओस अधिक रही तो दो नहीं तो एक स्पिनर ही पर्याप्त रहेगा। इस स्पिनर ने कहा कि दीप्ति शर्मा और आशा शोभना दोनों को भी अंतिम एकादश में जगह मिल सकती है पर दीप्ति अनुभवी होने के कारण ट्रंप कार्ड साबित हो सकती हैं। दीप्ति ने अब तक 117 मैचों की 75 पारियों में 104.29 की स्ट्राइक रेट से 1020 बनाने के साथ ही 27 131 विकेट भी लिए हैं।

पूनम ने कहा कि यदि ओस अधिक रहती है तो हरमनप्रीत एक या दो स्पिनर रख सकती है। साथ ही कहा कि पिच के उछाल को देखते हुए तेज गेंदबाज भी अहम रहेंगे। इसके अलावा वह कलाई की स्पिनर शोभना पर भी भरोसा कर सकती हैं। कलाई के स्पिनर किसी भी प्रकार के ट्रैक पर गेंद को घुमा सकते हैं और उनकी गति आम तौर पर धीमी होती है। दीप्ति भारत के गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। पिच कैसी भी हो तेज गेंदबाज अहम भूमिका निभाते हैं इसलिए उनको प्राथमिकता मिलेगी। भारतीय टीम आज तक विश्व कप नहीं जीत पायी है। साल 2022 में वह सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार गयी थी।

ऋषभ नहीं जा रहे आरसीबी , सोशल मीडिया में फर्जी खबर लिखने वालों पर भड़के

कानपुर (ईएमएस)। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के कप्तान ऋषभ पंत ने कहा है कि वह आईपीएल के अगले सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) में नहीं जा रहे हैं और इस प्रकार की जो भी बातें कही जा रही हैं वे गलत हैं। ऋषभ ने एक फैन पेज की आलोचना की जो इन फर्जी खबरों को फैला रहा था। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर ऐसी अविश्वसनीय बातें फैलाना सही नहीं है। इस प्रकार की चीजों को जारी करने से पहले खबर की पुष्टि कर लेनी चाहिये और आधारहीन बातें कहकर संशय नहीं फैलाना चाहिये। इस आक्रामक बल्लेबाज ने नाराजगी जताते हुए लिखा, कुछ लोग सोशल मीडिया पर इतनी फर्जी खबरें क्यों फैलाते हैं? अगर ऐसा समझदार लोग कर रहे हैं तो ये और भी निराशाजनक बात है। बिना वजह अविश्वसनीय माहौल बनाना ठीक नहीं है हालांकि मैं जानता हूं कि यह पहली बार नहीं है और आखिरी बार भी नहीं होगा पर मुझे मजबूरन ये लिखना पड़ा है।

ऋषभ ने 2024 आईपीएल सत्र से खेल में वापसी की थी। उन्होंने टी20 विश्व कप 2024 में 8 मैचों में 127.61 की स्ट्राइक रेट से 171 रन बनाए। वहीं इस क्रिकेटर ने बांग्लादेश के खिलाफ अपनी पहली टेस्ट वापसी की, जिसमें उन्होंने 128 गेंदों पर 109 रन की शानदार पारी खेली। इस क्रिकेटर ने यह प्रतिक्रिया फर्जी खबरों के प्रति अपने प्रशंसकों को सजग करने के लिए की है।

केकेआर के मेंटर बने ब्रावो

कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) ने वेस्टइंडीज के क्रिकेटर ड्वेन ब्रावो को अपना मेंटर बनाया है। ब्रावो ने गत दिवस क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा कर दी थी। अब वह आईपीएल 2025 सत्र में केकेआर के मेंटर की भूमिका में नजर आयेंगे। आईपीएल के अलावा ब्रावो यूएई के आईएलटी20 में अबू धाबी नाइट राइडर्स, अमेरिका के मेजर लीग क्रिकेट में लॉस एंजेलिस नाइट राइडर्स, और कैरेबियन प्रीमियर लीग में ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के मेंटर की जिम्मेदारी भी संभालेंगे।

ब्रावो आईपीएल के पिछले दो सत्रों में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के तेज गेंदबाजी कोच और पुरुष टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल तक पहुंचने वाली अफगानिस्तान टीम के मेंटर भी रहे हैं। ब्रावो टी20 के सबसे बेहतर खिलाड़ियों में ऐ एक रहे हैं। अपने करियर में उन्होंने 582 टी20 मैच खेले, 631 विकेट लिए और लगभग 7,000 रन बनाए।

केकेआर के मुख्य कार्यकारी वेंकी मैसूर ने कहा, ब्रावो का हमारे साथ जुड़ना टीम के लिए लाभप्रद रहेगा। उनके अनुभव और ज्ञान से हमारी फ्रेंचाइजी और खिलाड़ियों को काफी कुछ सीखने को मिलेगा। ब्रावो ने भी इस नई जिम्मेदारी पर खुशी जतायी है। साथ ही उन्होंने कहा, मैं पिछले 10 वर्षों से ट्रिनबागो नाइट राइडर्स का हिस्सा रहा हूं और अब अन्य जगह भी यहीं जिम्मेदारी निभाने जा रहा हूं।

फ्रांस में महिला चैम्पियंस लीग फुटबॉल में जुवेंटस की क्रिस्टीना गिरैली खेलती हुई।

युवराज ने खोला छह छक्के लगाने का राज , फ्लिंटॉफ के साथ हुई बहस से प्रेरित हुआ

नई दिल्ली (ईएमएस)। पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह ने आईसीसी टी20 विश्व कप 2007 के पहले ही मैच में इंग्लैंड के खिलाफ एक ही ओवर में छह छक्के लगाकर एक नया रिकार्ड बनाया था। उसी को लेकर युवराज ने माइकल वॉन और एडम गिलक्रिस्ट के साथ बातचीत में कहा कि उस दिन सभी गेंदें बल्ले के बीचों बीच आ रहीं थीं। उन्होंने तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के ओवर में ये छक्के लगाये थे। उसी के साथ युवराज टी20 में एक ही ओवर में 6 छक्के लगाने वाले पहले अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बने। युवराज ने कहा, यह पहला टी20 विश्व कप था और किसी को नहीं पता था कि टी20 खेल को कैसे खेला जाना चाहिए। यॉर्कशायर वह जगह थी जहां मैंने अपना पहला टी20 मैच खेला और इसी दौरान मुझे ये प्रारूप समझ में आया। उन्होंने यह भी कहा कि उस समय अनुभवी खिलाड़ियों को आराम दिया गया था। साथ ही कहा कि फ्लिंटॉफ के साथ हुई बहस के बाद उन्हें लगा कि 6 छक्के लगाकर जवाब देना चाहिये। उन्होंने कहा, फ्लिंटॉफ ने मुझसे कुछ बातें कहीं जिससे मुझे गुस्सा आ गया। तब मैंने अंपायर से कहा कि वह इसे शुरू कर रहे हैं और या तो उन्हें रुकना होगा या अंपायर को बीच में आना होगा। अंपायर ने इसपर अधिक ध्यान नहीं दिखा जिससे मेरा गुस्सा बढ़ गया। तब मैं हर गेंद को मैदान के बाहर मारना चाहता था, और ऐसा ही हुआ। तीसरे छक्के के बाद, मैंने ब्रॉड को लांग ऑफ पर मारा। इसके बाद गेंदबाज ने पैरों पर गें डालने का प्रयास किया। चौथी गेंद अच्छी थी, जो मेरे बल्ले के अंगूठे पर लगी, लेकिन बाउंड्री छोटी थी, इसलिए वह छक्का लग गया। अंतिम गेंद पर मुझे पता था कि यॉर्कर आएगी, मैंने उस पर बल्ला चला दिया जिसपर किस्मत से छक्का लग गया। युवराज की इस पारी ने न केवल भारत को जीत दिलाई बल्कि टी20 क्रिकेट में एक नए युग की शुरुआत भी की।

तेज गेंदबाज आकाश दीप ने कहा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बदलाव लाये

कानपुर (ईएमएस)। युवा तेज गेंदबाज आकाश दीप ने भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर सराहना की है। आकाश ने कहा कि ये दोनो ही अपनी कप्तानी में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बदलाव लाये हैं। इस दौरान ड्रेसिंग रूम का माहौल बेहतर हुआ है। आकाश दीप ने डेब्यू के बाद से ही अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। इस क्रिकेटर ने साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ अपने पहले टेस्ट मैच में तीन विकेट लिए थे। इसके अलावा चेन्नई में बांग्लादेश के खिलाफ भी अच्छी गेंदबाजी करते हुए दो विकेट लिए थे।

आकाश ने कहा कि उन्हें रोहित और विराट से मिले मार्गदर्शन से लाभ हुआ है। आकाश ने कहा कि जब मैं

यहां आया, तो मैंने रोहित, विराट भाई जैसे खिलाड़ियों का समर्पण देख है। मुझे एहसास हुआ कि उन्होंने बहुत कुछ हासिल किया है इसके बाद भी वे प्रशिक्षण के दौरान अभी भी कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उनकी विचार प्रक्रिया एक अलग स्तर पर है। यह मुझे और भी अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित करती है।

इस तेज गेंदबाज ने कप्तान रोहित की सरल नेतृत्व शैली की भी प्रशंस की। उन्होंने कहा कि शुरुआत में मुझे झिझक थी कि दबाव होगा, लेकिन कप्ताने ने चीजों को आसन बनाया। मैंने पहले इतने सहयोग करने वाले कप्तान नहीं देखे हैं। वह चीजों को सरल रखते हैं। इससे मुझे कभी महसूस नहीं हुआ कि मैं घरेलू या अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल रहा हूं। पिछले दो साल में, मैंने बहुत क्रिकेट खेला है। यह हमारे लिए सिर्फ तीन महीने का सत्र नहीं है। रणजी के बाद हम दलीप ट्रॉफी, ईरानी कप खेलते हैं क्योंकि एक खिलाड़ी के तौर पर आपको अपनी को समझने और अपनी ताकत को जानने की जरूरत है।

बीजिंग में चीन ओपन टेनिस में एसीलेन क्रूजर रिटर्न शॉट लगाती हुई।

बारिश के कारण पहले दिन 35 ओवर ही खेल हो पाया, बांग्लादेश ने बनाये तीन विकेट पर 107

कानपुर (ईएमएस)। खराब रौशनी और बारिश के कारण भारत और बांग्लादेश के बीच दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले दिन का खेल तय समय से पहले ही समाप्त हो गया। पहले दिन स्टंप्स घोषित किये जाने के समय बांग्लादेश ने तीन विकेट पर 107 रन बना लिए थे। मुशफिकुर रहीम 6 और मोमिनुल हक 40 रनों पर खेल रहे थे। इस प्रकार पहले दिन केवल 35 ओवर ही फेंके जा सके और दूसरे सत्र में बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा पर जब बारिश नहीं रुकी तो अंपायरों ने खेल समाप्त घोषित कर दिया गया। इस प्रकार लंच के बाद काफी कमय समय ही खेल हो पाया। बांग्लादेश ने लंच के बाद के सत्र में नौ ओवर के खेल में 33 रन बनाये थे। इस दौरान उसने कप्तान नजमुल हसन शंटो का विकेट खो दिया। शंटो ने 31 रन बनाये थे। वहीं बांग्लादेश ने लंच तक अपनी पहली पारी में 2 विकेट पर 74 रन बना लिए थे। लंच के समय मोमिनुल हक 17 और कप्तान नजमुल हसन शांतो 28 रनों पर खेल रहे थे।

इससे पहले आज सुबह भारतीय टीम ने टॉस जीत कर बांग्लादेश को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। बारिश और खराब मौसम के कारण मैच निर्धारित समय से एक घंटा देर से शुरु हुआ। गत दिवस हुई बारिश के कारण मैदान को सुखाने के काफी प्रयास किये गये तभी खेल शुरु हो पाया। दो टेस्ट मैचों की इस सीरीज भारतीय टीम पहला टेस्ट जीतकर 1-0 से आगे है। इस मैच के लिए भारतीय टीम में कोई बदलाव नहीं किया गया जबकि बांग्लादेश ने दो बदलाव किये। बांग्लादेश ने नाहिद राणा और तस्कीन अहमद के स्थान पर तैजुल इस्लाम और खालिद को शामिल किया। इस मैदान पर साल 1964 के बाद यह पहली बार है जब किसी भी टीम ने टॉस जीत कर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया है। यहां अब तक 23 टेस्ट मैच खेले जा चुके है जिसमें भारत ने सात मैच जीते हैं जबकि तीन में वह हारी है।

बांग्लादेश के प्रशंसक की पिटाई

भारत और बांग्लादेश के बीच यहां के ईडन गार्डन पर खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन एक बांग्लादेशी प्रशंसक से मारपीट का मामला सामने आया है। इस प्रशंसक को इस कारण अस्पताल ले जाना पड़ा। इस प्रशंसक के साथ मारपीट किसने की इसका अभी पता नहीं चला है। यह प्रशंसक खुद को 'सुपर फैन रॉबी बता रहा था और उसी की वेशभूषा में था। वहीं उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ के एक अधिकारी ने कहा कि ये प्रशंसक दर्द के कारण इस बात की सही जानकारी नहीं दे पाया है कि उसके साथ किसने मारपीट की। वहीं जो संकेत उसने दिये उममें कहा गया कि किसी ने झगड़े के दौरान उसके पेट में मुक्का मारा गया था।

अधिकारी ने कहा, 'वह जब स्टैंड से बाहर आया तब दर्द से कराह रहा था। वह बेहोश होने लगा था। उसे बैठने के लिए कुर्सी दी गई पर वह गिर गया। इसके बाद उसे स्टेडियम में ही प्राथमिक चिकित्सा प्रदान की गई पर जब वह ठीक नहीं हुआ तो एम्बुलेंस बुलाकर अस्पताल भेजा गया। उन्होंने कहा, 'हमें नहीं पता कि उसे किसी ने मारा था या नहीं। प्रशंसकों पर नजर रखने के लिए उस स्टैंड में केवल एक कांस्टेबल रहता है और उसे भी इस बात की जानकारी नहीं है।

डीआएस फैसलों पर हैरान दिखे रोहित

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा यहां बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट के पहले दिन लिए गये हो दो डीआएस फैसलों पर हैरान दिखे। इन दोनो में ही युवा तेज गेंदबाज आकाश दीप ने बांग्लादेश के दोनों सलामी बल्लेबाजों जाकिर हसन और शादमान इस्लाम को पेवेलियन भेज दिया। रोहित उस अचंभे में पड़ गये जब आकाश दीप ने शादमान को 24 रन पर एलबीडब्यू की अपील करते हुए डीआरएस लेने के लिए कहा जिससे बाद रोहित ने इसे मान लिया। रोहित ने मैदानी अंपायर के फैसले की समीक्षा करने का फैसला किया। जिसके बाद शादमान को आउट करार दिया गया। इसके बाद रोहित के चेहरे पर राहत देखी गयी। वहीं रोहित बांग्लादेश के नजमुल हुसैन शांतो द्वारा विवादास्पद समीक्षा से बचने के बाद निराश दिखे। सिराज ने गेंद फेंकी जो लेग स्टंप के बाहर पिच हुई पर तेजी से पीछे हट गई, शांतो के अंदरूनी किनारे को छूते हुए उनके पैड पर जा लगी। जब ऑन-फील्ड अंपायर ने एलबीडब्ल्यू अपील को अस्वीकार कर दिया, तो रोहित ने समीक्षा का विकल्प चुना, इस उम्मीद में कि पहले जैसा ही परिणाम आएगा। हालांकि बॉल-ट्रैकर ने संकेत दिया कि गेंद स्टंप के ऊपर से निकल रही है जिससे रोहित रीप्ले देखते समय निराश नजर आये।

अब पूरी तरह से फिट हूं, 2025 विश्व चैंपियनशिप जीतना है लक्ष्य : नीरज

सोनीपत (ईएमएस)। ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने कहा है कि वह अब पूरी तरह से फिट हो गये हैं और 2025 विश्व चैंपियनशिप में खेलने के लिए तैयार हैं। नीरज ने कहा कि उनका अगला लक्ष्य 2025 टोक्यो विश्व चैम्पियनशिप के लिए पोडियम में जगह बनाना रहेगा। नीरज हाल ही में ब्रुसेल्स में हुए डायमंड लीग के फाइनल में दूसरे स्थान रहे थे। नीरज ने हरियाणा खेल विश्वविद्यालय के मिशन ओलंपिक 2036 पर आयोजित एक सम्मेलन में कहा, 'मेरा सत्र अब समाप्त हो गया है। मेरा अगले साल का सबसे बड़ा लक्ष्य विश्व चैंपियनशिप जीतना है और हम इसके लिए अभी से तैयारियां शुरू कर देंगे। विश्व चैंपियनशिप अगले साल 13 से 21 सितंबर तक खेली जाएगी। चोपड़ा इस साल मांसपेशियों की चोट से परेशान रहे जिस कारण उन्हें ओलंपिक और डायमंड फाइनल में परेशानी का सामना करना पड़ा। चोपड़ा ने फिटनेस के बारे में पूछे जाने पर कहा कि अभी वह अपनी तकनीक में सुधार करने पर ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मेरे लिए यह साल चोटों से भरा रहा है पर अब चोट अब ठीक है। मैं नये सत्र के लिए पूरी तरह से फिट हो जाउंगा। उन्होंने कहा, 'तकनीकी मुद्दे भी हैं लेकिन हम उन पर काम करेंगे। मैं अपनी तकनीक में सुधार करने पर ध्यान दूंगा। मैं भारत में भी अभ्यास करना पसंद करता हूं पर जब प्रतियोगिताएं शुरू होती हैं तब मेरे लिए विदेश में अभ्यास करना सही रहता है।

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोश पाकिस्तान दौरे से बाहर हुए

लंदन (ईएमएस)। इंग्लैंड के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जोश हल क्वाड चोटिल होने के कारण आगामी पाकिस्तान दौरे से बाहर हो गये हैं। तेज गेंदबाज जोश को श्रीलंका के खिलाफ हाल में हुई टेस्ट सीरीज के दौरान चोट लग गयी थी। इसी कारण उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रही सीमित ओवरों की सीरीज में भी शामिल नहीं किया गया था। पहले ये संभावना जतायी जा रही थी कि वह पाकिस्तान दौरे से पहले ठीक को जाएंगे पर अब ऐसी कोई उम्मीद नहीं है। इसी कारण उन्हें पाक के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टेस्ट सीरीज से बाहर कर दिया गया है। से बाहर करने का फैसला किया। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने हालांकि उनकी जगह किसी अन्य खिलाड़ी के नाम की घोषणा अभी नहीं की है। हाल ने पिछले एक साल में घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर टीम में जगह हासिल की थी। ओल्ड ट्रैफर्ड में शुरुआती टेस्ट में मार्क वुड के चोटिल होने के बाद हल को इंग्लैंड के अंतिम ग्यारह खिलाड़ियों में जगह मिली थी। इस गेंदबाज ने अपने पहले ही टेस्ट की पहली पारी में तीन विकेट लेकर सबको हैरान कर दिया। उसने पथुम निसांका, कप्तान धनंजय डी सिल्वा और विश्व फर्नांडो को पेवेलियन भेजा। हल दूसरी पारी में हालांकि विफल रहे। इससे श्रीलंका ने ये मैच जीत लिया। ये इंग्लैंड टीम को गर्मी में मिली एकमात्र टेस्ट हार रही। इंग्लैंड की टीम अगले माह 7 अक्टूबर से पाक के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगी।

श्रीलंका के मेंडिस ने बनाया नया रिकार्ड

गाले (ईएमएस)। मेजबान श्रीलंका ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में अच्छी शुरुआत करते हुए अपनी पहली पारी में 3 विकेट पर 306 रन बना लिए। पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय दिनेश चांदीमल 116 और एंजलो मैथ्यूज नाबाद 78 रनों पर खेल रहे थे। इसके अलावा कामिंडु मेंडिस ने भी नाबाद नाबाद 51 रन बनाये। इस मैच में मेंडिस ने युवा अपने 50 रन पूरे करने के साथ ही एक नया विश्व रिकार्ड बना दिया। इसी के साथ ही मेंडिस दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए हैं, जिन्होंने पदार्पण के बाद 8 टेस्ट मैच में 8 बार 50 से अधिक रन बनाए हैं। इस प्रकार उन्होंने पाकिस्तान के बल्लेबाज सऊद शकील के लगातार 7 टेस्ट में 50 से ज्यादा रनों के रिकार्ड को पीछे छोड़ दिया। वहीं इससे पहले सुनील गावस्कर, बेसिल बुचर, सईद अहमद और बर्ट सुटक्लिफ के नाम पदार्पण के बाद लगातार 6 टेस्ट मैचों में अर्धशतक लगाने का रहा था।

मेजबान श्रीलंका टीम की टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए शुरुआत अच्छी नहीं रही और पहले ही ओवर में उसके बल्लेबाज पुथम निसंका एक रन बनाकर ही पेवेलियन लौट गये।

इसके बाद दिनेश चांदीमल ने दिमुथ करुणारत्ने के साथ पारी संभाली और दूसरे विकेट के लिए 122 रन जोड़े। । 40वें ओवर में दिमुथ करुणारत्ने 46 रन बनाकर आउट हो गये। वहीं न्यूजीलैंड की ओर से टिम साउदी और ग्लेन फिलिप्स ने एक-एक विकेट लिया।

पांचवीं राज्य स्तरीय क्वान कराटे चैंपियनशिप प्रतियोगिता संपन्न, माहेश्वरी स्कूल का उत्कृष्ट प्रदर्शन

इन्दौर (ईएमएस) खंडवा रोड स्थित अरिहंत कॉलेज में राज्य स्तरीय पांचवी क्वान कराटे की दो चैंपियनशिप प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। जिसमें उज्जैन, इंदौर, देवास और ग्वालियर के कई छात्र खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का उद्देश्य युवा खिलाड़ियों में कराटे के प्रति उत्साह और आत्मविश्वास को बढ़ावा देना था। श्री माहेश्वरी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों ने इस प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। 11वीं कक्षा के छात्र मास्टर उमर शेख़ ने अंडर 17 श्रेणी में शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल जीता। तो वहीं 8वीं कक्षा के छात्र मास्टर मोहित शर्मा ने अंडर 14 श्रेणी में ब्राउन मेडल प्राप्त किया। विद्यालय के कराटे कोच अनिकेत डांगी ने छात्रों की मेहनत और लगन की सराहना करते कहा कि यह सफलता केवल इन छात्रों के प्रयासों का परिणाम नहीं, बल्कि विद्यालय के सभी छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती प्रतिभा कानूनगो और अध्यक्ष देवेंद्र बाहेती भी उपस्थित थे। उन्होंने विजेताओं को बधाई दी और कहा कि उनकी इस सफलता से अन्य छात्रों को भी प्रेरणा मिलेगी। प्राचार्य ने बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए उन्हें उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और कहा कि निरंतर अभ्यास और समर्पण से ही सफलता प्राप्त की जा सकती है। इस प्रतियोगिता ने युवा खिलाड़ियों के लिए एक सकारात्मक माहौल तैयार किया और उन्हें कराटे जैसे मार्शल आर्ट के प्रति और अधिक उत्साहित किया।

ब्रावो ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लिया

जमैका (ईएमएस)। वेस्टइंडीज के स्टार क्रिकेटर ड्वेन ब्रावो ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया है। ब्रावो ने संन्यास का ये फैसला सीपीएल 2024 से बाहर होने के बाद किया। ब्रावो को फिट नहीं होने के कारण इस सीपीएल में शामिल नहीं किया गया था। इस क्रिकेटर का कहना है कि अब उनका शरीर साथ नहीं दे रहा है जिस कारण वह खेल को अलविदा कह रहे हैं। गत वर्ष उन्होंने आईपीएल से संन्यास ले लिया था। ब्रेवो ने साल 2021 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। उसके बाद से ही वह टी20 लीग में खेल रहे थे पर अब वह इस लीग से भी बाहर रहेंगे। ब्रावो ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में संन्यास की घोषणा करते हुए कहा, पेशेवर क्रिकेटर के रूप में 21 साल खेलने की यात्रा मेरे लिए बेहद अच्छी रही है हालांकि इसमें कई उतार-चढ़ाव भी आए पर सबसे सुखद बात ये रही कि मैं अपने सपने पूरे कर पाया।

विराट, रोहित जैसी अनुभवी खिलाड़ियों को भी घरेलू क्रिकेट खेलना चाहिये : मांजरेकर

मुम्बई (ईएमएस)। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा को घरेलू क्रिकेट भी खेलना चाहिये। मांजरेकर के अनुसार अगर विराट और रोहित बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट से पहले दिलीप ट्रॉफी खेलते तो उन्हें बल्लेबाजी में आसानी होती। चेन्नई में हुए पहले टेस्ट में रोहित और विराट रन बनाने में असफल रहे थे। मांजरेकर ने कहा कि अगर उन्होंने कुछ लाल गेंद वाला क्रिकेट खेला होता तो उनके लिए हालात अच्छे होते। उन्हें दलीप ट्रॉफी में चुनने का विकल्प था, इसलिए वे नहीं खेले। मेरा मानना है कि इस प्रकार का विकल्प अनुभवी खिलाड़ियों को नहीं मिलना चाहिये। कुछ खिलाड़ियों के साथ अलग व्यवहार नुकसानदेह हो सकता है। बीसीसीआई को वही करना चाहिये जो भारतीय क्रिकेट और खिलाड़ी के लिए सबसे अच्छा हो। विराट और रोहित का घरेलू क्रिकेट से दूर रहना भारतीय क्रिकेट के लिए अच्छा संकेत नहीं है। न ही ये खिलाड़ियों के लिए अच्छा है। अगर उन्होंने दलीप ट्रॉफी खेली होती और लाल गेंद वाले क्रिकेट में कुछ समय बिताया होता तो उनके लिए पहले टेस्ट में हालात अलग होते। मांजरेकर ने कहा कि कुछ खिलाड़ियों को उनके अनुभव और स्तर के आधार पर विशेष सुविधाएं मिल रही हैं जो सही नहीं है। , मांजरेकर ने हालांकि कहा कि कोहली और रोहित दोनों के पास रन बनाने की पूरी क्षमता है।

पेट्रोल-डीजल के दाम जल्द कम हो सकते हैं: मार्च से कच्चे तेल की कीमतें 12% घटीं, पेट्रोल-डीजल पर कंपनियों की कमाई 15 रुपए लीटर तक बढ़ी

नई दिल्ली: देश में पेट्रोल-डीजल के दाम कुछ कम हो सकते हैं। क्योंकि, मार्च से अब तक कच्चे तेल की कीमतें 12% तक कम हुई है। इससे ऑयल मार्केटिंग और रिफाइनिंग कंपनियों का मार्जिन बढ़ा है। इसकी वजह से पेट्रोल- डीजल के दाम में 2-3 रुपए लीटर कटौती की गुंजाइश हो सकती है। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने की रिपोर्ट में इस बात की जानकारी दी गई है। भारत में इंपोर्ट होने वाले क्रूड ऑयल की एवरेज कीमत इस महीने कम होकर 74 डॉलर प्रति बैरल रह गई है। मार्च में इनके दाम 83-84 डॉलर थे। उस दौरान पेट्रोल-डीजल की कीमतें 2 रुपए प्रति लीटर घटाई गईं थी। उसके बाद से इनके दाम स्टेबल बने हुए हैं। इक्रा के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और ग्रुप हेड (कॉरपोरेट रेटिंग्स) गिरीशकुमार कदम ने कहा, 'मार्च-सितंबर के बीच पेट्रोल की बिक्री से ऑयल मार्केटिंग कंपनियों की आय 15 रुपए और डीजल पर 12 रुपए प्रति लीटर बढ़ी है। ऐसे में यदि कच्चे तेल के दाम स्थिर रहते हैं,

तो पेट्रोल-डीजल के दाम 2-3 रुपए लीटर घटाए जा सकते हैं।'

क्रूड के दाम 5 महीने में 12% घटे, ढाई साल के न्यूनतम स्तर पर पहुंच गए

दरअसल अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम बढ़ने से इंडियन ऑयल और हिंदुस्तान पेट्रोलियम जैसी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों की कमाई यानी ग्रॉस रिटेल मार्जिन घट जाता है। लेकिन यदि कच्चा तेल सस्ता होता है और पेट्रोल-डीजल पर उनका मार्केटिंग गेन 1 रुपए प्रति लीटर भी बढ़ता है तो जीआरएम लॉस 75 रुपए प्रति बैरल कम हो जाता है। कदम के मुताबिक, देश में अभी यही हो रहा है। इसीलिए पेट्रोल और डीजल के दाम कम होने के आसार बन रहे हैं।

नीतिगत बदलाव महंगाई के ज्यादा स्पष्ट आंकड़े जारी करने पर विचार

सरकार रिटेल महंगाई में कोर इन्फ्लेशन के आंकड़े शामिल कर सकती है। कोर इन्फ्लेशन को मेजर करते समय इसमें खाने की चीजें और पेट्रोल-डीजल जैसे एनर्जी सेक्टर के आंकड़े शामिल नहीं किए जाते हैं। दूसरी तरफ रिटेल महंगाई के आंकड़ों में ये दोनों आइटम्स की कीमतों में बीते एक साल के दौरान हुए डिफरेंस को शामिल किया जाता है। दोनों आंकड़े अलग-अलग जारी होते हैं।

टैक्स कटौती से घी-मक्खन, कम्प्यूटर भी हो सकते हैं सस्ते

पश्चिम बंगाल की वित्त मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने गुरुवार को कहा कि GST रेट्स तर्कसंगत बनाने पर गठित मंत्रिसमूह ने 100 से ज्यादा वस्तुओं के टैक्स पर चर्चा की है। कुछ प्रोडक्ट्स पर जीएसटी 12% से घटाकर 5% करने का प्रस्ताव इसमें शामिल है। 20 अक्टूबर को मंत्री समूह की अगली बैठक में इस पर चर्चा की जाएगी। घी-मक्खन, कम्प्यूटर और जूस जैसे प्रोडक्ट्स पर अभी 12% टैक्स लगता है। मंत्री समूह की अगली बैठक में जरूरी दवाओं, मेडिकल उपकरण, साइकिलें और बोतलबंद पानी पर भी टैक्स घटाने के प्रस्ताव पर चर्चा की जाएगी।

ऑलटाइम हाई बनाकर 264 अंक गिरा सेंसेक्स:ये 85,571 के स्तर पर बंद, निफ्टी भी रिकार्ड हाई बनाकर 37 अंक फिसला

सेंसेक्स ने आज यानी 27 सितंबर को 85,978 और निफ्टी ने 26,277 का रिकॉर्ड स्तर छुआ। ये लगातार 8वां दिन है जब बाजार ऑल टाइम हाई पर पहुंचा। हालांकि, बाद में इसमें गिरावट देखने को मिली और सेंसेक्स 264 अंक की गिरावट के साथ 85,571 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 37 अंक की गिरावट रही, ये 26,178 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 15 में तेजी और 15 में गिरावट रही। निफ्टी के 50 शेयरों में से 29 में तेजी और 20 में गिरावट रही। जबकि, एक शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुआ। एनएसई के मीडिया सेक्टर में सबसे ज्यादा 1.55% की गिरावट रही।

आधार-पैन को लेकर सरकार का एक्शन, जानकारी को उजागर करने वाली कुछ वेबसाइट को ब्लॉक किया

सरकार ने भारतीय नागरिकों के आधार और पैन कार्ड विवरण सहित संवेदनशील व्यक्तिगत पहचान-योग्य जानकारी को उजागर करने वाली कुछ वेबसाइट को ब्लॉक कर दिया है। गुरुवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत संचालित भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया दल (सीईआरटी-इन) ने इन वेबसाइट में सुरक्षा खामियां पाई थीं। उसके बाद सरकार ने इन वेबसाइट को ब्लॉक करने का कदम उठाया है। बयान के मुताबिक, मंत्रालय के संज्ञान में आया है कि कुछ वेबसाइट भारतीय नागरिकों के आधार और पैन कार्ड विवरण सहित संवेदनशील व्यक्तिगत जानकारियों को उजागर कर रही थीं। इस मामले को गंभीरता से लिया गया है क्योंकि सरकार सुरक्षित साइबर सुरक्षा व्यवहार और व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। इसके अनुरूप इन वेबसाइट को ब्लॉक

करने के लिए त्वरित कार्रवाई की गई है। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने आधार (वित्तीय और अन्य सब्सिडी, लाभ और सेवाओं का लक्षित वितरण) अधिनियम, 2016 के तहत आधार से जुड़े विवरण के सार्वजनिक प्रदर्शन पर रोक संबंधी प्रावधान के उल्लंघन पर संबंधित पुलिस अधिकारियों के पास शिकायत दर्ज कराई है। बयान में कहा गया है, सीईआरटी-इन ने इन वेबसाइट के विश्लेषण से कुछ सुरक्षा खामियां उजागर की हैं। संबंधित वेबसाइट मालिकों को आईसीटी अवसंरचना को मजबूत करने और खामियों को दुरुस्त करने के लिए उनके स्तर पर की जाने वाली कार्रवाई के बारे में मार्गदर्शन प्रदान किया गया है। आईटी अधिनियम के तहत, कोई भी प्रतिकूल रूप से प्रभावित पक्ष शिकायत दर्ज करने और मुआवजे की मांग करने के लिए निर्णायक अधिकारी से संपर्क कर सकता है।

राज्यों के आईटी सचिवों को निर्णायक अधिकारी के रूप में अधिकार दिया गया है। पिछले हफ्ते एक साइबर सुरक्षा शोधकर्ता ने दावा किया था कि स्टार हेल्थ इंश्योरेंस के अधिकारियों ने 3.1 करोड़ ग्राहकों का डेटा बेचा है।

भारत में चीन से डंपिंग का खतरा; अमेरिका ने चीनी उत्पादों पर लगाया ज्यादा शुल्क

भारत में चीन से उत्पादों की भारी मात्रा में आमद का खतरा मंडरा रहा है क्योंकि सोलर पैनल, इलेक्ट्रिक वाहन, लीथियम-आयन बैटरी, सीरिंज तथा इस्पात जैसे चीन के कई उत्पादों पर अमेरिका का बढ़ा हुआ शुल्क 27 सितंबर से प्रभावी हो रहा है। ऊंचे शुल्क के कारण अमेरिकी बाजार में चीन के उत्पादों की पहुंच घट रही है, ऐसे में इसकी चिंता बढ़ गई है कि चीन निर्यात के जरिये भारत और दूसरे बाजारों को अपने उत्पादों से पाट सकता है। इससे भारतीय उद्योगों खास तौर पर उन क्षेत्रों को चुनौती का समाना करना पड़ सकता है जहां चीन के उत्पाद पहले से ही कड़ी टक्कर दे रहे हैं। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनी शिएटिव के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि भारत को अपने उद्योगों की रक्षा के लिए सक्रियता से कदम उठाने चाहिए।

उन्होंने कहा, 'सरकार को इन उत्पादों के दैनिक आयात पर नजर रखने के लिए वाणिज्य विभाग के अंतर्गत एक 'वार रूम' स्थापित करना चाहिए।

इससे घरेलू बाजार में बेजा प्रतिस्पर्धा से देसी कारखानों को बचाने और चीन से सामान की डंपिंग का पता लगाकर उसे रोकने में मदद मिलेगी। समय पर हस्तक्षेप होगा तो भारत के विनिर्माण क्षेत्र को चीन की कंपनियों के सामने कड़ी टक्कर पेश करने में भी मदद मिलेगी।'अमेरिका में नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनावों से पहले बाइडन सरकार द्वारा चीन के उत्पादों पर 7.5 से 100 फीसदी तक ऊंचा शुल्क लगाया गया है। इस साल की शुरुआत में एक सरकारी अधिकारी ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर कहा कहा था, 'हमारे यहां व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) प्रणाली है, इसके साथ ही प्रभावी डंपिंग-रोधी प्रणाली भी है। ऐसे में अगर कोई अपने उत्पाद यहां डंप करना चाहेगा तो सभी संस्थागत तंत्र उस पर नजर रखेंगे। और हम उसके अनुसार कार्रवाई करेंगे।'

भारतीय स्टील संघ के महासचिव आलोक सहाय ने कहा, 'पिछले साल देश में चीन से स्टील का निर्यात 91 फीसदी बढ़ गया था। इस साल भी इसमें तेजी आई है। इस साल चीन निर्यात पर ज्यादा ध्यान दे रहा है क्योंकि उनके सभी स्टील आयातक देशों ने चीनी स्टील पर बंदिशें लगा दी हैं लेकिन भारत जैसे देश में ऐसा कम ही देखा गया है। भारत में डंपिंग-रोधी शुल्क लगाने के लिए नुकसान को साबित करने की प्रक्रिया काफी लंबी है। हम सरकार के साथ चर्चा कर रहे हैं और वह हमारी मदद करने के लिए काम कर रही है।' अगस्त के आयात-निर्यात के आंकड़ों के अनुसार चीन को भारत से होने वाला निर्यात 22.44 फीसदी घटकर 1 अरब डॉलर रहा जबकि आयात 15.5 फीसदी बढ़कर 10.8 अरब डॉलर पहुंच गया।

लॉफिंग ज़ोन

बंता : यार संता! अगले शुक्रवार को मेरी शादी है , सभी दोस्तों को बुलाया है। तुम भी जरूर आना।

संता : यार आऊंगा तो जरूर , लेकिन मेरे पास कोई गिफ्ट नहीं है।

बंता : यार गिफ्ट की क्या जरूरत है, बस शादी के लिए एक लड़की ले आना।

☺ ☺ ☺

एक कुंए के बारे में यह मशहूर था कि उसमें सिक्का डालकर मांगने से हर मुराद पूरी होती है।

यह सुनकर एक दंपती भी कुंए के पास पहुंचे।

पति ने सिक्का डाला और उसके बाद पत्नी जैसे ही सिक्का डालने के लिए झुकी कि कुंए में गिर गई।

पति खुशी से झूम उठा : मुझे नहीं मालूम था कि यहां मुराद इतनी जल्दी पूरी हो जाती है।

☺ ☺ ☺

भिखारी: साहब एक रुपया दे दो।

आदमी : आज मेरे पास छुट्टे नहीं हैं, कल आना।

भिखारी: साहब , इस कल-कल के चक्कर में कॉलोनी में मेरे लाखों रुपये फंसे हुए हैं।

☺ ☺ ☺

आज का इतिहास

1951 इंडोनेशिया राष्ट्रसंघ का सदस्य बना.

1965 मनीला फिलीपींस से 56 किलो मीटर दक्षिण में ज्वालामुखी फूटने से 184 व्यक्तियों की मौत हो गयी.

1977 जापान के छापामारों ने अपहृत विमान के 156 व्यक्तियों को बंधक बना लिया.

1987 ईरान में आयातुल्ला खोमेनी के उत्तराधिकारी मेंहदी हाशमी को गोली से उड़ा दिया गया.

1988 चेकोस्लोवाकिया ने ब्रिटेन के दो सैन्य अधिकारियों को निष्कासित कर दिया.

1989 फिलीपींस के पूर्व राष्ट्रपति फर्डीनांड का निधन.

1993 कराकस राजमार्ग के नीचे गैस पाइपलाइन के विस्फोट से पचास व्यक्ति मारे गए.

2003 भारत ने छठे एशियाई कप हॉकी टूर्नामेंट में पाकिस्तान को पराजित कर खिताब जीता.

2004 अंग्रेजी साहित्य के प्रसिद्ध साहित्यकार मुल्कराज आनंद का पुणे में निधन.

दैनिक पंचांग

28 सितम्बर 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	07.17 बजे से
चंद्र	कर्क में	वृश्चिक	09.31 ब.से
मंगल	मिथुन में	धनु	11.47 बजे से
बुध	कन्या में	मकर	13.52 बजे से
गुरु	वृष में	कुंभ	15.39 बजे से
शुक्र	तुला में	मीन	17.12 बजे से
शनि	कुंभ में	मेष	18.42 बजे से
राहु	मीन में	वृष	20.22 बजे से
केतु	कन्या में	मिथुन	22.20 बजे से
		कर्क	00.34 बजे से
		सिंह	02.50 बजे से
		कन्या	05.02 बजे से

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

शनिवार 2024 वर्ष का 272 वां दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** एकादशी 14.50 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** आश्लेषा 03.38 बजे रात्र को समाप्त। **योग** सिद्ध 23.51 बजे को समाप्त। **करण** बालव 14.50 बजे तदनन्तर कौलव 03.46 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 02° 08' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872116 **जूलियन दिन** 2460581.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2550 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 24 **विशेष** इंदिरा एकादशी व्रत, माघ श्राद्ध, लता मंगेशकर जयंती।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
काल	05.55	से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37	से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23	से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10	से	08.42 बजे तक
रोग	08.51	से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42	से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19	से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14	से	11.47 बजे तक
चर	11.46	से	01.14 बजे तक	चर	11.47	से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14	से	02.42 बजे तक	रोग	01.19	से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42	से	04.10 बजे तक	काल	02.51	से	04.23 बजे तक
काल	04.10	से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23	से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 6701

बाएँ से दाएँ

1. भगवान, ईश्वर, रब-7
6. रुपये का सोलहवां भाग-2
7. मध्यप्रदेश का एक भाग-3
8. मूल्य, कीमत, दर-2
10. जी, इच्छा, चित-2
11. नलका, टोंटी-2
13. बारीक, सूक्ष्म-3
14. रेखा, लाइन-3
15. रग, नाड़ी-2
17. अधिकार -2
18. वध, कत्ल, मर्डर-2
20. दौड़ने वाला, धावक (अंग्रेजी-3)
21. एक आंख वाला-2
22. निंदा करना, प्रतिष्ठा खंडित करना-4,3

ऊपर से नीचे

2. निर्माण, बनाना-3
3. एक संगीतकार-4
4. गाड़ी चलानेवाला-4
5. नखरा-2
6. आरामदेय-5
9. इच्छा पूरी करना-2,3
10. चिंतन-3
12. उत्साह, जिज्ञासा-3
16. हद, सीमा, बार्डर-4
17. हमेशा, सदैव-4
19. बलिदान, परित्याग, विरक्ति-2
21. नास्तिक (उर्दू-2)

शब्द पहेली-6700 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

अंकजाल - 6242

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

	14	21	21	■	32	21	12	19	■
12		7		■		5		9	22
14	2		5	■	8		5		23
16		2		■		9		7	26
21	2		7		5	■	■	■	■
■	■	■	■	7		9		3	29
26	8		6		■		6		13
18		2		6	■	3		7	14
29	8		5		■		6		18
■	21	15	16	30	■	19	18	22	■

अंकजाल 6241 का हल

■	25	19	23	■	31	19	16	11	■
14	7	2	5	■	7	8	5	4	24
18	9	2	7	■	5	8	7	5	25
13	3	8	2	■	7	3	4	2	16
32	6	7	9	3	7	■	■	■	■
■	■	■	■	2	5	9	2	3	21
26	8	5	6	7	■	3	6	4	13
18	5	2	5	6	■	3	4	7	14
29	8	8	5	8	■	6	4	4	14
■	21	15	16	26	■	21	16	18	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-5186

6			7	4		
1	28	3	35	5	34	7
	5		3		2	6
7	34		26		33	
3	6			1	7	
	30	4	33		32	1
2	1		6		5	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5185 का हल

1	5	3	7	4	2	6
2	29	4	36	6	29	1
5	2	7	4	1	6	3
3	33	6	33	7	32	2
6	3	1	5	2	7	4
4	32	5	29	5	34	7
7	4	2	6	3	1	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

गणित पहेली -4546

10		20		30		40	=	40
	■		■		■		■	
40		75		40		25	=	50
	■		■		■		■	
52		51		48		36	=	13
	■		■		■		■	
2		50		54		10	=	36
=	■	=	■	=	■	=	■	=
51		94		76		41	=	41/23

Jagrutidaur.com, Bangalore

संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (x) व (÷) के निशान लगाने हैं जिनका उत्तर (=) पूर्णतः मेल खाता हो.

गणित पहेली -4545

94	-	91	+	15	-	7	=	11
-	■	+	■	+	■	+	■	+
33	-	20	+	24	-	15	=	22
-	■	-	■	+	■	-	■	-
50	-	44	+	24	-	15	=	15
+	■	-	■	-	■	+	■	+
39	+	56	-	2	-	35	=	58
=	■	=	■	=	■	=	■	=
50	-	11	+	61	-	42	=	76/58

शब्दजाल - 6233

शब्दजाल में राशिचक्र की 10 राशियों के नाम ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

अ	मु	न	सी	ब	आ	ज	ग	ल	व	रा
वि	ली	प्रे	क	न्या	स	द	ज	कां	ड़	चु
मे	ष	बा	दी	छ	मि	आ	ब	वृ	क	इं
नौ	ब	न	बा	वा	स	थु	ल	ष	क	डि
अ	मी	ल	म	चा	न	क्रो	न	भ	च	या
ल	न	र	रा	क	ली	ती	ण	घ	र	द
सिं	निं	ग	ट्रे	न	र	स	बा	व	स	क
ह	ऊ	ई	द	ब	क	फ	चो	श	क	रा
म	तु	ला	रा	म	स	या	औ	र	आ	क
गॉ	ल	प	लि	जी	कुं	भ	म	प	द	क
ड	क	र्क	या	क	र्त	व्य	ब	त	म	श

मेष, मकर, वृषभ, कन्या, सिंह, तुला, कुंभ, मीन, मिथुन, कर्क

शब्दजाल - 6232 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

बेरमो विधायक कुमार जय मंगल में किया शिलान्यास

बेरमो : दुगदा बेरमो विधायक कुमार जय मंगल सिंह ने विधायक मद एवं डीएमएफटी मद से बनने वाली की योजना दुगदा क्षेत्र के विभिन्न पंचायत में गुरुवार को जनहित के योजनाओं का शिलान्यास किया.शिलान्यास किए गए योजनाओं में डीएमएफटी मद से दुगदा बस्ती में भरत साहू के घर से पुरुषोत्तम झा के घर तक बीच में नाला एवं ढक्कन सहित पीसीसी पथ,हिरक रोड़ से दुगदा बस्ती के दुर्गा मन्दिर तक पीसीसी पथ निर्माण कार्य, कर्माटाँड पंचायत के कर्माटांड में बोकारो झरिया ओपी से लेकर नया सामुदायिक भवन तक पीसीसी पथ निर्माण कार्य, कर्माटाँड पंचायत सचिवालय भवन निर्माण कार्य,जेईपीसी मद से राज्यकृत मध्य विद्यालय दुगदा के जीर्णोद्धार के निर्माण,कर्माटाँड धौडा में डॉ भीमराव अंबेडकर प्रतिमा के ऊपर शेड निर्माण शामिल है.मौके पर कांग्रेस पार्टी के चंद्रपुरा प्रखंड अध्यक्ष प्रभुदयाल सिंह,संतन सिंह,मंटू महथा,रजनीश दास, रूपलाल गोप, मुखिया सुनीता देवी, पूर्व मुखिया करली देवी,गणेश दास, उप मुखिया मनोज रविदास, दुखन मुर्मू,बोढन यादव,कालीपदो गोस्वामी,दीपक पांडेय,विश्वनाथ दयाल राम, दुबेश केवट,राज कुमार पांडेय, संजीत झा,जीतन मुर्मू आदि दर्जनों लोग उपस्थित थें।

मईया सम्मान यात्रा में महिलाओं ने दिखाया जोश

जमशेदपुर । झारखंड सरकार के द्वारा चलाये जा रहे मईया सम्मान यात्रा पूर्वी सिंहभूम जिला के बहरागोड़ा स्थित शाखा मैदान पहुंची , जहां विशाल जनसभा का आयोजन किया गया । इस जन महासभा में सैकड़ों की संख्या मे क्षेत्र की महिलाएं शामिल हुई । इस दौरान राज्य की मंत्री बेबी देवी, गांडेय विधायिका सह राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन, बाहरगोड़ा विधायक समीर मोहंती समेत झामुमो के कई नेतागण उपस्थित रहे । सभी महिलाएं बारिश के बावजूद हाथों मे छाता लिए मैदान मे अपने नेत्री को देखने हेतु डेट रहे । जन महासभा में अपने भाषण के दौरान विधायिका कल्पना सोरेन ने कहा कि राज्य सरकार के मुखिया हेमंत सोरेन ने राज्य भर की महिलाओं को सम्मान देने का कार्य किया है । मईया सम्मान योजना के तहत 18 वर्ष से लेकर 50 वर्ष तक की महिलाओं को प्रत्येक माह एक हजार देकर उन्हें सशक्त बनाने का कार्य झारखण्ड सरकार कर रही है और यही योजना भाजपा को रास नहीं आ रही है । भाजपा के लोगों द्वारा पीछे से इस योजना के खिलाफ पीआईएल दर्ज किया जा रहा है, लेकिन यह योजना रुकने वाली नहीं है । महिलाओं को सम्मान देने की योजना निरंतर चलती रहेगी । बहरागोड़ा आने के दौरान विभिन्न चौक चौराहों पर कल्पना सोरेन का नागरिक अभिनन्दन भी महिलाओं ने किया । जन महासभा में हजारों की संख्या में झामुमो कार्यकर्ता व अन्य लोग उपस्थित थे।

सपनों के लोक पर विराजमान होगी मां दुर्गा

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची : महज हफ्तो भर का समय रह गया है शारदीय नवरात्र को रांची जिले में विभिन्न प्रकार के पंडालो का निर्माण अपने अंतिम चरण पर है इस क्रम में शिवसेना दुर्गा पूजा समिति परिवार का पंडाल इस वर्ष काफी खास और मनमोहक है स्वप्न लोक के थीम पर बन रहा पंडाल भक्तों के लिए नवरात्रि के पंचमी के दिन खोल दिया जाएगा पंडाल की चौड़ाई लगभग 55 फीट और लंबाई 45 फिट है बंगाल से आए जयदेव के 12 कारीगर दिन-रात पंडाल के निर्माण में लगे माता की प्रतिमा भव्य और सुंदर और अलौकिक होगी आसपास सुरक्षा के महत्वपूर्ण इंतजाम किए जाएंगे 10 सीसीटीवी कैमरे और तीन ड्रोन से पंडाल के चारों तरफ आए हुए श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षा के दृष्टिकोण में इंतजाम किए जाएंगे खाना पीने लजीज व्यंजनों के स्टॉल और साथ-साथ छोटे बच्चों के लिए आकर्षित झूलों भी लगाए जाएंगे समिति का इस वर्ष का पूरा खर्च लगभग 14 लख रुपए का है या जानकारी समिति के कार्यकारी अध्यक्ष श्री नरेश पंडित ने दी.

भ्रष्टाचार के खिलाफ पूर्व प्रमुख अनिश्चितकालीन धरने पर बैठी, समर्थन में उतरे चंद्रपुरा मंडल भाजपा के लोग

बेरमो : चंद्रपुरा प्रखंड प्रखंड कार्यालय पर पूर्व प्रमुख तथा रंगामाटी पूर्वी के वर्तमान पंचायत समिति सदस्य अनीता गुप्ता 27 9.24 से प्रखंड कार्यालय चंद्रपुरा के समक्ष अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गई।

बताते चले की पूर्व प्रमुख अनीता गुप्ता तथा वर्तमान रंगा माटी पूर्वी के पंचायत समिति सदस्य पांच सूत्री मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गई है इसमें मुख्य रूप से (1)पंचायत समिति मद से क्रियान्वित योजनाओं में पंचायतो में भेदभाव।

(2) चंद्रपुरा प्रखंड कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार। (3) पंचायत समिति के मौजूदा कार्यकाल जून 2022 से अब तक पंचायत समिति मद से रांगामाटी पूर्वी को अब तक एक भी योजना ना देते हुए राजनीति से प्रेरित होकर पक्षपात करना एवं निर्वाचित जनप्रतिनिधि की उपेक्षा करना। (4) प्रखंड नाजीर मनोज रजक के द्वारा एक पक्ष को विशेष तौर पर प्राथमिकता देना तथा राजनीति करना।

(5) प्रखंड के नाजिर पिछले 12 वर्षों से चंद्रपुरा प्रखंड में ही पदस्थापित होना। तथा स्थानांतरण के बाबजूद विरमित न होना।

इस प्रकार 5 सूत्री मांग मुख्य तौर पर रखी गई है चंद्रपुरा प्रखंड के पूर्व प्रमुख अपने दर्जनों समर्थको तथा भाजपा समर्थको के साथ अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गई है ईनके समर्थन में मुख्य रूप से बेरमो के पूर्व विधायक योगेश्वर महतो उर्फ बाटुल आजसु के डुमरी विधानसभा प्रभारी यशोदा देवी,वर्तमान जिला परिषद सदस्य संतोष कुमार पांडे, डुमरी के जिला परिषद सुनीता देवी, भाजपा नेता संजीव सिंह ,भाजपा नेता रविंद्र मिश्रा, मुख्य रूप से मौजूद होकर कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान दे रहे हैं। बेरमो के पूर्व विधायक योगेश्वर महतो बाटुल ने कहा कि अगर शीघ्र ही अनीता गुप्ता की मांगों को प्रशासन के द्वारा नहीं मानी गई तो चंद्रपुरा मंडल भाजपा के लोग अनीता गुप्ता की पूर्ण समर्थन में उतरकर अनिश्चितकालीन धरने को सफल बनाएंगे। क्योंकि निश्चित तौर पर वर्तमान सरकार में व्याप्त भ्रष्टाचार चरम पर है अधिकारी पदाधिकारी की ट्रांसफर पोस्टिंग मैं बड़े पैमानों पर पैसे की लेनदेन तथा प्रखंड कार्यालय के अंदर वर्तमान सरकार के लोगों की व्याप्त भ्रष्टाचार मैं सहभागिता है। जिससे जनता का कोई भी काम नहीं होता है पंचायत समिति मद का भी इस्तेमाल चेहरे देखकर तथा पारदर्शिता पूर्वक नहीं होना व्याप्त भ्रष्टाचार को दर्शाता है।एक नाजीर का 12 वर्षों में कहीं भी तबादला ना होना निश्चित तौर पर सवालिया निशान उठाता है।

वहीं वर्तमान जिला परिषद संतोष कुमार पांडे ने कहा कि पूर्व प्रमुख अनीता गुप्ता जिन मुद्दों को लेकर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठी है निश्चित तौर पर बहुत बड़ा मामला है इसीलिए मैं भी उनके समर्थन में अनिश्चितकालीन धरने पर बैठूंगा और साथ दूंगा। वहीं आज सुख नेत्री यशोदा देवी ने कहा कि चंद्रपुरा प्रखंड ही नहीं पूरे राज्य में भ्रष्टाचार का आलम है जिन मुद्दों को लेकर मेरी छोटी बहन अनीता गुप्ता ने धरने पर बैठी है निश्चित तौर पर यह धरना प्रदर्शन हर प्रखंड कार्यालय पर होना चाहिए प्रखंड कार्यालय के अंदर व्याप्त भ्रष्टाचार चरम पर है।

सीसीएल में 38 वां क्षेत्रीय खान बचाव सुरक्षा प्रतियोगिता समापन सह पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची : सीसीएल दरभंगा हाउस के कन्वेंशन सेंटर में 38 वां खान सुरक्षा प्रतियोगिता समापन सह पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया।प्रतियोगिता 25/09/2024 से 26/09/2024 तक एमआरएस रामगढ़ और भुरकुंडा यूजी, बरका सयाल क्षेत्र में मनाई गई।इस प्रतियोगिता में कुल 12 टीमों ने भाग लिया। अंतिम दिन समारोह सीसीएल मुख्यालय में मनाया गया। समारोह के आरंभ में आर्मी बैंड ने गणमान्य

अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर डॉ एस एस प्रसाद, उप महानिदेशक डीजीएमएसतथा मुख्य अतिथि के रूप में सीसीएल सीएमडी श्री निलेंदु कुमार सिंह उपस्थित थे। इस समारोह में श्री आफताब अहमद, एवं श्री एन पी देवरी, सहित खान सुरक्षा महानिदेशालय के वरीय अधिकारीगण भी उपस्थित थे।अवसर विशेष पर निदेशक (कार्मिक) श्री हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक (वित्त) पवन कुमार मिश्रा, निदेशक (तकनीकी) श्री हरीश दुहान, निदेशक (तकनीकी/योजना एवं परियोजना) श्री सतीश झा, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री पंकज कुमार तथा अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

कार्यक्रम का आरंभ गणमान्यों ने द्वीप प्रज्वलित कर किया। इसके उपरांत महाप्रबंधक (सुरक्षा) श्री एस के सिंह ने सभी गणमान्य व्यक्तियों को संबोधित करते हुए सीसीएल की बचाव सेवा का संक्षिप्त विवरण दिया। कार्यक्रम के दौरान डीएवी ,गांधीनगर के छात्रों ने नृत्य एवं नाट्य की सुंदर प्रस्तुति देकर उपस्थित सभी का मन मोह लिया। इस प्रतियोगिता में हुए सभी प्रतिस्पर्धाओं को एक लघु फिल्म के माध्यम से सभी के समक्ष रखा गया।

इस प्रतियोगिता में कुल आठ प्रतिस्पर्धा में कर्मियों ने हिस्सा लिया जो इस तरह हैं :

1. रिले रेस, 2. ऑनलाइन टेस्ट, 3. फ्लैग होएस्टिंग, 4. फर्स्ट एड प्रतियोगिता, 5. स्टेटूटोरी टेस्ट, 6. एफएबी, 7. रेस्क्यू एवं 8. रिकवरी। कार्यक्रम के अंत में गणमान्यों द्वारा विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

टाटा स्टील जूलॉजिकल पार्क ने श्रमिकों की सुरक्षा मानकों को और बेहतर बनाने के लिए एक जागरूकता सत्र का आयोजन किया

जमशेदपुर । टाटा स्टील जूलॉजिकल पार्क ने स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत श्रमिकों के लिए एक जागरूकता सत्र का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों को मजबूत बनाना है।

सुरक्षा प्रोटोकॉल को फिर से परिभाषित करने के उद्देश्य से एक सुरक्षा प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें स्टाफ, ई-कार्ट चालक, हाउसकीपिंग कर्मचारी, और सिक्योरिटी टीमों ने भाग लिया। यह पहल टाटा स्टील फाउंडेशन के वॉलंटियर समूह और टाटा स्टील जूलॉजिकल सोसाइटी के सहयोग से की गई, जो हमारे स्टाफ, आगंतुकों और जानवरों के लिए एक सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस बैठक में चिड़ियाघर में काम कर रहे 40 से अधिक लोगों ने भाग लिया। यह पहल डॉ. नाइम अख्तर, डेप्युटी डायरेक्टर, टाटा स्टील जूलॉजिकल पार्क के मार्गदर्शन में और टाटा स्टील की एक विशेषज्ञ टीम द्वारा संचालित की गई, जिसमें संतोष कुमार सिंह (वर्कप्लेस सेफ्टी), सेंट्रल सेफ्टी टीम से एस. इलावरासु, अमरनाथ योगी (फील्ड मेंटेनेंस), और शालिनी कुजूर (मैनेजर, टाटा स्टील फाउंडेशन) शामिल थीं। प्रशिक्षण में घरेलू सुरक्षा, पार्क सुरक्षा, और स्वच्छता मानकों जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया, ताकि सभी कर्मचारियों को उच्च सुरक्षा और स्वच्छता मानकों को बनाए रखने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से लैस किया जा सके। डेप्युटी डायरेक्टर और अन्य विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों के साथ अपने ज्ञान और अनुभव साझा किए। कर्मचारियों को संभावित खतरों की पहचान, प्रभावी सुरक्षा उपायों को लागू करने, और चिड़ियाघर के भीतर स्वच्छता के संस्कृति को बढ़ावा देने पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। साथ ही, सभी के लिए सुरक्षित वातावरण बनाए रखने में सामूहिक जिम्मेदारी के महत्व पर जोर दिया गया। टाटा स्टील के साथ इस सहयोग के माध्यम से, हम न केवल अपने स्टाफ के कौशल को बढ़ा रहे हैं, बल्कि अपने आगंतुकों को सुरक्षित और सुखद अनुभव प्रदान करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को भी मजबूत कर रहे हैं। टाटा जू सुरक्षा अभ्यासों में निरंतर सुधार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को बनाए रखते हुए, स्टाफ और आगंतुकों का हित सुनिश्चित करने के लिए नियमित प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन करना जारी रखेगा।

युवा आजसू ने रांची विश्वविद्यालय के कुलपति को सौंपा 6 सूत्री मांग पत्र

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची : शुक्रवार को युवा आजसू का एक प्रतिनिधिमंडल रांची महानगर संयोजक अभिषेक शुक्ला के नेतृत्व में रांची विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो श्री अजीत कुमार सिन्हा से मुलाकात कर उन्हें छात्र छात्राओं की विभिन्न समयाओ से अवगत कराते हुए मांग पत्र सौंपा मांग पत्र सौंपते हुए युवा आजसू के रांची महानगर संयोजक अभिषेक शुक्ला ने कहा के विगत कई वर्षों से रांची विश्वविद्यालय का प्लेसमेंट सेल ठप पड़ा हुआ है जिसके चलते यहां के विद्यार्थी विभिन्न कोर्स कंप्लीट करने के बावजूद बेरोजगार है इधर-उधर भटकने पर विवश है। छात्र-छात्राएं अपनी उज्जवल भविष्य इच्छा रखते हुए विश्वविद्यालय में नामांकन लेते हैं एक कोर्स कंप्लीट होने के बाद उन्हें कहीं ना कहीं प्लेसमेंट सेल के जरिए रोजगार की प्राप्ति होगी। मगर प्लेसमेंट सेल के उदासीन रवैया के कारण छात्र-छात्राओं को निराशा के अलावा और कुछ नहीं हाथ लगता है। श्री शुक्ला ने रांची विश्वविद्यालय के कुलपति को योग विभाग की परेशानियों से भी अवगत करवाते हुए कहा की योग विभाग में एक सेमेस्टर की पढ़ाई एक महीने में खत्म कर दी जा रही

है अर्थात दो वर्षों के डिग्री कोर्स को 4 महीने में पढ़ा दिया जा रहा है जो कि छात्र-छात्राओं के हित में नहीं है। योग विभाग में शिक्षकों की कमी के कारण यहां के छात्र-छात्राओं को आए दिन परेशानी का सामना करना पड़ता है इस परेशानी को देखते हुए योग विभाग में शिक्षक बहाली की नियुक्ति प्रक्रिया अभिलंब शुरू की जाए विभाग में योग करने संबंधित उपकरण की कमी है जिसके चलते यहां पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को प्रेक्टिस करने में काफी असुविधा होती है वहीं बीएससी इन योगिक साइंसेज के बच्चों से मार्च महीने में 500 योगदा सत्संग आश्रम भ्रमण के नाम पर लिया गया था 18000 रुपए विश्वविद्यालय ने भी उपलब्ध कराए थे एवं विभाग को निर्देश दिया गया था के सभी छात्र-छात्राओं से लिए गए पांच 500 उन्हें वापस कर दिया जाए परंतु 6 महीने बीत जाने के बावजूद भी छात्र-छात्राओं को पैसे वापस नहीं किए गए हैं।

मौके पर मौजूद रांची विश्वविद्यालय के कुलपति श्री अजीत कुमार सिन्हा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए रांची विश्वविद्यालय के कोर्सेज फॉर वोकेशनल स्टडीज की डिप्टी डायरेक्टर डॉक्टर स्मृति सिंह को लिखित आदेश दिया के 7 दिनों के अंदर रांची विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट सेल को सुचारू रूप से संचालित किया जाए एवं योग विभाग के जितने भी समस्याएं हैं उन्हें अभिलंब दूर किया जाए।

युवा आजसू के रोहित चौधरी ने कहा के अगर हमारी मांगों को जल्द पूरा नहीं किया गया तो युवा आजसू आंदोलन के लिए बाध्य होगी।

प्रतिनिधि मंडल में मुख्य रूप सेः रोहित चौधरी, प्रियांशु शर्मा, अकाश नयन, विशाल कुमार यादव के अलावा कई अन्य सदस्य मौजूद थे।

मकतब के बच्चों का इनामी मुकाबला क़ो लेकर हुई बैठक,कमेटी का किया गया गठन

जाकिर अंसारी अध्यक्ष नईम अंसारी सचिव व मोहसीन आलम को कोषाध्यक्ष बनाया गया

ओरमांझी(मोहसीन आलम):नेवरी गोलंबर चौक के हाजी कंपलेक्स में शुक्रवार क़ो कारी मोईन अंसारी कि अध्यक्षता में क्षेत्र के मुस्लिम बुद्धिजीयों कि एक अहम बैठक हुई,जिसमें मुस्लिम समुदाय में शिक्षा के स्तर क़ो बढ़ाने पर चर्चा करते हुए क्षेत्र भर के मकतब में पढ़ने वाले बच्चों का तकरीर,नात पाक,केरत व इस्लामीक लिखित परीक्षा कराने का विचार पारित किया गया,जिसके सफल आयोजन के लिए एक कमेटी का गठन किया गया,जिसमें सर्वसम्मति से जाकिर अंसारी क़ो अध्यक्ष, हुमायूं उर्फ नईम अंसारी को सचिव व मोहसीन आलम आलम क़ो कोषाध्यक्ष बनाया गया,कमेटी को सुचारू रूप से चलने के लिए हाफिज अतहर इमाम,मौलाना गुलजार नदवी,कारी मोईन अंसारी,असफाक खान,रब्बानी अंसारी, मिन्हाज अंसारी,हैदर अंसारी,जावेद अंसारी,असफाक अहमद क़ो मेंबर के रूप में चयन किया गया,कमेटी ने फैसला लिया कि लगभग एक महीना के अंदर मकतब में पढ़ने वाले बच्चों का इस्लामीक प्रतियोगिता आयोजित करेगी,जिसमें शानदार प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा, वही कमेटी ने गाइडलाइन जारी करते हुए बताया कि एक मकतब से तकरीर नात पाक व केरत के लिए एक-एक बच्चे और इस्लामिक लिखित परीक्षा में तीन बच्चों क़ो शामिल होने की अनुमति रहेगी, प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बच्चों को रजिस्ट्रेशन करना जरूरी होगा,तभी वह परीक्षा में हिस्सा ले पाएंगे,रजिस्ट्रेशन फॉर्म बहुत जल्द क्षेत्र के मकतब में कमेटी के जिम्मेदार लेकर जायेंगे,जहाँ गांव स्तर के सदर सेक्रेटरी व जिम्मेदार से भी मुलाक़ात करेंगे।अगला बैठक में परीक्षा केंद्र चयन किया जायेगा।

धनबाद में दिनदहाड़े हुई लूटःधनबाद सदर थाना क्षेत्र का मामला, बाइक सवार अपराधियों ने लूटे पांच लाख

धनबादः धनबाद जिले के सदर थाना क्षेत्र सीटी सेंटर स्थित घात लगाए अपराधियों ने पांच लाख की लूट कर फरार हो गए। भुक्त भोगी आईसीआईसी आई बैंक से पांच लाख निकासी कर जैसे ही बैंक से बाहर

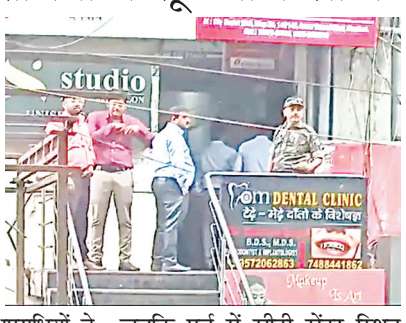

निकले बाइक सवार अपराधियों ने घटना को अंजाम दिया। सूचना के बाद सदर थाना मौके पर पहुंच जांच में जुट गई।

दोपहर दो बजे की घटना

धनबाद कोयलांचल में इन दिनों अपराधियों का हौसला बुलंद है। शुक्रवार की दोपहर लगभग दो बजे सीटी सेंटर स्थित घात लगाए बाइक सवार अपराधियों ने कतरास निवासी विनय कुमार एवं उनके सहयोगी से पांच लाख की लूट की घटना को अंजाम दे कर फरार हो गया। भुक्त भोगी घटना के बाद चीखता चिल्लाते रह गए। वही घटना की सूचना पर पहुंची धनबाद सदर थाना घटना को लेकर आईसीआइसी आई बैंक के प्रबंधक और भुक्त भोगी से घटना की छानबीन में जुट गए। इस दौरान बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरा भी पुलिस खंगालने में लगी है।

कुछ दिन पहले घटी थी घटना

जबकि पूर्व में सीटी सेंटर स्थित आईसीआईसी आई बैंक के बाहर कुछ दिन पूर्व इसी तरह की घटना की अंजाम अपराधियों ने दिया था। आज पुनः दूसरी बार अपराधियों ने तरह की घटना को दोहराते हुए पांच की की लूट कर चलते बने।

वहीं घटना की सूचना पर मौके पर पहुंचे डीएसपी (लॉ एंड ऑर्डर) दीपक कुमार ने बताया कि कतरास निवासी विनय कुमार और उनके सहयोगी से बैंक के बाहर बाइक सवार से दो अपराधी झपट्टा मारकर ले भागे हैं सभी बिंदुओं पर जा चल रही है। जिले के विभिन्न चौक चौराहा पर सघन जांच अभियान लगा दी गई है बहुत जल्द ही अपराधी पुलिस की शिकंजे में होगी।

इस स्थान पर पहले भी अज्ञात बदमाशों द्वारा इस तरह की लूट की घटना को अंजाम दिया गया था। फिलहाल यहाँ आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। जल्द ही उन अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

विकास इंस्टीच्यूट ऑफ नर्सिंग नेवरी विकास में सम्मान समारोह आयोजित

ओरमांझी(मोहसीन आलम):विकास सेवा निकेतन द्वारा संचालित शिक्षण संस्थान विकास इंस्टीच्यूट ऑफ नर्सिंग, नेवरी विकास, रांची के सत्र 2021-23 एवं 2022-24 के एएनएम छात्राओं का रिजल्ट शत प्रतिशत रहा । बता दें कि झारखण्ड परिचारिका परिषद्, रांची द्वारा 26 सितंबर 2024 को एएनएम का रिजल्ट प्रकाशित कर दिया है। जिसमे विकास इंस्टीच्यूट ऑफ नर्सिंग, नेवरी विकास, रांची के छात्राओं का रिजल्ट शत प्रतिशत रहा। सत्र 2021-23 के छात्राओं में प्रियंका कुमारी 93.17 प्रतिशत अंक प्राप्त कर कॉलेज टॉपर बनी जबकि लखिमानी कुमारी 92.34 प्रतिशत अंक प्राप्त कर कॉलेज में द्वितीय स्थान एवं पूर्णिमा कुमारी 91.34 प्रतिशत अंक के साथ तृतीय स्थान प्राप्त की। वहीं सत्र 2022-24 के प्रथम वर्ष की मुख्य परीक्षा में अर्शी मलिका 89.75 प्रतिशत अंक प्राप्त कर कॉलेज टॉपर बनी, वही अंजली महतो 88.38 अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान प्राप्त की जबकि रुखसार प्रवीन एवं साईका जबीं 88 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान पर रही। इस ख़ुशी के अवसर पर कॉलेज के डायरेक्टर राधाचरण सिंह द्वारा विशेष कार्यक्रम आयोजित कर सभी सफल छात्राओं को उनकी सफलता पर बधाई दिए एवं छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा की लक्ष्य के प्रति शतत एवं कड़ी मेहनत ही सफलता की कुंजी है। इस अवसर पर उन्होंने छात्राओं के साथ-साथ शिक्षकों एवं पूरी प्रबंधन टीम को इस सफलता पर बधाई दिए एवं कहा की जूनियर छात्राओं को सफल छात्राओं से सिख लेनी चाहिए। वहीं नर्सिंग के प्रिंसिपल अनूपा खलखो ने छात्राओं की उपलब्धि में उनके उज्जवल भविष्य की कामना एवं बधाई दिए । इस अवसर पर उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने वाले छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर समानित किया गया। इस अवसर पर कॉलेज में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने वाले छात्राओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि कॉलेज के सभी शिक्षक, प्रबंधन विशेष रूप से डायरेक्टर बहुत ही सहायक हैं। कॉलेज में शिक्षण प्रशिक्षण बहुत ही अच्छे से कराया जाता है कॉलेज में सभी शिक्षक का छात्राओं के प्रति सहयोगात्मक व्यवहार रहता है। इस अवसर पर विकास इंस्टीच्यूट ऑफ नर्सिंग के डायरेक्टर राधा चरण सिंह, प्रिंसिपल अनूपा खलखो, श्रेया झा, जेबा परवीन, नीता कुमारी, डा० ए०पी० सिंह,डा० एस०पी० सिंह, एस०के० तिवारी, इरशाद अंसारी एवं समस्त छात्राएं उपस्थित थे।

ट्रांसपोटिंग हाईवा गाड़ी छः घण्टा बंद रखा गया, वार्ता बाद वापस लिया गया

बेरमो : झारखंड कोलियरी कामगार यूनियन के बैनर तले शुक्रवार को रिजेक्ट ट्रांसपोटिंग हाईवा गाड़ी छः घण्टा बंद रखा गया वार्ता बाद वापस लिया गया बताते चले की पूर्व में झारखंड कोलियरी कामगार यूनियन जोनल अध्यक्ष बैजनाथ महतो द्वारा सात सूत्री मांग पत्र बोकारो एवं करगली बी०एंड०क क्षेत्र महाप्रबंधक एवं परियोजना पदाधिकारी करगली वाशरी को दिया गया था जिसमे दो दिन में सम्मान जनक सभी समस्याओं का समाधान करने के लिए कहा गया। समाधान नही करने पर करगली वाशरी रिजेक्ट सेल को अनिश्चित कालीन बंद करने का नोटिस दिया गया था। समाधान के लिए दिनांक 14/09/2024 वार्ता करने हेतु पत्र मिला वार्ता करगली ऑफिसर क्लब सभी साथ बिंदु पर समय साथ दिन तिथि तय के साथ हुआ (1) प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी बनाने के लिए सीसीएल द्वारा अधिग्रहण किया हुआ जमीन भूमि अनापत्ति प्रमाण पत्र देने नही तो जमीन वापस करने तत्काल कैसे आवास बने इसके लिए एक सप्ताह का समय लिया गया

है (2) सीसीएल (बी०&के०)क्षेत्र द्वारा सभी भूमि अधिग्रहण किया है और उसे सीसीएल होल्डिंग टेक्स देती है फिर विस्थापित किसान क्यो होल्डिंग टैक्स देकर पानी कनेक्शन ले निर्णय सीसीएल प्रबंधन यूनियन समिति नगर परिषद फ़ुसरो के कार्यपालक पदाधिकारी के साथ बात कर मुप्त में पानी कनेक्शन देने पर सहमति बनी दिनांक 18/09/2024 नगर कार्यालय या माननीय मंत्री बेबी देवी आवास में वार्ता होने पर सहमति बनी । (3) रेहवाघाट बस्ती में 200 KB के ट्रांसफार्मर एवं बड़की टांड में अच्छी बोल्टेज के लिए भी बात हुई नही सुधरने पर वहा पर भी 200 KB के ट्रांसफार्मर लगाने की सहमति बनी दिनांक 16/09/2024 से दिनाँक 20/09/2024 तक बोल्टेज ठीक करने की सहमति बनी । (4) सीसीएल (बी०&के०)क्षेत्र द्वारा बालु बैंकर में वॉलीबाल ग्राउंड चार दिवारी सहित सब स्टेशन के बगल में चिल्ड्रन पार्क बनाने पर सहमति बनी जल्द कार्य आरंभ करने की सहमति बनी । (5) रेहवाघाट कलभट से बालु बैंकर तक रस्ता के दोनों ओर गार्डवाल देने उसके बाद रिजेक्ट साईड चेकपोस्ट से भेड़ मुक्ता तक आर सीसी गार्डवाल बनाने पर सहमति बनी दिनाँक 16/09/2024 को साईड देखने और कार्य करने की सहमति बनी (6) रिजेक्ट ट्रांसपोटिंग हो रहे धूल गर्दा उड़ने उसे प्रदूषण हो रहे को रोकने के लिए दिनभर टैंकर से पानी छिड़काव करने पर सहमति बनी (7) सीसीएल (बी०& के०) द्वारा सीएसआर मद से रेहवाघाट सिंगार बेड़ा सहित बालु बैंकर तालाब सोन्द्रीयकर्ण करने की सहमति बनी इस वार्ता में मुख्य अतिथि मंत्री पुत्र झारखंड कोलियरी कामगार यूनियन केंद्रीय अध्यक्ष अखिलेश उर्फ राजु महतो सहित सीसीएल जोनल अध्यक्ष बैजनाथ महतो प्रबन्ध के आश्वासन 7 दिनों का समय दिया गया था लेकिन कोई काम नही हुआ पुनः दिनांक 25/09/2024 को प्रबन्ध को रिजेक्ट ट्रांसपोटिंग बंद करने का पत्र दिनांक 27/09/2024 दिया गया था सुबह 6 बजे से 12 दिन तक ट्रांसपोटिंग हाईवा ट्रक बंद रखे प्रबंधन की ओर से आये शिवलाल रविदास एवं परियोजना पदाधिकारी से वार्ता हुई इन लोगो ने फिर दुर्गा पूजा तक समय लिया सभी कार्य पूरा करेंगे इस तरह अनिश्चित कालीन बन्दी वापस ले लिया गया है इस अवशर पर समाजसेवी चिंतामणि महतो,सन्तोष रविदास,फूलचंद रविदास,निर्मल रविदास,जानकी रविदास,कारू रविदास,रमवातार गिरी, मित्रजीत महतो ,महेश महतो,मेघलाल महतो,रलेष रविदास,देवनारायण महतो, अरुण कुमार,मनोज रविदास,छोटेलाल सिंह,पिंटू महतो, विवेक महतो, भीम सिंह,सन्तोष रविदास,किसुन रविदास,अजय रविदास,रति रविदास,भुनेश्वर रविदास,मिथलेश रविदास सनी कुमार,मुरली रविदास, विनेश्वर रविदास,जागेश्वर महतो,विजय गिरी, कुलिया देवी,सबिया देवी,बुंदिया देवी,शांति देवी,जिरिया देवी,हेमंती देवी,लखवा देवी,देमंती देवी,ममता देवी,पार्वती देवी,जागेश्वरी देवी,सीता देवी,प्रमिला देवी,पूर्णिमा देवी,उर्मिला देवी,चम्पा देवी,च्चाईन देवी,कारी देवी,आशा देवी सहित लगभग सैकड़ो महिला पुरूष रैयत लोग उपस्थित थे ।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटुआ, रांची से मुद्रित एवं फर्स्ट फ्लोर, 105, नायल कॉम्प्लेक्स, कांटाटोली, रांची-834001 (झारखण्ड) से प्रकाशित, आर.एन.आई. नं. JHAHIN/50549 फोन नं. 8084372014, Email : koylanchalsamvad@gmai.com & koylanchal.hindi@gmail.com *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट तहत जिम्मदार।